रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
RAMPUR RAZA LIBRARY

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Culture, Government of India

45 वीं वार्षिक रिपोर्ट
45th Annual Report
2019-20

Ministry of Culture
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

17 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी में आयोजित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड समारोह के अवसर पर श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी, माननीया राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड अपने विचार व्यक्त करती हुई।

राजभवन लखनऊ में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की 49वीं बैठक के दौरान श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी, माननीया राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड एवं बोर्ड के सदस्य राजभाषा पत्रिका : गाँधी विशेषांक का विमोचन करते हुए।

(20 दिसम्बर 2019)

Ministry of Culture
Government of India

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)

45वीं वार्षिक रिपोर्ट

2019–2020

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
हामिद मंज़िल, क़िला
रामपुर–244901 (उ०प्र०) भारत

© रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

सर्वाधिकार सुरक्षित प्रकाशक की पूर्व अनुमति बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा इसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

पुस्तक का नाम : **45वीं वार्षिक रिपोर्ट : 2019–20**
रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

प्रकाशक : **रविन्द्र कुमार माँदड़ (आई०ए०एस०)**
निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी/जिलाधिकारी रामपुर

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
रामपुर 244901 (उ०प्र०) भारत

वेबसाइट : www.razalibrary.gov.in
ई–मेल : raza-library@nic.in, directorrazalibrary@gmail.com
फोन : 0091–595–2325045, 2327244
फैक्स : 0091–595–2340548

विषय-सामग्री

1. सामान्य समीक्षा	1
2. लाइब्रेरी का संक्षिप्त इतिहास	7
3. लाइब्रेरी भवन एवं भूमि	11
4. रज़ा लाइब्रेरी संग्रहालय	12
5. लाइब्रेरी संग्रह	13
6. अधिनियम और विनिमय	26
7. उद्देश्य	26
8. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड व उप–समितियाँ	27
9. लाइब्रेरी की सुरक्षा	28
10.रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड	29
11.रामपुर रज़ा लाइब्रेरी स्कॉलरशिप	29
12.टैगोर नेशनल फैलोशिप/स्कॉलरशिप	30
13.लाइब्रेरी में न्यू एडिशन	30
14.तकनीकी सेवाएँ	31
15.सूचीकरण	32
16.कम्प्यूटरीकरण एवं डिजिटाइजशन	33
17.विद्वानों को सुविधाएँ	34
18.पाठकों को उपलब्ध सेवाएँ	35
19.लाइब्रेरी की प्रस्तावित योजनाएँ	35
20.लाइब्रेरी के प्रकाशन	36
21.संरक्षण एवं उपचार	36
22.प्रशिक्षण एवं सम्मेलन	37
23.संग्रहालय कार्य	38
24.लाइब्रेरी सोशल मीडिया पर	38
25.विशिष्ट आगंतुक	40
26.शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ	46
27.परिशिष्ट	57

45वीं वार्षिक रिपोर्ट 2019–2020
सामान्य समीक्षा

मैं प्रसन्नतापूर्वक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की कार्य संचालन की 45वीं वार्षिक रिपोर्ट (1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक) की गतिविधियों, तकनीकी, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूँ।

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी एवं बोर्ड के सभी सदस्यों के उचित मार्गदर्शन एवं बहुमूल्य योगदान तथा पुस्तकालय के निष्ठावान कर्मचारियों द्वारा समर्पित सेवाओं के फलस्वरूप उच्चस्तरीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विशेष प्रगति हुई है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी विश्व की सर्वोत्तम लाइब्रेरियों में से एक है। यहाँ दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ, इस्लामिक कैलीग्राफ़ी के नमूने, ताड़पत्र, ऐतिहासिक दस्तावेज़, प्राचीन मुद्रित पुस्तकें, इण्डो–पर्शियन और इण्डो–सेन्ट्रल एशियन लघु चित्र तथा ऐतिहासिक सिक्के, शीशे की प्राचीन कलाकृतियां आदि संग्रहित हैं। पुस्तकालय के संग्रह में अरबी, फ़ारसी, संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, तुर्की, पश्तो एवं अंग्रेज़ी आदि भाषाओं की पाण्डुलिपियों, मुद्रित पुस्तकों तथा विभिन्न लिपियों में हस्तलिखित पुस्तकों को संजोकर सुरक्षित रखा गया है जो सामान्य जन एवं बुद्धिजीवी वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिये गए यथेष्ट वित्तीय अनुदानों के द्वारा कार्य संचालन, रख–रखाव, संरक्षण, प्रकाशन, कम्प्यूटरीकरण और पाण्डुलिपियों का डिजीटाईज़ेशन किया गया है। इसके साथ ही केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा इस बहुमूल्य संग्रह की सुरक्षा का प्रबन्ध भी सुचारू रूप से किया गया है।

पुस्तकालय के संग्रह को क्रय, विनिमय एवं उपहार के माध्यम से समृद्ध बनाया जाता है। 01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 के दौरान पुस्तकालय द्वारा 781 पुस्तकें, 784 आवधिक पत्रिकाएं और 8105 समाचार पत्रों का अधिग्रहण किया गया। इस अवधि के दौरान 826 मुद्रित पुस्तकों का वर्गीकरण एवं 1,267 सूचीपत्र बनाये गये। 622 पाण्डुलिपियों और 3009 मुद्रित पुस्तकों का सूचीकरण किया गया। एक्सेशन नं० 62655 से नं० 63435 तक कुल 781 पुस्तकों का एक्सेशन किया गया। पुस्तकों की लेबलिंग तथा सफ़ाई का कार्य निरन्तर किया गया। 2,194 मुद्रित पुस्तकों पर 2,388 नये लेबल लगाये गये। सूचीपत्रों की जांच कर उनको अपटूडेट (अद्यतन) किया गया एवं लगभग 20,106 पुस्तकों को शैल्फ़ों पर साफ़ करके पुनः रखा गया। 29 पाण्डुलिपियों, 295 पुस्तकों एवं 2875 पत्रिकाएँ की जिल्दसाज़ी की गयी और इसके अतिरिक्त रजिस्टरों, नोट बुक तथा फोटो एलबम की मरम्मत तथा जिल्दसाज़ी भी की गई। 200 महत्वपूर्ण समाचार पत्रों की कटिंग कर संग्रहित किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के 1,310 कलर फोटो तैयार करवाये गये।

इस अवधि के दौरान 622 पाण्डुलिपियों (227 अरबी, 325 फारसी, 34 उर्दू और 36 हिन्दी) एवं 3,009 पुस्तकों (481 अरबी, 55 फारसी, 2229 उर्दू, 211 हिन्दी एवं 33 अंग्रेज़ी) का

कैटलॉग तैयार किया गया तथा 826 पुस्तकें वर्गीकृत की गयीं और विभिन्न भाषाओं के 1267 कैटलॉग कार्ड तैयार कर उनको कैटलॉग ट्रे में व्यवस्थित किया गया।

इस अवधि के दौरान 622 पाण्डुलिपियों (227 अरबी, 325 फारसी, 34 उर्दू और 36 हिन्दी) 2,230 पुस्तकों (460 अरबी, 1770 उर्दू) का ग्रन्थसूची सूचना के साथ कम्प्यूटर में डेटाबेस तैयार किया तथा 1269 मुद्रित पुस्तकों (701 हिन्दी, 33 अंग्रेजी, 459 उर्दू, 21 अरबी एवं 55 फारसी) का डेटाबेस कोहा सॉफ्टवियर में फीड किया गया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह की 2522 पाण्डुलिपियों के 3,14,157 पृष्ठों को डिजिटाइज़ किया गया।

लाइब्रेरी अपने पाठकों को सेवाएँ प्रदान करती है। इस अवधि के दौरान 64 वरिष्ठ शोधकर्ताओं ने 577 पाण्डुलिपियों का अध्ययन किया और 763 पाठकों ने 8,290 मुद्रित पुस्तकों का अवलोकन किया। इसके साथ–साथ 80,806 सामान्य पाठकों ने पुस्तकालय में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का अध्ययन किया तथा बड़ी संख्या में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के दरबार हॉल में स्थित रज़ा संग्रहालय को देखा।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी शोधकर्ताओं को पाण्डुलिपियों और मुद्रित पुस्तकों की छायाप्रति (फोटो कापी) भी भुगतान द्वारा प्रदान कराती है। इस अवधि में शोधकर्ताओं को मुद्रित पुस्तकों की 3,125 फोटो कापियां भुगतान द्वारा प्रदान की गयीं। इस दौरान 132 रज़ा लाइब्रेरी प्रकाशनों को शोधकर्ताओं को विक्रय किया गया एवं लाइब्रेरी प्रकाशन की 502 पुस्तकें बोर्ड के सदस्यों, उप–समितियों के सदस्यों, विशिष्ट अतिथियों, शोधकर्ताओं एवं लेखकों को उपहार स्वरूप दी गईं।

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा वैज्ञानिक विधियों से बहुमूल्य पाण्डुलिपियों के क्षतिग्रस्त 1,720 फोलियो एवं दुर्लभ मुद्रित पुस्तकों के क्षतिग्रस्त 1,796 फोलियो का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (एनएमएम) के अन्तर्गत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र मार्च 2019 से संचालित है। इस वर्षावधि में पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र द्वारा वैज्ञानिक विधियों से दुर्लभ पाण्डुलिपि के 2,255 क्षतिग्रस्त फोलियो का उपचारात्मक एवं 27,581 फोलियो का प्राथमिक संरक्षण सफलतापूर्वक किया गया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रहालय में प्रलेखन और कला–कृतियों को संरक्षित करने का कार्य निरन्तर किया जा रहा है, जो इस वर्षावधि में इस प्रकार है।

- 25 कलाकृतियों एवं 61 दुर्लभ सिक्कों का प्रलेखन किया गया।
- 150 कलाकृतियों का प्राथमिक संरक्षण किया गया।
- 07 संग्रहालय वस्तुओं का उपचारात्मक संरक्षण किया गया।
- 83 संग्रहालय वस्तुओं को प्रदर्शित एवं अनुशीर्षकों को तैयार किया गया।
- संग्रहालय वस्तुओं का आन्तरिक सत्यापन किया गया और विभिन्न अलमारियों में रखी वस्तुओं की सूची तैयार की गयी।

यह भव्य इमारत इण्डो–यूरोपियन भवन निर्माण कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस लाइब्रेरी में एक गैलरी है जिसमें ग्रीक स्त्रियों की विभिन्न मुद्राओं वाली आकर्षक इटैलियन मूर्तियाँ लगी हुई हैं। गैलरी में बने हुए कनोपियां, कोरनिस एवं चमकदार छत को शुद्ध सोने से अलंकृत किया गया है जो इसको और शानदार बनाते हैं। इस भव्य इमारत के चारों ओर ख़ाली स्थान को मुगल शैली की 'चार बाग' प्रणाली से शोभायुक्त बगीचे के रूप में विकसित किया गया, जिसमें फव्वारे, पानी की नालियाँ और सुन्दर एवं चुनिन्दा पौधे लगाये गये हैं। इस स्थान को अत्यधिक आकर्षित बनाने के लिए पानी की गहरी नहरों के ऊपर चारों ओर सुन्दर ढंग से कोटा पत्थर लगाये गये हैं।

रज़ा लाइब्रेरी में सम्पूर्ण ऐतिहासिक इमारत का पुरातत्विक नियमों में संरक्षण के तहत छतों तथा उसके भीतरी भागों फर्श, लॉन (घास के मैदान), दीवारों की मरम्मत आदि की गई। इस वर्ष कराये गये नवीन कार्य इस प्रकार हैं :–

- हामिद मंजिल एवं रंगमहल दोनों इमारतों की मरम्मत एवं रंगाई–पुताई।
- हामिद मंजिल एवं रंगमहल में लाइटिंग पोल लगाये गये।

प्रकाशन

रज़ा लाइब्रेरी अब तक 230 प्रकाशनों का प्रकाशन कर चुकी है। इस वर्षावधि 2019–2020 के दौरान भी अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेज़ी और हिन्दी की पुस्तकें प्रकाशित की गयीं हैं। इस अवधि के दौरान निम्नलिखित 07 पुस्तकों एवं न्यूजलेटर के 05 अंकों को प्रकाशित किया गया–

- *खतूत–ए–दाग़ (उर्दू)*
- *रूह की बेदारी (उर्दू)*
- *मोहावराते बेगमात (उर्दू)*
- *मजालिस–ए–रंगीन (उर्दू)*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी जरनल नम्बर–32 (उर्दू)*
- *राजभाषा पत्रिका (कबीर विशेषांक)*
- *राजभाषा पत्रिका (गांधी विशेषांक)*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूजलेटर (अंक 19–23)*

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विषयों के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेमिनार, व्याख्यान जैसे शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन जाता है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया–

01 अप्रैल 2019 को प्रसिद्ध शोधकर्ता एवं विद्वान मौलाना इम्तियाज अली खाँ अरशी की 38वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनसे सम्बन्धित **"पुस्तक प्रदर्शनी"** का आयोजन किया गया।

16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2019 तक **"स्वच्छता पखवाड़े"** का आयोजन किया गया।

28 अप्रैल 2019 को **"इक़बालियात और मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ"** पर द्वितीय मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ मैमोरियल विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

29 अप्रैल 2019 को लाइब्रेरी के सभागार में **"सूचीकरण एवं वर्गीकरण"** पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पवित्र माह रमज़ान के मुबारक अवसर पर 28 मई 2019 को **"पवित्र कुरान तथा खत्ताती के नमूनों"** की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

21 जून 2019 को **"पांचवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस"** पर योगाभ्यास हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

22 जून 2019 को सालारजंग म्यूज़ियम हैदराबाद में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार और पवित्र कुरान की प्रदर्शनी का आयोजन ईरान वाणिजय दूतावास द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय सेमिनार और प्रदर्शनी में **"रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने कुरान की दुर्लभ और चित्रित पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियाँ"** प्रदर्शित की।

24 जुलाई 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के परिसर में **"वृक्षारोपण"** किया गया।

31 जुलाई 2019 को प्रसिद्ध उपन्यासकार, साहित्यकार एवं स्वतंत्रता सेनानी मुंशी प्रेमचंद की 139वीं जन्मजयंती के अवसर पर लाइब्रेरी के सभागार में **"प्रेमचंद का साहित्य में योगदान"** विषय विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

04 अगस्त 2019 को **"अमीर मीनाई की साहित्यिक सेवायें"** विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद के भूतपूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग के प्रोफेसर एस. फ़ज़ले इमाम ने विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया।

5 अगस्त 2019 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, इकाई रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा **"वर्षा जलसंचयन"** पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

10 से 14 अगस्त 2019 तक लाइब्रेरी के दरबार हॉल में **"भारत–उज़बेकिस्तान प्रदर्शनी"** का आयोजन किया गया।

14 से 24 अगस्त 2019 तक स्वतंत्रता सेनानियों से सम्बन्धित **"पुस्तक प्रदर्शनी"** का आयोजन किया गया।

15 अगस्त 2019 को **"73वां स्वतंत्रता दिवस"** मनाया। तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी प्रो० सैयद हसन अब्बास ने रज़ा लाइब्रेरी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रीय गान के साथ सीआईएसएफ जवानों सहित राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

14 से 28 सितम्बर 2019 तक लाइब्रेरी में **"हिन्दी पखवाड़ा"** मनाया गया। इस दौरान हिन्दी की दुर्लभ पाण्डुलिपियों और प्राचीन मुद्रित पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया।

01 से 14 अक्तूबर 2019 तक **"राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से संबंधित पुस्तकों एवं चित्रों"** की प्रदर्शनी प्रदर्शित की गयी।

02 अक्तूबर, 2019 को लाइब्रेरी में **"गांधी जयंती"** मनायी गयी।

17 से 28 अक्तूबर 2019 तक सर सैयद अहमद खाँ के जन्मदिवस के अवसर पर लाइब्रेरी में **"सर सैयद अहमद खाँ से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी"** का आयोजन किया।

28 अक्तूबर से 02 नवम्बर, 2019 तक लाइब्रेरी में **"सर्तकता जागरूकता सप्ताह"** मनाया गया।

31 अक्तूबर 2019 को **"राष्ट्रीय एकता दिवस"** अर्थात लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में स्वतंत्रता सेनानियों से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी, व्याख्यान, शपथ ग्रहण एवं एकता दौड़ का आयोजन किया गया।

26 नवम्बर 2019 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में लाइब्रेरी में **"संविधान : एक परिचय"** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

26 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी में संग्रहित **"लघुचित्रों एवं चित्रों"** का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री कृष्ण बिहारी माथुर, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन, रामपुर, उ०प्र० एवं तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने किया।

26 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी में **"अग्निशमन के उपकरणों पर कार्यशाला"** का आयोजन किया गया।

01 से 10 दिसम्बर 2019 तक लाइब्रेरी में संग्रहित **"दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियों"** की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

12 जनवरी 2020 को लाइब्रेरी के सभागार हॉल में **"इंडो–ईरान राइटर्स मीट"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

20 जनवरी 2020 को रंगमहल में मूर्धन्य संगीतज्ञ और संस्कृतज्ञ आचार्य कैलाश चन्द बृहस्पति के 101वें जयन्ती वर्ष के विशेष अवसर पर **"जो रंग में उसके डूब गये"** विषय पर आकाशवाणी रामपुर और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान माला और संगीत संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

26 जनवरी 2020 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में भारत के **"गणतंत्र दिवस"** की 71वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर तत्कालीन निदेशक रज़ा लाइब्रेरी प्रो० सैयद हसन अब्बास ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

30 जनवरी 2020 को **"शहीद दिवस"** के अवसर पर लाइब्रेरी स्टाफ ने पूर्वाह्न 11.00 बजे, एकत्रित होकर 2 मिनट मौन धारण किया।

03 से 10 फरवरी 2020 को दरबार हॉल में **"इण्डो–उज़्बैक़ प्रदर्शनी"** का आयोजन किया गया। जिसमें उज़्बेकिस्तान से सम्बन्धित पेंटिंग्स और पाण्डुलिपियों को प्रदर्शित किया गया।

17 फरवरी 2020 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभागार हॉल में **"अवार्ड समारोह"** का आयोजन किया गया। अवार्ड समारोह के अवसर पर श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड द्वारा अवार्ड से विद्वानों को

सम्मानित किया गया एवं लाइब्रेरी में संग्रहित रामायण की पेंटिंग एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

27 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी द्वारा आयोजित मौलाना इम्तियाज़ अली अरर्शी तृतीय स्मृति व्याख्यान **"ग़ालिब का है अंदाज़–ए–बयां और"** पर डॉ० तक़ी आबदी, कनाडा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

08 मार्च 2020 को दरबार हॉल में **"राष्ट्रीय अखण्डता एवं सामाजिक सद्भाव"** पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री आन्जनेय कुमार सिंह, तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी/जिलाधिकारी रामपुर ने किया।

08 मार्च 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 के अवसर पर लाइब्रेरी के मीटिंग रूम में **"महिला सशक्तिकरण विषय पर एक संगोष्ठी"** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इस्पेक्टर रीना सिंह, प्रभारी महिला थाना, रामपुर एवं डॉ० किश्वर सुल्ताना, पूर्व प्रोफेसर हिन्दी विभाग, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज रामपुर थीं।

मैं महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड, बोर्ड के सभी सदस्यगणों एवं मुख्य सचिव, महामहिम राज्यपाल महोदया का समुचित रूप में आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं माननीय संस्कृति केन्द्रीय मंत्री और माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने लाइब्रेरी के सफलतापूर्वक संचालन के लिए प्रत्येक स्थिति में लाइब्रेरी की आर्थिक सहायता एवं मार्ग दर्शन किया।

दिनांक :

रविन्द्र कुमार माँदड़
निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी/
जिलाधिकारी, रामपुर

लाइब्रेरी का संक्षिप्त इतिहास

रामपुर के प्रथम शासक नवाब फैजुल्ला ख़ां द्वारा 1774 ई० में स्थापित की गई रामपुर रज़ा लाइब्रेरी भारतीय इस्लामी शिक्षा एवं कला का अनमोल ख़ज़ाना है जो उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर में स्थित है। यह स्वतंत्रता पूर्व "रियासत रामपुर" के नाम से जाना जाता था। नवाब फैजुल्लाह ख़ाँ 1794 ई० तक रियासत पर शासन करते रहे और अपने व्यक्तिगत प्रयासों से लाइब्रेरी में दुर्लभ पाण्डुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों, कैलिग्राफ़ी के नमूनों, पेन्टिंग्स, लघुचित्र एंव विभिन्न भाषाओं में अनेक पुस्तकों का संग्रह रियासत के तोशाख़ाने में किया था। रामपुर के नवाब विद्वानों, कवियों, चित्रकारों, कैलीग्राफ़रों तथा संगीतकारों के बहुत बड़े संरक्षक रहे हैं।

नवाब फ़ैज़ुल्लाह ख़ाँ

रियासत रामपुर के दूसरे नवाब मोहम्मद अली खाँ 17 जुलाई 1794 ई० को 43 वर्ष की आयु में सिंहासन पर आसीन हुए। यह नवाब फ़ैजुल्लाह ख़ाँ के बेटे थे। इनका शासनकाल केवल 24 दिन तक रहा। अपने कठोर स्वभाव की वजह से यह रूहेलों में तथा नवाबी ख़ानदान में लोकप्रिय न थे। नवाब ग़ुलाम मोहम्मद खाँ ने नवाब मुहम्मद अली खाँ को बेदखल करके गद्दी पर कब्ज़ा कर लिया।

नवाब मुहम्मद अली खा

नवाब गुलाम मोहम्मद खाँ 10 अगस्त 1794 ई० को 33 वर्ष की आयु में नवाब बने और उनका शासनकाल केवल तीन महीने और 22 दिन रहा। नवाब साहब को अपनी नवाबी कायम रखने के लिए अंग्रेज़ हुकुमत और अवध के नवाब आसिफ़ुद्दौला से ग्राम भिटौरा में युद्ध करना पड़ा था, जिसमें उनकी पराजय हुई। अंग्रेज़ी सरकार के पहरे में उनको पहले ठाकुरद्वारा और बाद में बनारस ले जाया गया, बनारस से नवाब साहब हज के सफर पर चले गये तथा वापसी में कांगड़ा पंजाब में रहने लगे। राजा संसार चंद ने आव–भगत और सम्मान के साथ अपने यहाँ रखा। 61 वर्ष की आयु में 18 फरवरी 1833 ई० को वहीं पर उनका निधन हुआ।

नवाब गुलाम मुहम्मद खाँ

नवाब अहमद अली खाँ 9 वर्ष की आयु में 29 नवम्बर 1794 को सिंहासन पर बैठे। नवाब नसरूलाह खाँ उनके रीजेन्ट नियुक्त हुए। नवाब अहमद अली खाँ कवि थे तथा "रिन्द" उनका तख़ल्लुस (उपनाम) था। वे ललित कलाओं में बहुत रूचि लेते थे तथा शिकार, निशानेबाज़ी, गीत व संगीत और नृत्य के प्रेमी थे। नवाब अहमद अली खाँ के शासनकाल (1794–1840 ई०) में लाइब्रेरी के संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि की गई थी।

नवाब अहमद अली खा

मौलवी ग़यासुद्दीन खाँ ने फ़ारसी शब्दकोष "ग़यासुल्लुग़ात" उन्हीं के काल में संकलित की। "बेनज़ीर" और "बद्रे मुनीर" की इमारतों का निर्माण उन्हीं के नवाबी काल में हुआ।

नवाब मोहम्मद सईद ख़ाँ

नवाब मोहम्मद सईद खाँ (1840–1855 ई०) एक सक्रिय शासक थे। उन्होंने लाइब्रेरी के लिए एक अलग विभाग बनाया तथा संग्रह को नये कमरों में रखवाया। इस कार्य के लिये उन्होंने अल्लामा यूसुफ़ अली मेहवी (एक अफ़गान विद्वान) को नियुक्त किया, जिन्होंने कुतुबखाना में संग्रह को व्यवस्थित किया तथा इन्होंने कश्मीर और भारत के अन्य भागों से सुप्रसिद्ध खत्तातों तथा दस्तकारों को आमंत्रित किया। नवाब ने फ़ारसी लिपि में एक मुहर बनवायी जो इस प्रकार है :–

"हस्त इन मुहर बर कुतुबखाना
वालिये रामपुर फ़रज़ाना" 1268 हिजरी" (1852 ई०)

नवाब यूसुफ़ अली खां ने 1 अप्रैल 1855 ई. में शासन की बागडोर संभाली। साहित्य और कला में उनकी काफ़ी रूचि थी, वे स्वयं भी 'नाज़िम' उपनाम से कविताएं लिखते थे। वे मशहूर शायर मिर्ज़ा ग़ालिब से सलाह लिया करते थे और उन्हें हर माह 200 रूपये का वज़ीफ़ा दिया करते थे। 1857 में हुए ऐतिहासिक ग़दर के समय में काफ़ी बड़ी संख्या में प्रसिद्ध विद्वान, कवि और लेखक दिल्ली से रामपुर आये और यहीं बस गए। "तारीख़े अदबे उर्दू" के लेखक राम बाबू सक्सैना ने लिखा है कि "नवाब साहब ने शोअराय देहली व लखनऊ को अपने दरबार में जमा करके उर्दू शायरी को गंगा–जमुनी कर दिया था।" नाज़िम की कविताओं के संग्रह पर आधारित सुन्दर पाण्डुलिपि रज़ा लाइब्रेरी में संरक्षित है जो देखते ही बनती है। इसे उसी रूप में लाइब्रेरी ने प्रकाशित कर कविता प्रेमियों के लिये उपलब्ध भी करा दिया है। नवाब युसुफ अली खाँ ने 10 वर्षों तक शासन किया और 1865 में उनका स्वर्गवास हुआ।

नवाब यूसुफ़ अली ख़ाँ

नवाब कल्बे अली खां (1865–87 ई.) उर्दू और फ़ारसी भाषाओं के विद्वान थे। उन्हें पाण्डुलिपियों, पेंटिंग और कलात्मक नमूनों के संग्रह में काफ़ी रूचि थी। उन्होंने कला–पारखियों के सहयोग से अनेक दुर्लभ पाण्डुलिपियों, पेंटिंग तथा कलात्मक नमूनों को उपलब्ध करके लाइब्रेरी के संग्रह को सम्पन्न किया था। उनके समय में रामपुर कला, काव्य, कैलीग्राफ़ी तथा शिक्षा का प्रमुख केन्द्र बन गया। रामबाबू सक्सेना ने इस युग में शिक्षा एवं साहित्य की उन्नति का उल्लेख करते हुये लिखा है कि "अदबी हैसियत से रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का (यह) सुनहरा काल कहा जाता है क्योंकि उस समय हर प्रकार के "अहले कमाल" (विद्वान) मौजूद थे।"

नवाब कल्बे अली ख़ाँ

इसके बाद 1887–89 ई. तक नवाब मुश्ताक अली खां रामपुर की गद्दी पर बैठे लेकिन उनके बीमार रहने की वजह से 1887 में जनरल अज़ीमुद्दीन खां रियासत का कार्य देखते थे। उन्होंने एक प्रबन्ध समिति बनाई थी तथा लाइब्रेरी के विकास एवं रख–रखाव के लिये पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया था। लाइब्रेरी की ख्याति और प्रगति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने एक दूसरी इमारत का शिलान्यास किया।

नवाब मुश्ताक अली ख़ाँ

नवाब हामिद अली खां (1889–1930 ई.) ने गद्दी संभालने से पहले कई देशों का भ्रमण किया था। उन्होंने उच्च शिक्षा ग्रहण की थी और रामपुर शहर में अनेक सुन्दर महलों तथा राजकीय इमारतों का निर्माण कराया था। नवाब मुश्ताक अली खाँ ने जिस इमारत का शिलान्यास किया था, उन्होंने 31 मार्च 1892 ई. को इसका बड़ी धूम–धाम से उद्घाटन किया और लाइब्रेरी के संग्रह को तोशाखाना से इस इमारत (वर्तमान राजकीय आई.टी.आई) में स्थानांतरित किया। उन्होंने लाइब्रेरी में उपलब्ध संग्रह को देश–विदेश के सभी शोधकर्ताओं के उपयोग के लिये खोल दिया। उन्होंने किला परिसर में एक सुन्दर भवन ''हामिद मंज़िल'' बनवाया, इस भवन में 1957 से रज़ा लाइब्रेरी स्थित है। यह इमारत इण्डो–यूरोपियन (Indo-European) शैली का उत्तम नमूना है।

नवाब हामिद अली ख़ाँ

उन्होंने इस लाइब्रेरी के प्रबंधन में भी काफ़ी सुधार किया। इनके शासन काल में हकीम अजमल खां, मौलवी नजमुल ग़नी खां और हाफ़िज़ अहमद अली खां शौक़ को लाइब्रेरी के रख–रखाव तथा प्रबन्धन के लिए नियुक्त किया गया। इन लोगों ने लाइब्रेरी की बहुत सेवा की तथा अरबी पाण्डुलिपियों एवं मुद्रित पुस्तकों की सूची उर्दू भाषा में भी बनाई जिसे लाइब्रेरी की ओर से 1902 तथा 1928 में प्रकाशित किया गया। यह सूची अनुपलब्ध है तथा इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे पुनः प्रकाशित किया गया

(केवल 2 खण्ड) अप्रकाशित सूचियों के प्रकाशन कार्य प्रगति में हैं।

नवाब रज़ा अली ख़ां (1930–1966 ई.) रामपुर की गद्दी पर 30 जून, 1930 को आसीन हुए। उन्होंने स्वदेश के साथ ही विदेशों में भी शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने शहर में शिक्षा के प्रचार–प्रसार में बड़ी रुचि ली और कालेज और स्कूलों के खोलने में विशेष प्रयत्न किया। उन्हें भारतीय संगीत से काफ़ी लगाव था तथा इस उद्देश्य से उन्होंने अधिक संख्या में भारत तथा विदेशों से पाण्डुलिपियाँ और दुर्लभ पुस्तकें ख़रीदी जो भारतीय संगीत से सम्बन्धित थीं। वह स्वयं प्रसिद्ध हिन्दी कवि थे तथा 'रज़ा' उपनाम से हिन्दी में कविताएं लिखते थे। इनकी 'संगीत सागर' नामक रचना लाइब्रेरी में सुरक्षित हैं। रामपुर में संगीत, कला और संस्कृति के विकास के लिये उन्होंने अत्यधिक उदारता दिखायी थी।

नवाब रज़ा अली ख़ाँ

स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् रामपुर की रियासत भारतीय संघ में सम्मिलित कर दी गयी। इसके बाद 6 अगस्त 1951 से एक ट्रस्ट जून, 1975 तक रज़ा लाइब्रेरी के प्रबन्धन सम्बन्धी समस्त कार्यों की देख–रेख किया करता था।

प्रो. सैय्यद नूरूल हसन जो कि भारत सरकार के तत्कालीन राज्य मंत्री (शिक्षा एवं वैज्ञानिक शोध) थे, उन्होंने कई बार पुस्तकालय का भ्रमण किया तथा बहुमूल्य संग्रह व पुस्तकालय की धीरे–धीरे ख़राब होती हुई स्थिति को देखकर चिंतित रहते थे। उनके एवं नवाब सैय्यद मुर्तज़ा अली ख़ां के प्रयासों से भारत सरकार ने 1 जुलाई, 1975 ई. को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एक्ट सं० 22 के अधीन पुस्तकालय को अपने अधिकार क्षेत्र में लेकर राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया तथा महत्वपूर्ण क़दम उठाकर प्रबन्ध में सुधार किये एवं आर्थिक सहायता प्रदान की।

अधिनियम की धारा 4 (2) के अन्तर्गत गठित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड के द्वारा लाइब्रेरी का प्रबन्ध किया जाने लगा। बोर्ड के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के माननीय श्री राज्यपाल होते हैं। बोर्ड में 12 सदस्यों का प्रावधान है, जिनमें रामपुर रियासत के नवाब ख़ानदान का एक सदस्य नियुक्त किया जाता है। इनके अलावा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे इतिहास, अरबी, फ़ारसी आदि के विद्वानों के साथ केन्द्र एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी होते हैं।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक/सदस्य सचिव का पद है, इसलिये बोर्ड तथा उपसमितियों की बैठकें आयोजित करने तथा उनके द्वारा लिये गए निर्णयों के कार्यान्वयन की ज़िम्मेदारी निदेशक को दी गई है। 1975 से रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशकों/विशेषकार्याधिकारी के नाम **परिशिष्ट–1 (पृष्ठ सं० 57)** में दिये गये हैं।

लाइब्रेरी भवन एवं भूमि

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का संचालन 1957 से वर्तमान भवन हामिद मंजिल में किया जा रहा है। जैसा कि कहा गया है किले के अन्दर स्थित यह भव्य इमारत इण्डो–यूरोपियन भवन निर्माण कला का उत्कृष्ट नमूना है। 18 नवम्बर 1982 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हामिद मंज़िल के साथ ही रंगमहल एवं इसके चारों ओर स्थित ख़ाली जगह का स्वामित्व भारत सरकार को हस्तांतरित कर दिया गया था।

भारत सरकार से यह अपेक्षा की गई थी कि वह इन भवनों की समय–समय पर मरम्मत, पुनरूद्धार एवं रख–रखाव हेतु अपने कोष से आवश्यक व्यय करेगी, जो वह करती है। 18 नवम्बर, 1982 को सरकारी दस्तावेज़ो के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत सरकार को सौंपे गए भवनों तथा भूमि का विवरण निम्नलिखित है :–

भवन एवं भूमि	क्षेत्रफल
हामिद मंजिल	26,495 वर्गफुट
रंग महल	17,664 वर्गफुट
लॉन एवं भूमि, लॉन की भूमि सहित भूमि का क्षेत्र	2,08,941 वर्गफुट

इस भव्य इमारत के चारों ओर ख़ाली स्थान को मुगल शैली की 'चार बाग' प्रणाली से शोभायुक्त बगीचे के रूप में विकसित किया गया, जिसमें फव्वारे, पानी की नहर और चुनिन्दा फूल तथा सुन्दर पेड़–पौधे लगाये गये हैं। इस स्थान को अत्यधिक आकर्षित बनाने के लिए पानी की गहरी नहरों के ऊपर चारों ओर सुन्दर ढंग से कोटा पत्थर लगाये गये हैं परन्तु समय बीतने के साथ साथ इनका जीर्णोद्वार भी किया जाता रहा है और अब भी इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है। भवन के अन्दर स्थित दरबार हाल में जो दुर्लभ वस्तुओं आदि का संग्रहालय है, प्रवेश द्वार से ठीक पहले मूर्तिकला के सर्वोत्कृष्ट स्तर को प्रदर्शित करने वाली गैलरी है जिसमें ग्रीक स्त्रियों की विभिन्न मुद्राओं वाली आकर्षक मूर्तियां लगी हुई हैं। यह 17वीं–18वीं शताब्दी में निर्मित की गई थी और इनको इटली से तत्कालीन नवाब ने आयात किया था। संग्रहालय के अन्दर भी अनेक आदम कद मूर्तियां लगी हुई हैं। गैलरी में बने हुए कनोपियां, कोरनिस एवं चमकदार छत को शुद्ध सोने से अलंकृत किया गया है जो इसको और शानदार बनाते हैं। संग्रहालय की छत में पाँच वृहद आकार के झूमर लगे हुए हैं तथा उस समय देखने में अत्यन्त आकर्षक लगते हैं, जब इनमें लगे सौ वर्ष पुराने मूल बल्बों को जलाया जाता है। दरबार हाल में भी यर्थाथ आकार (पूरा कद) की 5 पत्थर की मूर्तियां लगी हुई हैं।

सौ वर्षों से अधिक पुराने रामपुर के ऐतिहासिक किले में स्थित हामिद मन्ज़िल और रंगमहल का संरक्षण एक निरन्तर प्रक्रिया है। हामिद मंज़िल उत्तर भारत के इण्डो–यूरोपियन (मुग़ल) वास्तु कला का अनोखा उदाहरण है। इसमें मूर्ति कला की इटैलियन शैली की गैलरी सुन्दर ताकों और कैनोपी से सुसज्जित है और इसके विशाल कमरें तथा विशाल दरबार हाल की छत सोने से सुसज्जित है।

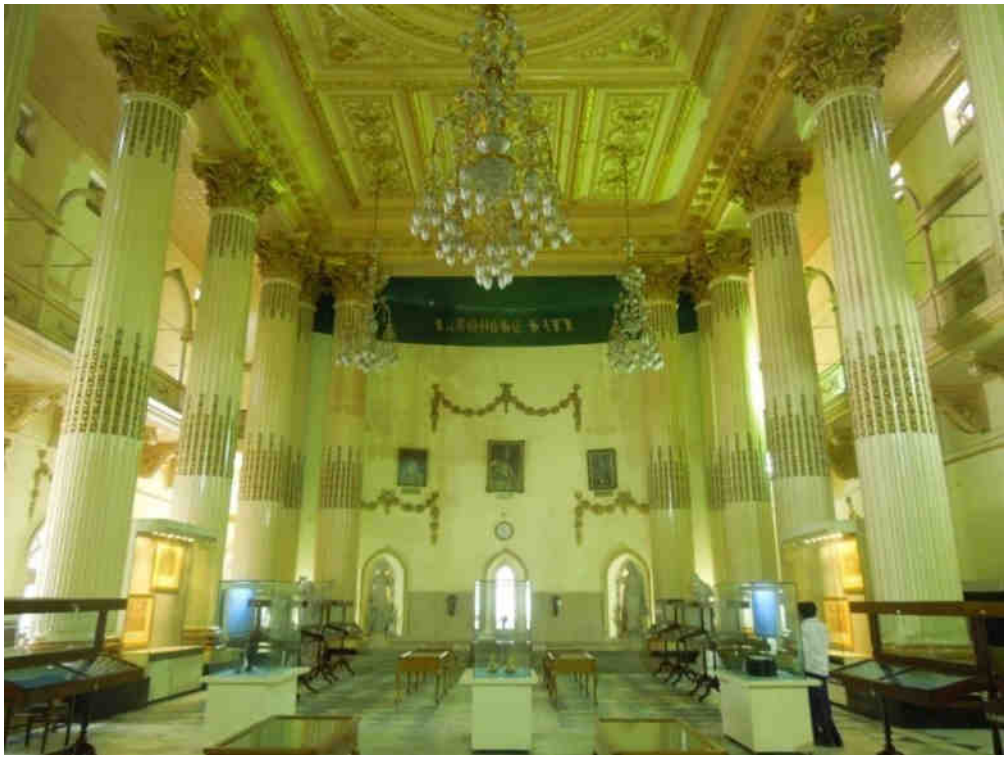

दरबार हॉल का दृश्य

रज़ा लाइब्रेरी में सम्पूर्ण ऐतिहासिक इमारत का संरक्षण पुरातात्विक नियमों के अन्तर्गत छतों तथा उसके भीतरी भागों, फ़र्श, लॉन (घास के मैदान), दीवारों आदि की मरम्मत की गई तथा रंग रौग़न किया गया। लाइब्रेरी भवन के मुख्य गुम्बद का जीर्णोधार बहुत आवश्यक है।

इस वर्ष कराये गये नवीन कार्य इस प्रकार हैं–

- हामिद मंजिल एवं रंगमहल दोनों इमारतों की मरम्मत एवं रंगाई–पुताई।
- हामिद मंजिल एवं रंगमहल में लाइटिंग पोल लगाये गये।

रज़ा लाइब्रेरी संग्रहालय

पुस्तकालय के दरबार हाल हामिद मंज़िल में 19 जुलाई, 1997 को एक संग्रहालय की स्थापना की गयी थी तब से आज तक आने वाले दर्शनार्थी एवं शोधकर्ताओं के लिये कला, शिक्षा, शोध एवं पुरातत्त्वविज्ञान के क्षेत्र में उच्च स्तर की जानकारी प्रदान करने हेतु अधिक प्रयास किये जा रहे हैं। लाइब्रेरी के प्रबन्धन विभाग द्वारा लाइब्रेरी के सग्रंहालय को देखने हेतु आने वाले दर्शकों के लिये ऐतिहासिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों, सिक्कों, लघु–चित्रों, कैलीग्राफ़ी के नमूनों, पुराने हथियारों तथा कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। अधिकांश आगन्तुक इन धरोहरों का अवलोकन करते हैं। यह कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अत्यन्त सहायक है। सप्ताह के सभी दिन (राजकीय एवं साप्ताहिक अवकाश के अतिरिक्त) यह प्रातः 10:00 बजे से सायं: 05:00 बजे तक अवलोकन हेतु खुला रहता है।

लाइब्रेरी संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में लगभग 17,000 दुर्लभ वस्तुएँ हैं जिनमें चित्रित पाण्डुलिपियाँ, लघुचित्र, इस्लामिक कैलीग्राफी के नमूने, कला–कृतियाँ, खगोलीय उपकरण, ऐतिहासिक सिक्के सम्मिलित हैं तथा विभिन्न भाषाओं में लगभग 62,000 मुद्रित पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त पत्रिकाओं का भी बड़ा एवं महत्वपूर्ण संग्रह उपलब्ध है।

पुस्तकालय संग्रह में अरबी, फ़ारसी, संस्कृत, तुर्की, पश्तो, हिन्दी तथा उर्दू भाषा जैसी प्राचीन मध्यकालीन तथा भारतीय भाषाऐं हैं। इन भाषाओं में इतिहास, दर्शनशास्त्र, धर्म, विज्ञान, साहित्य कला तथा वास्तुकला जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पाण्डुलिपियाँ सम्मिलित हैं। लघु चित्र तुर्क–मंगोल, मुग़ल, पर्शियन, राजपूत, पहाड़ी, अवध तथा एंगलो–यूरोपियन कलाविद्या प्रदर्शित करते हैं जिन्हें शोधकर्ताओं के लिये अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है।

पाण्डुलिपियों के अतिरिक्त मुद्रित पुस्तकों के अनुभाग का भी अपना एक अलग महत्व है। इस अनुभाग में सैकड़ों दुर्लभ अरबी, फारसी, उर्दू, तथा हिन्दी की पुस्तकें हैं जो अब प्रकाशित नहीं होती हैं केवल रज़ा लाइब्रेरी में ही संरक्षित हैं और शोधकार्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

इस लाइब्रेरी के संग्रह का रोचक तथ्य यह है कि यहां विश्व के विभिन्न स्थानों जैसे हलब, मक्का, मदीना, इजिप्ट, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और इसके साथ ही मुग़ल काल के शासकों की शाही लाइब्रेरियों की पाण्डुलिपियाँ भी हैं। इसके अतिरिक्त बीजापुर के आदिल शाही और गोलकुण्डा की कुतुबशाही लाइब्रेरी तथा हैदराबाद के नवाबों, शासको की मोहरें भी उन पाण्डुलिपियों पर मौजूद हैं।

पाण्डुलिपियों का संग्रह इस प्रकार है :

1.	अरबी पाण्डुलिपियां	5488	खण्ड (volumes)
2.	फारसी पाण्डुलिपियां	5403	,,
3.	उर्दू पाण्डुलिपियाँ	1441	,,
4.	उर्दू पाण्डुलिपियाँ (ड्रामा)	445	,,
5.	संस्कृत पाण्डुलिपियाँ	626	,,
6.	हिन्दी पाण्डुलिपियाँ (उर्दू लिपि में)	38	,,
7.	हिन्दी पाण्डुलिपियाँ (देवनागरी लिपि में)	19	,,
8.	तुर्की पाण्डुलिपियाँ	37	,,
9.	पश्तो पाण्डुलिपियाँ	45	,,
10.	लोहारू संग्रह की पाण्डुलिपियाँ	358	,,
11.	लोहारू संग्रह की डायरियाँ	84	,,
12.	ताड़पत्र पाण्डुलिपियाँ	205	,,
13.	नवीन परिग्रहण पाण्डुलिपियाँ एवं दुर्लभ मुद्रित पुस्तकें (लगभग)	400	,,
14.	लघुचित्र (35 एलबम में)	1000	
15.	इस्लामिक कैलीग्राफियाँ (84 एलबम में)	2000	

16.	ऐतिहासिक सिक्के	1361

मुद्रित पुस्तकों का संग्रह निम्नलिखित है (ओल्ड कैटलॉग रजिस्टर के अनुसार) :

1.	उर्दू की मुद्रित पुस्तकें	31095 खण्ड (volumes)
2.	अरबी की मुद्रित पुस्तकें	5892 ,,
3.	फारसी की मुद्रित पुस्तकें	4661 ,,
4.	ओल्ड अंग्रेजी की मुद्रित पुस्तकें	5329 ,,
5.	ओल्ड हिन्दी की मुद्रित पुस्तकें	304 ,,
6.	शोबा–ए–ख़ास (अरबी) की मुद्रित पुस्तकें	433 ,,
7.	शोबा–ए–खास (फारसी) की मुद्रित पुस्तकें	491 ,,
8.	शोबा–ए–खास (उर्दू) की मुद्रित पुस्तकें	1718 ,,
9.	लोहारू अनुभाग उर्दू की मुद्रित पुस्तकें	1207 ,,
10.	लोहारू अनुभाग अरबी की मुद्रित पुस्तकें	272 ,,
11.	लोहारू अनुभाग फ़ारसी की मुद्रित पुस्तकें	610 ,,
12.	लोहारू अनुभाग अंग्रेजी की मुद्रित पुस्तकें	792 ,,
13.	लोहारू अनुभाग हिन्दी की मुद्रित पुस्तकें	47 ,,
14.	लोहारू अनुभाग संस्कृत की मुद्रित पुस्तकें	37 ,,
15.	अन्य भाषाओं की मुद्रित पुस्तकें	194 ,,

नये वर्गीकरण के अनुसार पुस्तकों का संग्रह :

16.	न्यू अंग्रेजी पुस्तकें	4523
17.	न्यू हिन्दी पुस्तकें	2640
18.	न्यू उर्दू, अरबी, फारसी पुस्तकें	2409

अरबी पाण्डुलिपियों का संग्रह

अरबी पाण्डुलिपियों में सबसे दुर्लभ पाण्डुलिपि चतुर्थ खलीफा हज़रत अली (मृत्यु 661 ई.) द्वारा सातवीं सदी ईसवी. में कूफ़ी लिपि में पार्चमेंट पर हस्तलिखित कुरआन पाक है। आठवीं सदी में इमाम जाफ़र सादिक़ द्वारा पवित्र कुरआन की लिखी हुई दूसरी प्रति, नवीं सदी में इमाम अली रज़ा का हस्तलिखित पार्चमेंट पर लिखा हुआ कुरआन पाक, तथा दसवीं सदी का कुरआन पाक जो कि मशहूर ख़त्तात इब्ने मुक़ला द्वारा नस्ख़ लिपि में लिखा हुआ है, लाइब्रेरी के संग्रह में सम्मिलित हैं। इब्ने मुक़ला ने बग़दाद के तीन ख़लीफ़ाओं के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा की थी। इन्होंने अक्षरों को कूफी लिपि से नस्ख़ लिपि में रूपान्तर किया जो अभी भी एक से ज़्यादा रूप में प्रचलन में है। यह रज़ा लाइब्रेरी में मौजूद संग्रह का अनूठा, दुर्लभ एवं अनमोल नमूना है।

हज़रत अली (रजि०) के हाथ से लिखा हुआ 7वीं सदी के कुरान का एक पृष्ठ

रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में पवित्र कुरआन की एक दुर्लभ पाण्डुलिपि जो 13वीं शताब्दी के बग़दाद के निवासी मशहूर ख़त्तात याकूत अल मुस्तास्मी द्वारा लिखी गयी थी, उपलब्ध है। यह सोने एवं क़ीमती नीलम के रंगों से अलंकृत की गई है। इसी प्रतिभावान ख़त्तात की हस्तलिपि में एक अन्य महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि दीवान–अल–हादिरा (629 हिजरी/1221 ई०) भी लाइब्रेरी के संग्रह में सुरक्षित है। यह पाण्डुलिपि बीजापुर के सुल्तान इब्राहीम आदिल शाह के शाही पुस्तकालय में उनके शासनकाल में थी। इस पाण्डुलिपि पर बीजापुर के सुल्तान की शाही मोहर भी लगी हुई है। यह लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित हो चुकी है, जिसका सम्पादन अरबी के प्रसिद्ध विद्वान प्रो० मोख़्तार उद्दीन अहमद (1924–2010 ई०) ने किया है।

रज़ी–उद–दीन अस्तराबादी द्वारा 1640 ई० में लिखी गई एक अन्य अमूल्य अरबी पाण्डुलिपि ''शरह–अल–काफिया'' भी है, जिस पर मुग़ल बादशाह शाहजहाँ के प्रधानमंत्री नवाब सादुल्लाह ख़ान द्वारा हाशिये पर लिखा नोट मौजूद है। इस पर शाहजहाँ ने स्वयं भी एक नोट लिखा है, इसके साथ ही इस पर सादुल्लाह ख़ाँ, इनायत ख़ाँ, ऐतमाद ख़ाँ, मोहम्मद सालेह ख़ाँ, औरंगज़ेब आलमगीर और 18वीं सदी के प्रसिद्ध अरबी–फारसी विद्वान मीर गुलाम अली आज़ाद बिलग्रामी (मृ० 1786 ई०) इत्यादि के हस्ताक्षर के साथ मोहरें भी अंकित हैं।

फ़ारसी पाण्डुलिपियों का संग्रह

फ़ारसी भाषा में लिखी गयी पाण्डुलिपियों के संग्रह में ज़ैनउद्दीन इब्राहीम गुरगानी (मृत्यु 531 हि०/1136 ई०) की 565 हि०/1169 ई० में प्रतिलिपिकृत पाण्डुलिपि ''ज़ख़ीरा–ए–ख़्वारिज़्म शाही'' सम्मिलित है। एक अन्य पाण्डुलिपि ''तफ़सीरे तबरी'' को 12वीं सदी ई० में मिर्ज़ा मोहम्मद बिन मुजतहिद ने लिखा। इसका अरबी से, फ़ारसी में अनुवाद अब्दुल बाक़ी ने किया। इस पाण्डुलिपि पर ईरान के शाह अब्बास व क़ासिम बेग ख़ां 1031 हि० (1621–22 ई०) के हस्ताक्षर हैं।

फ़ारसी भाषा में लिखी पुरानी पुस्तकों में मंगोल कबीलों के इतिहास पर रशीदुद्दीन फ़ज़लुल्लाह ने ''जामेउत तवारीख़'' नामक पुस्तक लिखी है। यह पाण्डुलिपि विभिन्न प्रकार के चित्रों से सुसज्जित है। इनमें चित्रों के द्वारा मंगोलों के धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन से सम्बन्धित घटनाओं को प्रस्तुत किया गया है। यह चित्र चीन तथा मध्य एशिया की प्रारम्भिक पेन्टिंग्स से प्रभावित है तथा इनमें चीन एवं मध्य एशिया की कला का अद्भुत समन्वय दिखाई पड़ता है। यह चित्र हेरात स्कूल का भी प्रतिनिधित्व करते हैं और यह पाण्डुलिपि 14वीं शताब्दी से सम्बन्धित है।

ज़ामिउत तवारीख़ का
एक चित्रित पृष्ठ

लाइब्रेरी में निजामी गंजवी (मृत्यु 1209 ई०) द्वारा रचित पाण्डुलिपि 'ख़म्सा' भी उपलब्ध है। यह 949 हिजरी/1542–43 ई. शताब्दी में लिखी गई थी। यह ईरानी शैली में लिखी गई है और विभिन्न प्रकार के सुन्दर बेल–बूटों से सुसज्जित है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि अब्दुर्रहमान जामी का ख़म्सा है जिसे 977 हिजरी/1569–70 ई० में मोहम्मद बिन अलाउद्दीन ने लिखा। मौलाना जामी की मसनवी 'हफ़्त औरंग' 1038 हिजरी/1628 ई० जो जमालुद्दीन कातिब शीराज़ी द्वारा लिखी मसनवियों के साथ शामिल है।

915 हिजरी/1509 ई० में लिखी गई पाण्डुलिपि ''दीवाने जामी'' पर अली अकबर की पुत्री एवं बादशाह अकबर की माता हमीदा बानो की सुन्दर मोहर अंकित है। साथ ही इस पर शाहजहाँ की सुपुत्री नज़र आरा बेगम की मोहर भी है। यह भी एक रोचक तथ्य है कि शाहजहाँ की सुपुत्री नज़र आरा बेगम का समकालीन फारसी साहित्य में कहीं भी उल्लेख नहीं किया गया है।

लाइब्रेरी संग्रह में मध्य सोलहवीं शताब्दी की एक चित्रित पाण्डुलिपि ''कलीला व दिमना' है, जो पंचतंत्र का फ़ारसी अनुवाद है। यह अनुवाद अबुल मआली नसरूल्लाह बिन मुहम्मद ग़जनवी ने किया था। इसके लघु चित्रों में प्राकृतिक पशु–पक्षी आदि सुन्दर व कलात्मक रूप से दर्शाये गये हैं।

मुगल बादशाह अकबर की चित्रकला में गहरी रूचि थी, विशेष रूप से मंगोल, तैमूरी तथा राजपूत रीति–रिवाजों पर आधारित पुस्तकों को चित्रित करने के लिए उन्होंने भारतीय तथा पर्शियन दोनों ही तरह के अनेक कलाकारों एवं विद्वानों को अपने दरबार में नियुक्त किया था तथा एक अनुवादालय की भी स्थापना की थी। जिसमें चित्रण के अतिरिक्त संस्कृत से फ़ारसी में पुस्तकों का अनुवाद किया गया जिससे विभिन्न समुदायों के बीच सद्भावना और आपस में उत्तम संबंध बनाए जा सकें।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में सौभाग्य से एक सौ पचास चित्रित कला एवं साहित्य की पाण्डुलिपियाँ हैं। इन कृतियों में उस समय के रहन–सहन का स्तर, कला, वास्तुकला,

रीति–रिवाज़ों, आभूषणों के अलावा स्थलाकृति का वर्णन, वनस्पति, जीव–जन्तु तथा परम्परागत संगीत यंत्रों का वर्णन है।

लाइब्रेरी संग्रह में एक दुर्लभ और बहुमूल्य सचित्र शाही पाण्डुलिपि ''दीवाने हाफ़िज़'' उपलब्ध है जो सम्भवतः 16वीं शताब्दी ई० में अकबर के शासनकाल के दौरान लिखी गई। इसमें अकबर के शासन काल को चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया है। इस पाण्डुलिपि के चित्रों को अकबर के दरबार में नियुक्त प्रसिद्ध चित्रकारों ने बनाया था। यह पाण्डुलिपि नस्तालीक़ लिपि में लिखी गयी है और इसमें ग्यारह लघु चित्र हैं जो निम्न वस्तुओं एवं घटनाओं को प्रदर्शित करते हैं :–

1. कान्हा द्वारा बनाई गई पेन्टिंग जिसमें मुगल बादशाह अकबर ''दीवाने हाफ़िज़'' को ध्यान से सुन रहा है।
2. दरवेश भक्ति संगीत के उत्साह से अभिभूत होकर ख़ानक़ाह में नृत्य करते हुए।
3. सांवला द्वारा बनाई गई पेन्टिंग जिसमें एक अर्द्धनग्न नौजवान पथरीली घाटी में विचरण करते हुए।
4. फर्रूख़ चेला द्वारा चित्रित जिसमें एक राजकुमार अपने दरबारियों के साथ बगीचे में संगीत का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहा है।
5. मनोहर द्वारा चित्रित की गई पेन्टिंग जिसमें एक चट्टानी घाटी में अपने अनुचर के साथ घुड़सवारी करता हुआ राजकुमार।
6. फ़र्रूख़ चेला द्वारा चित्रित, एक वृद्ध व्यक्ति भेड़ों के समूह को चराते हुए।
7. तुर्की हमाम में स्नान करते हुए तथा मालिश कराते हुए लोग।
8. एक राजकुमार अपने दरबारियों के साथ बगीचे की छत पर संगीत तथा शराब का आनन्द लेते हुए, चित्रकार नरसिंह द्वारा बनायी गयी पेंटिंग।
9. तूफ़ान के पानी में डूबते हुए जहाज़ का चित्र।
10. एक राजकुमार अपने बगीचे में विद्वानों और संगीतज्ञों के साथ बैठा कविताओं का सस्वर पाठ सुन रहा है।
11. युद्ध के मैदान में दो सेनाएं एक दूसरे के विरूद्ध दोषारोपण करती हुई, चित्रा द्वारा चित्रित।

अन्य दुर्लभ पाण्डुलिपियों में 'रिसाला ख़्वाजा अब्दुल्लाह अन्सारी' एवं 'सद पंद–ए–लुक़मान' की पाण्डुलिपि को एक साथ जिल्द बांधकर संरक्षित किया गया है। इनको नस्तालीक़ लिपि में हेरात के विख्यात ख़त्तात मीर अली (मृत्यु 1515 ई०/921 हिजरी) ने लिपिबद्ध किया था। इस पर बहुत से राजाओं व दर्शनशास्त्रियों के हस्ताक्षर एवं मुहरें लगी हुई हैं। इसे मुग़ल बादशाह शाहजहाँ ने अपने पुस्तकालय में प्रथम श्रेणी का स्थान प्रदान किया था तथा 1000 रू. में क्रय किया था। बादशाह ने इस पाण्डुलिपि की प्रतिलिपि जहाँ आरा बेगम को प्रस्तुत की थी जिन्होंने अपनी हस्तलिपि में इसके महत्व की अभूतपूर्व प्रशंसा की है कि "अगर उनकी हज़ार ज़ुबाने भी होती तो इसका वर्णन सही से नहीं कर पाती।" इस पर 998 हि०/1588 ई० की तारीख़ के साथ शाहजहाँ एवं औरंगज़ेब की मुहरें हैं।

इसी प्रकार 'दीवाने–हिलाली चुग़ताई' को मीर हुसैन–अल–हुसैनी ने 993 हिजरी/1584 ई. में नस्तालीक़ में लिपिबद्ध किया था। इस पर शाहजहाँ के शासन काल के प्रसिद्ध व्यक्तियों

जैसे एतिमाद ख़ान, इनायत ख़ान, सादिक़ ख़ान एवं प्रसिद्ध ख़त्तात अब्दुर–रशीद देलमी की मोहरें लगी हुई है।

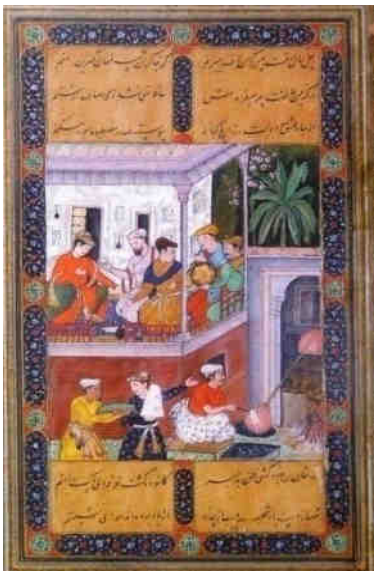

दीवान–ए–हाफ़िज़ का एक चित्रित पृष्ठ

शाहजहाँ और औरंगजेब के हस्ताक्षर एवं मुहर सहित रिसाला ख़्वाजा अब्दुल्लाह अन्सारी' एवं 'सद पंद–ए–लुक़मान' का एक पृष्ठ

अद्वितीय चित्रित वाल्मीकि रामायण जिसका अनुवाद 1128 हिजरी/1715 ई० में फर्रूख़ सियर के शासन के दौरान फारसी में सुमेर चन्द द्वारा किया गया। इसमें 258 लघु चित्र हैं जो उस समय की कला, वास्तुकला, वस्त्र और आभूषणों आदि पर प्रकाश डालते हैं तथा इसके अलावा भारत की अन्तिम मध्य युगीन मिश्रित संस्कृति को दर्शाते हैं। इस अभूतपूर्व कलात्मक पाण्डुलिपि को देवनागरी लिपि में लाइब्रेरी ने प्रकाशित किया है जिसका विद्वानों ने स्वागत किया है। फ़ारसी पाण्डुलिपियों में ऐसी पाण्डुलिपियों की भी अधिकता है जो संस्कृत से फ़ारसी में अनुवादित हैं।

उर्दू पाण्डुलिपियों का संग्रह

पुस्तकालय के संग्रहालय में उर्दू की पाण्डुलिपियों की संख्या अरबी एवं फारसी भाषा में उपलब्ध पाण्डुलिपियों से कम है। परन्तु लाइब्रेरी में शाह हातिम का दीवान, कुल्लियाते मीर, जुरअत, हसन, दीवाने सोज़ और दीवाने ग़ालिब की महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियाँ मौजूद हैं। इनके अतिरिक्त इन्शा अल्लाह ख़ाँ की ''रानी केतकी की कहानी'' की दो दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ भी उपलब्ध हैं। रामपुर रियासत के नवाब यूसुफ़ अली ख़ान 'नाज़िम' का सोने से सुसज्जित 'दीवान' भी लाइब्रेरी के संग्रह में है, जिसमें नवाब साहब का सुन्दर चित्र भी सम्मिलित है। इस पाण्डुलिपि को रज़ा लाइब्रेरी की ओर से प्रकाशित किया जा चुका है।

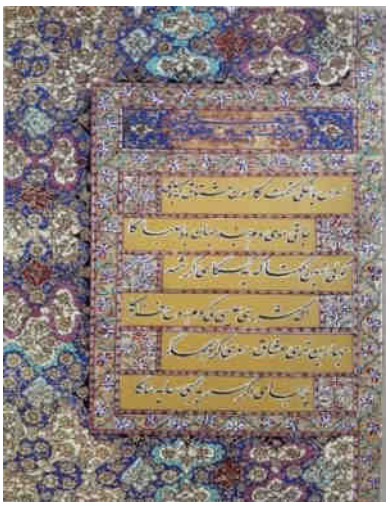

दीवान–ए–नाज़िम का एक पृष्ठ

ताड़पत्रों का संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में ताड़पत्र पर लिखी हुई बहुमूल्य पाण्डुलिपियां भी उपलब्ध हैं, जिनमें मुख्यतः तेलगू, संस्कृत, कन्नड़, सिंहली व तमिल भाषा में हैं। ये मुख्यतः धार्मिक विषयों पर आधारित हैं। एक तमिल पाण्डुलिपि में मूर्तियों के निर्माण व पूजन–पद्धति को बताया गया है। एक अन्य पाण्डुलिपि में विविध पौधों के औषधीय गुणों को बताया गया है, जिनसे बीमारियों का उपचार किया जाता है। ग्रन्थ लिपि में लिखी गई संस्कृत भाषा की एक पाण्डुलिपि ''रामायण'' **"ब्रहम्वाचकम्"** के रूप में स्तुति करती है। एक पाण्डुलिपि कन्नड़ में संगीत के विषय पर आधारित है। एक अन्य पाण्डुलिपि पेरियाटिन वैमोलि है, जो वैष्णवों के पवित्र भजन है।

हिन्दी और संस्कृत पाण्डुलिपियों का संग्रह

पुस्तकालय के संग्रह में हिन्दी व संस्कृत भाषा की लगभग 600 पाण्डुलिपियाँ संग्रहित हैं जिनमें अधिकतर पाण्डुलिपियों का समुचित मूल्यांकन नहीं हुआ है यह पाण्डुलिपियाँ विभिन्न विषयों यथा काव्य, ज्योतिष, कोश, न्याय, पुराण, स्रोत, वेदान्त इत्यादि से सम्बन्धित हैं। महाकवि कालिदास द्वारा रचित ग्रंथों (रघुवंश, मेघदूत, कुमारसम्भव) की पाण्डुलिपियाँ भी यहाँ उपलब्ध हैं। रज़ा लाइब्रेरी में संग्रहित कुछ पाण्डुलिपियों का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है–

1. **मेघदूत** – मेघदूत की तीन पाण्डुलिपि हैं। मेघदूत की बालबोधिनी टीका में 125 पद्य हैं। इसका समय 1906 सम्वत्/शक सम्वत 1771/ 1849 ई० है। यह टीका समय सुन्दर मणि द्वारा की गई है। मेघदूत की प्रकाशित पुस्तकों में प्रसिद्ध संजीवनी टीका में 115 पद्य हैं। अन्य दो पाण्डुलिपियों का समय एवं टीकाकार का विवरण प्राप्त नहीं होता है।

2. **तर्कसंग्रह** – न्याय एवं वैशेषिक दोनों दर्शनों को समाहित करने वाला ग्रंथ है। मूल ग्रंथ अन्नमभट्ट द्वारा रचित है। पुस्तकालय में तर्क संग्रह की चार पाण्डुलिपियाँ हैं। तर्क संग्रह दीपिका – ये टीका स्वयं अन्नमभट्ट ने की है। इसके अतिरिक्त अन्य तीन टीकाओं के रचियता ज्ञात नहीं है। इसमें से एक पाण्डुलिपि का समय संवत् 1831/1775 ई० है।

3. **याज्ञवल्क्यस्मृति** – यह ऋषि याज्ञवल्क्य द्वारा रचित हिन्दु धर्मशास्त्र का अत्यन्त सुव्यवस्थित ग्रन्थ है। याज्ञवल्क्य स्मृति में तीन काण्ड हैं और प्रत्येक काण्ड में अनेक अध्याय हैं। रज़ा लाइब्रेरी में उपलब्ध पाण्डुलिपि में भी तीन अध्याय हैं परन्तु इसमें पूर्ण अध्याय नहीं हैं। इसका समय संवत् 1877/1881 ई० है तथा इसके लेखक तल्फ़ी हैं।

4. **घटकर्पर काव्य** – घटकर्पर विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक हैं। घटकर्पर काव्य घटकर्पर द्वारा रचित है, ऐसा माना जाता है। यह एक दूत काव्य है जिसमें एक विरहिणी नायिका ने अपने विरह की व्यंजना व्यक्त की है। इसमें केवल 22 पद्य हैं। पुस्तकालय में उपलब्ध पाण्डुलिपि में भी 22 पद्य प्राप्त होते हैं। यह यमक अलंकार में निबद्ध काव्य है। इसकी टीका तारचन्द द्वारा की गई है।

5. **वेदांतसार** – वेदांतसार के मूल लेखक सदानन्द योगीन्द्र हैं और इसका रचनाकाल 16वीं शताब्दी है। इसमें अद्वैत, वेदांत के विषयों का विस्तृत विवेचन किया गया है। पाण्डुलिपि में सम्पूर्ण ग्रंथ नहीं है। इसका समय संवत् 1904/1847 ई० है।

इस प्रकार लाइब्रेरी में संस्कृत की कई दुर्लभ पांडुलिपियाँ हैं, जो विद्वानों के शोधकार्य के लिए लाभप्रद हो सकती हैं।

18 वीं शताब्दी, श्रीमद्भागवद गीता से एक चित्रित पृष्ठ

लाइब्रेरी के संग्रह में हिन्दी की ऐसी पाण्डुलिपियाँ एवं पुस्तकें उपलब्ध है, जिनको मूलतः फारसी लिपि में लिखा गया था जैसे – रस प्रबोध, मधुमालती, अंग–दर्पण आदि इन्हें लाइब्रेरी प्रकाशन द्वारा देवनागरी लिपि में प्रकाशित किया गया है जिससे आमजन को उपयोग में सुविधा हो सके। परन्तु अभी कुछ और पाण्डुलिपियाँ हैं जिनकी महत्ता को देखते हुए उन्हें देवनागरी में प्रकाशित किया जाना चाहिये जैसे "पद्मावत" आदि।

पुस्तकालय के संग्रह की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियों में मलिक मंजन द्वारा लिखित 'मधुमालती' के अतिरिक्त मलिक मोहम्मद जायसी की ''पद्मावत'' फ़ारसी अनुवाद के साथ ही नस्तालीक लिपि में भी संरक्षित है। हिन्दी के मशहूर कवि गुलाम नबी रसलीन बिलग्रामी (1741 ई.) द्वारा लिखी गयी पुस्तक ''अंग दर्पण'' और ''रस प्रबोध'' भी लाइब्रेरी के संग्रहालय में संरक्षित है। लाइब्रेरी में संग्रहित शाह मोहम्मद क़ाज़िम की हिन्दुस्तानी संगीत से सम्बन्धित ''नग़मातुल असरार'' तथा मुग़ल शासक शाह आलम द्वितीय की हिन्दी कविताओं का संग्रह ''नादिराते शाही'' को प्रकाशित किया गया है।

तुर्की पाण्डुलिपियों का संग्रह

'दीवान–ए–बाबर' का एक पृष्ठ

दिल्ली के सुल्तानों तथा विशेषकर प्रारम्भिक मुग़लों के समय में तुर्की भाषा का भारतीय राजनीति पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा। तुर्की भाषा के अनेक शब्द हिन्दी, उर्दू एवं अन्य भाषाओं में प्रयोग किये जाते रहे हैं। मुगल बादशाह बाबर तुर्की उज़्बैक भाषा का प्रसिद्ध लेखक व कवि था और पद्य व गद्य में एक विशेष शैली का भी अविष्कारक माना जाता है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में तुर्की भाषा की 50 अमूल्य पाण्डुलिपियों का संग्रह विद्यमान है। जिसमें बाबर की ब्याज़ की अनूठी पाण्डुलिपि है जो ''दीवाने बाबर'' के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें बाबर की हस्तलिपि में एक तुर्की रूबाई (चौपाई) भी लिखी हुई है। इस पुस्तक के प्रारम्भिक पृष्ठ पर अकबर के सेनापति मोहम्मद बैरम खां की मुहर व हस्ताक्षर हैं जिसने ग़लती से दीवान के लेखन को बाबर से संबंधित कर दिया था, इस ग़लती का सुधार बाद में बादशाह शाहजहाँ ने अपनी हस्तलिपि में किया और लिखा कि फ़िरदौस मकानी (बाबर) ने अपनी हस्तलिपि में सिर्फ़ रूबाई (चौपाई) ही लिखी है। यह अद्वितीय पाण्डुलिपि 16वीं शताब्दी ई. की शाही प्रतिलिपि है। लाइब्रेरी ने इसे मूलरुप में प्रकाशित कर दिया है।

एक और अमूल्य पाण्डुलिपि दीवाने–बैरम ख़ां (अपूर्ण) तुर्की भाषा में नस्तालीक़ लिपि में लिखी हुई है। इसका हाशिया फूल–पत्ती एवं पक्षियों के चित्रों से सजा हुआ है जिससे इसकी सुन्दरता और भी बढ़ जाती है। तुर्की भाषा में नवीनतम कार्यों में से साहित्यकार इंशा अल्लाह ख़ां ''इंशा'' की दैनिक डायरी (रोज़नामचा) है जिसमें अवध के दरबार की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। तुर्की पाण्डुलिपियों की सूची भी लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित की गई है।

पश्तो पाण्डुलिपियों का संग्रह

'दीवान–ए–रहमान बाबा' का एक चित्रित पृष्ठ

भारत वर्ष की अन्य ओरियन्टल लाइब्रेरी में उपस्थित संग्रह की तुलना में रज़ा लाइब्रेरी में पश्तो भाषा में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं मुद्रित पुस्तकों का संग्रह बहुत अच्छा है। इनमें कुरआन की पश्तो भाषा में लिखी गई टीका के अतिरिक्त ''दीवान खुशहाल ख़ान खटक'' के दो दुर्लभ खण्ड भी उपलब्ध हैं जो नस्तालीक लिपि में है तथा सोने से सुसज्जित है। यह कवि शाहजहाँ के काल से सम्बन्ध रखता है। सूफ़ी कवि रहमान बाबा का सचित्र ''दीवान'' पश्तो भाषा में ही लिखा गया है तथा लाइब्रेरी के संग्रह में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 18वीं सदी में अंग्रेज़ी शासकों से लड़ने एवं शहीद होने वाले रूहेला

अफ़ग़ानी सरदार हाफ़िज़ रहमत ख़ां की पाण्डुलिपि भी यहाँ सुरक्षित है।

लघुचित्रों का संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी मे मंगोल, ईरानी, मुग़ल, दक्खिनी, राजपूत, पहाड़ी, अवध तथा ब्रिटिश चित्रकला स्कूल से सम्बन्धित लघु चित्रों, पोट्रेट एवं सचित्र पाण्डुलिपियों का बहुमूल्य संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय में 35 लघु चित्रों एवं पोट्रेट के एलबम्स हैं जिनमें ऐतिहासिक मूल्य के चार हज़ार से अधिक चित्र हैं। बादशाह अकबर के शासनकाल के आरम्भिक वर्षों का एक अद्भुत एलबम है जिसे तिलिस्म कहते हैं। इसमें 157 लघु चित्र हैं जो ज्योतिषीय एवं जादुई अवधारणाओं के अलावा, समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन को चित्रित करते हैं। इसमें एक राजसी बैनर है जिस पर कुरान की आयतें हैं जो तैमूरी बैनर को दर्शाती हैं, जिस पर सूर्य और एक शेर का चित्र भी बना हुआ है जबकि इस एलबम के अन्य चित्र राशि चिह्नों से सम्बन्धित हैं। इस एलबम पर अवध के शासकों की मुहरें हैं जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि यह एलबम उनके पास संरक्षित थी। यहाँ के संग्रह में संतों व सूफ़ियों के चित्रों के एलबम भी हैं।

एलबम रागमाला से राग हिंडोल का चित्र

एलबम जहाँगीरनामा का मुगल लघुचित्र

एक महत्वपूर्ण एलबम रागमाला है जिसमें 35 राग व रागनियां, सुन्दर प्राकृतिक परिदृश्य, देवी–देवता, युवा संगीतज्ञ पुरूष व महिला, विभिन्न ऋतुएँ, समय एवं परिस्थितयों के माध्यम से दर्शाये गए हैं। यह 17वीं शताब्दी में मुग़ल शैली में बनाई गई बेजोड़ चित्रकला है।

रज़ा लाइब्रेरी में संग्रहित एलबमों में मंगोल, तैमूरी और मुग़ल शासकों, राजकुमारों व उनके दरबारियों के लघुचित्र मौजूद हैं। इनमें मुख्यतः चंगेज़, हलाकू, तैमूर, बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, औरंगज़ेब, मोहम्मद बहादुर शाह ज़फ़र, गुलबदन बेगम, नूरजहाँ बेगम, बैरम ख़ान, एतेमादुद्दौला, आसफ़ ख़ान, सफ़दरजंग, बुरहानुलमुल्क, शुजाउद्दौला, आसिफ़–उद्–दौला, बुरहान निज़ाम शाह द्वितीय, सुल्तान कुतब शाह, अबुल हसन तानाशाह आदि चित्र मुख्य हैं। इसके अतिरिक्त ईरानी शासकों एवं राजकुमारों के भी चित्र

हैं जैसे सफ़वी शासक शाह अब्बास। मौलाना रूमी और हाफ़िज़ शिराज़ी का लघुचित्र भी उपस्थित है। लाइब्रेरी संग्रह में संग्रहित चित्रों को बनाने वाले कुछ दरबारी चित्रकार हैं–

अबुल हसन नादिरूज़्ज़मान	गोविंद	फ़र्रूख़ चेला
आसी क़हार	लाल चन्द	फ़तह चन्द
विचित्रा	लेख राज	कान्हा
भवानीदास	मनोहर	गोवर्धन
चित्रामान	मोहम्मद आबिद	गुलाम मुर्तज़ा
डालचन्द	नर सिंह	मोहम्मद हुसैन
रामदास	ठाकुर दास	मोहम्मद युसुफ़
साँवला	मोहम्मद अफ़ज़ाल	

ख़त्ताती (कैलीग्राफी) के नमूनों का संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में संसार के प्रसिद्ध खत्तातों (कैलीग्राफरों) द्वारा लिखे इस्लामी खत्ताती के बेजोड़ नमूनों का संग्रह है। इनमें भारत, ईरान और मध्य एशिया के प्रसिद्ध खत्तात जैसे– मीर अली, मुहम्मद हुसैन कश्मीरी, ज़रीन रक़्म, सुल्तान अली मश्हदी, आक़ा अब्दुल रशीद देलमी, दारा शिकोह, मीर इमाद अल हुसैनी, अब्दुल्लाह मुश्कीन कलम, गुलज़ार रकम, मो. अकरम, मो. हबीब, मो. मासूम, मोमिन अल हुसैन, मो. रफ़ी, मो. हाशिम, मो. अमीन समरकन्दी इत्यादि शामिल हैं।

रामपुर रियासत के प्रसिद्ध खत्तातों में जिनके ख़त्ताती के नमूने रज़ा लाइब्रेरी में उपस्थित हैं उनमें मीर एवज अली, अदील मलीहाबादी, मौलवी इलाही बख़्श, मरजान रकम, गुलाम रसूल कश्मीरी, मो. हसन कश्मीरी, मो. सलामुल्लाह रामपुरी, मो. अज़ीम उल्लाह खां पहलवान रक़म, मो. अली, मेहन्दी अली खान आदि।

इस्लामिक कैलीग्राफी के नमूने

खगोल विद्या के उपकरण

पूर्व आधुनिक काल के वैज्ञानिक उपकरण, साहित्यिक प्रलेख की तरह, विज्ञान एवं तकनीक के इतिहास की संरचना का महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। प्रायः कलात्मक दृष्टि से भी इनमें महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य कला–कृतियाँ हैं। वर्तमान समय में विश्व के संग्रहालयों तथा निजी संग्रहों में संरक्षित अत्याधिक संख्या में भारतीय खगोल विद्या के उपकरण एवं समय मापक उपकरण पूर्व इस्लामिक काल के पश्चात बनाए गए थे। पाण्डुलिपियों, चित्रों, मूर्तियों, गहनों की तरह यह वैज्ञानिक उपकरण भी हमारे सांस्कृतिक एवं बौद्धिक धरोहर को हिस्सा हैं।

कुफ़िक एस्ट्रोलेब

सेलेसियल ग्लोब

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खगोल विद्या के उपकरणों का संग्रह भी उपलब्ध है। संग्रह में तीन नियमित एस्ट्रो लैब, एक समुद्री दिशा यंत्र, चार नक्षत्र, एक साइन क्वाड्रेंट, एक परपेक्चुअल कलैण्डर–कम–होरेरी क्वाड्रेंट तथा एक होरेरी क्वाड्रेंट–कम–नॉकटर्नल हैं। इनमें से सात उपकरण भारत में निर्मित किये गये हैं, दो मध्य–पूर्व में एवं दो यूरोप में बनाये गये हैं। कालक्रम के अनुसार यह 13वीं, 15वीं, 16वीं, 17वीं एवं 19वीं सदी से सम्बन्धित हैं। इन उपकरणों पर अरबी, फारसी, संस्कृत एवं अंग्रेज़ी में किंवदंतियाँ हैं।

इस संग्रह में सबसे पुराना उपकरण अस–सिराज दमिश्की के द्वारा निर्मित (Astrolabe) एस्ट्रोलैब 626 हि०/1228 ई० का है। यह उपकरण सागर में यात्रा करते समय सूर्य तथा नक्षत्रों की गति मापने के लिए प्रयोग किया जाता था। दमिश्की द्वारा निर्मित दूसरे एस्ट्रोलैब 623–28 हि०/1226–30 ई० में निर्मित सालार जंग म्यूज़ियम, हैदराबाद में और 628 हि०/1230 ई० का राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में है।

संग्रह में एक अन्य उपकरण 834 हि०/1430–31 ई० में मो० इब्ने जाफ़र द्वारा किरमान (ईरान) में बनाया गया खगोलीय ग्लोब (सेलेसियल ग्लोब) है। समान महत्व का ही एक अन्य नाविक एस्ट्रोलैब है जिस पर कोई भी नाम या तिथि नहीं लिखी है। लाहौर के

जियाउद्दीन मोहम्मद द्वारा 1074 हि० / 1663–64 ई० में बनाया गया एक अन्य एस्ट्रोलैब भी है। लाइब्रेरी द्वारा इनका कैटलॉग "ASTRONOMICAL INSTRUMENTS IN THE RAMPUR RAZA LIBRARY" के नाम से प्रकाशित कर दिया गया है।

सिक्के एवं अन्य कला-कृतियाँ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में विभिन्न विचित्र पुरावशेषों के साथ 1361 दुर्लभ सिक्के भी संरक्षित हैं। संग्रह में चांदी, कॉपर (तांबा) और बिलन से बने सिक्के मौजूद हैं। सोने के सिक्के भी यहाँ के संग्रह में उपलब्ध हैं। अत्यधिक सिक्के सल्तनत काल एवं मुगल काल से सम्बन्धित हैं। कुछ सिक्के प्राचीन काल से सम्बन्धित हैं जिन्हें पंचमार्क सिक्के कहते हैं। इन सिक्कों की कैटलॉगिंग की जा चुकी है।

मध्यकालीन सिक्के

संग्रहालय की विभिन्न वस्तुएँ

सांख्यिक संग्रह के आधार पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में दिल्ली सल्तनत (1206–1526 ई०) से मुख्य रूप से ख़िलजी वंश (1290–1320 ई०) में अलाउद्दीन मुहम्मद शाह प्रथम, कुतुबउद्दीन मुबारकशाह प्रथम एवं तुगलक वंश (1320–1414 ई०) में ग्यासुद्दीन तुगलक शाह, मुहम्मद शाह द्वितीय; मुगल साम्राज्य (1526–1857 ई०) से शाहजहाँ, शाह आलम प्रथम, बहादुर शाह प्रथम, रौशन अख्तर मुहम्मद शाह, अहमद शाह बहादुर, अज़ीज़उद्दीन

आलमगीर द्वितीय, शाह आलम द्वितीय एवं दुर्रानी वंश (1747–1826 ई०) से संबंधित सिक्के उपलब्ध हैं।

रामपुर रज़ा संग्रहालय की कला–कृतियों में तलवार, ख़ंजर, मैडिल, शराबदान, मशाले, लैम्प, झूमर इत्यादि सम्मिलित हैं जो समय समय पर प्रदर्शित किए जाते हैं। इन कला–कृतियों को सूचीकृत किया जा रहा है।

अधिनियम और विनियम

(क) अधिनियम :-

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अधिनियम संख्या 22/1975 के अन्तर्गत भारत सरकार ने 1 जुलाई, 1975 को लाइब्रेरी को अपने अधीन कर लिया। अब लाइब्रेरी के समस्त कार्यों का प्रबंधन रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड के द्वारा किया जाता है जिसका गठन अधिनियम की धारा 4 (2) के अनुसार किया गया है।

(ख) विनियम :-

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अधिनियम 1975 (1975 का 22) की धारा 24 के अन्तर्गत बोर्ड तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने पाँच विनियम बनाये जिससे कि अधिनियम के द्वारा स्वीकार किये गये विभिन्न कार्यों को भली प्रकार किया जा सके।

निम्नलिखित पाँच विनियमों को स्वीकृति दी गई है जो इस प्रकार हैं :–

1. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी रख–रखाव विनियम
2. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी प्रशासन विनियम
3. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की बैठक विनियम
4. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन विनियम
5. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी (सर्विस रूल्स तथा रेगुलेशन्स) विनियम

उद्देश्य

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का मुख्य कार्य शोधकर्ताओं को उनके शोधकार्यों के लिये हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाना तथा बहुमूल्य दुर्लभ पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों के संग्रह का संरक्षण एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना। इसके अलावा अरबी, फ़ारसी, उर्दू तथा हिन्दी की पाण्डुलिपियों के मूल को प्रकाशित करवाना, कार्यशाला, सेमीनार, प्रदर्शनी, विशेष व्याख्यानों (Lecture) इत्यादि का आयोजन करवाना है जिससे कि ज्ञान अर्जन को बढ़ावा दिया जा सके और शोधकर्ताओं में सृजन के प्रति न केवल जागरूकता बनी रहे, बल्कि उनमें निरन्तर वृद्धि भी होती रहे।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड एवं उप-समितियाँ

भारत की संसद के द्वारा 1 जुलाई, 1975 में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अधिनियम के बनाए जाने के उपरान्त लाइब्रेरी को राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा दिया गया और लाइब्रेरी के प्रबन्धन के लिए रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की व्यवस्था उपर्युक्त अधिनियम की धारा 4(2) के अन्तर्गत की गई। बोर्ड के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल हैं और 12 अन्य सदस्यों का प्रावधान है जिनमें एक सदस्य तत्कालीन शासक नवाब परिवार का होगा। अन्य सदस्य प्रतिष्ठित विद्वान जो इतिहास, अरबी, फ़ारसी तथा इस्लामिक साहित्य के क्षेत्र के होंगे। इसके अलावा लाइब्रेरी के कार्य से संबंधित केन्द्र तथा राज्य सरकार के पदेन सदस्य होंगे। वर्तमान संगठित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड तथा उप–समितियों की सूची **परिशिष्ट–2 (पृष्ठ सं० 58–61)** में हैं।

बोर्ड मीटिंग

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड ने लाइब्रेरी का विकास करने तथा योजनाबद्ध कार्यक्रमों (स्कीमों) को प्रस्तावित करने के लिए **रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की 49वीं बैठक** आयोजित की। यह बैठक 20 दिसम्बर, 2019 को महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनन्दीबेन पटेल महोदया की अध्यक्षता में राजभवन, लखनऊ में सम्पन्न हुई।

उप-समितियों की बैठक

- 27 अप्रैल 2019 को लाइब्रेरी भवनों के लिए संरक्षण उपसमिति की बैठक आयोजित हुई।
- 19 जून, 2019 को टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप की बैठक आयोजित हुई।

- 06 जुलाई 2019 को अवार्ड सर्च कमेटी की बैठक आयोजित हुई।
- 13 नवम्बर, 2019 को संरक्षण उपसमिति की बैठक लाइब्रेरी मीटिंग रूम में सम्पन्न हुई।

- 08 मार्च 2020 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की "विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक" श्री आन्जनेय कुमार सिंह, तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी/ जिलाधिकारी रामपुर की अध्यक्षता में मींटिंग रूम, रंगमहल में आयोजित हुई। बैठक में अन्य सदस्य डॉ० किश्वर सुल्ताना, पूर्व प्रोफेसर हिन्दी विभाग, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज रामपुर एवं डॉ० अब्दुल रऊफ, प्राचार्य सहारा डिग्री कॉलेज रामपुर और डॉ० अबुसाद इस्लाही, लाइब्रेरी एवं सूचना अधिकारी उपस्थित रहे।

लाइब्रेरी की सुरक्षा

लाइब्रेरी की निगरानी इसके प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण कार्य है। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की सुरक्षा का भार केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) के 26 जवानों को सौंपा गया है। लाइब्रेरी के संग्रह का बराबर विस्तार किया जाता है इसलिये चौबीसों घण्टे इसकी सुरक्षा के लिये नज़र रखी जाती है। हामिद मंज़िल जहाँ दुर्लभ संग्रह और बहुमूल्य कलात्मक वस्तुयें रखी हैं उसके हर दरवाज़े और खिड़कियों में लोहे की ग्रिल लगा दी गई है। यहाँ आने वाले पाठकों, आगन्तुकों और विद्वानों को लाइब्रेरी परिसर में प्रवेश से पूर्व सी.आई.एस.एफ. कर्मचारियों की देख–रेख में मैटल डिटेक्टर गेट को पास करते हुए क्लॉक रूम में रखे रजिस्टर में अपने नाम और पते का उल्लेख करना होता है। लाइब्रेरी के भीतर थैले, पॉलीथीन और कैमरे ले जाना वर्जित है। पूरी लाइब्रेरी में सी०सी०टी०वी० कैमरे लगे हुए हैं जिसके द्वारा लाइब्रेरी की सुरक्षा पर कड़ी निगाह रखी जाती है। लाइब्रेरी के संग्रह को आग से बचाने के लिए अग्नि सुरक्षा यंत्र भी लगे हुए है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड

रामपुर रियासत के प्रथम नवाब, नवाब फैज़ुल्लाह खाँ और नवाब रज़ा अली खाँ ने अनमोल शैक्षिक विरासत के संग्रह को संजोने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अतुल्य योगदान और कार्यों के स्मरण में 1995 में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड द्वारा दोनों नवाबों के नाम पर अरबी, फारसी, इतिहास, कला एवं संस्कृत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले विद्वानों को अवार्ड देने का निश्चय लिया गया। इसके अतिरिक्त भी कुछ विषयों में अवार्ड की योजना रखी गयी है।

नवाब फैज़ल्लाह खाँ अवार्ड के लिए 1 लाख 11 हज़ार की धनराशि, **नवाब रज़ा अली खाँ अवार्ड** के लिए 1 लाख 11 हज़ार की धनराशि, **मुंशी नवल किशोर अवार्ड** उर्दू प्रकाशन के लिए 1 लाख, **मौलाना मोहम्मद अली जौहर अवार्ड वरिष्ठ** पत्रकारिता के लिए 1 लाख एवं **मौलाना मोहम्मद अली जौहर कनिष्ठ** पत्रकारिता के लिए 50 हजार की धनराशि स्वीकृत हैं। वर्ष 2019–20 में विभिन्न क्षेत्रों में निम्नलिखित अवार्ड प्रदान किये गये।

अवार्ड का नाम	अवार्ड प्राप्तकर्ता
नवाब फैज़ुल्लाह खाँ अवार्ड 2017–18	इस्लामिक अध्ययन के लिए पद्मश्री प्रो० अख़्तररूल वासे, कुलपति मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर को 1 लाख 11 हजार रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र
नवाब रज़ा अली खाँ अवार्ड 2017–18	अरबी साहित्य के लिए डॉ० सैयद एहतेशाम अहमद नदवी, पूर्व विभागाध्यक्ष अरबी, कालीकट विश्वविद्यालय को 1 लाख 11 हजार रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र
मुंशी नवल किशोर अवार्ड 2017–18	उर्दू प्रकाशन के लिए अरीब पब्लिकेशन, नई दिल्ली को 1 लाख रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी स्कॉलरशिप

लाइब्रेरी अनुसंधान कार्य में प्रगति एवं प्रोत्साहन के लिए अनुंसधान शोधकर्ताओं को आर्थिक सहायता भी देती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुरुप स्कॉलरशिप दी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में इतिहास, कला, संस्कृति और साहित्य की महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों का शोधकर्ताओं द्वारा पाठ संपादन कराना है। ऐसे शोधकर्ता जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग आदि से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलती है, इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करते हैं। शैक्षिक क्षेत्रों के शोधकर्ताओं और विद्वानों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है।

इस वर्ष 2019–20 के लिए चार स्कॉलरशिप दी गयी हैं–

1.	डॉ० अतहर मसूद, रामपुर	उर्दू स्कॉलरशिप के लिए
2.	डॉ० शाईस्ता अख्तर, रामपुर	अरबी स्कॉलरशिप के लिए
3.	डॉ० फरहीना, रामपुर	फ़ारसी स्कॉलरशिप के लिए
4.	डॉ० अनीस अब्बास रिज़वी, अलीगढ़	संस्कृत स्कॉलरशिप के लिए

टैगोर राष्ट्रीय फेलोशिप/स्कॉलरशिप

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के लिए गर्व का विषय है कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की प्रतिष्ठित टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप एवं टैगोर स्कॉलरशिप 2017–2018 के लिए लाइब्रेरी का चयन किया गया है। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय चयन समिति ने डॉ० प्रदीप जैन को टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप "भारतीय संस्कृति पर महात्मा गांधी का प्रभाव" विषय पर शोध हेतु तथा डॉ० सैयद नक़ी अब्बास को टैगोर स्कॉलरशिप "जहाँगीरनामा का अनुवाद : एनोनेशन एण्ड एडीशन" विषय पर शोध हेतु स्वीकृत की है। फैलोशिप एवं स्कॉलरशिप की शोधावधि 02 वर्ष है। दोनों शोधकर्ताओं द्वारा फरवरी 2019 में अपना शोधकार्य आरम्भ कर दिया गया। यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की इस योजना के अन्तर्गत 37 संस्थान नोडल इंस्टीट्यूट के रूप में मान्यता प्राप्त हैं और एक संस्थान को अधिकतम एक फैलोशिप और एक स्कॉलरशिप ही दी जा सकती है और इस योजना के अन्तर्गत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का चयन होना लाइब्रेरी के शोध वातावरण में अवश्य ही गुणात्मक परिवर्तन उत्पन्न करने में सहायक सिद्ध होगा।

लाइब्रेरी में न्यू एडिशन

प्रो० वजीहुद्दीन संग्रह : वर्षावधि के दौरान प्रो० शेख वजीहुद्दीन, पूर्व विभागाध्यक्ष फारसी विभाग, बड़ोदरा विश्वविद्यालय, गुजरात ने विभिन्न भाषाओं की अपनी 446 निजी पुस्तकें जैसे– तुज़ूके बाबरी, फारसी अदब की मुख्तसर तारीख़, तूतीयाने हिन्द, अंग्रेज़ी में– ए हिस्ट्री ऑफ नवाब ऑफ बरोच, पर्शियन एण्ड अरेबिक एपिग्राफी ऑफ गुजरात, द बुस्तान सादी शिराज़ी (अंग्रेज़ी अनुवाद) भागवत गीता (फारसी अनुवाद), तालिब–ए–अमुली इत्यादि लाइब्रेरी को उपहार स्वरूप भेंट दीं। रज़ा लाइब्रेरी में इनके नाम से एक कलेक्शन स्थापित कर दिया है ताकि शोधार्थी इस संग्रह से लाभान्वित हो सकें।

प्रो० सैयद हसन अब्बास कलेक्शन : वर्षावधि के दौरान प्रो० सैयद हसन अब्बास, पूर्व निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने विभिन्न भाषाओं की अपनी 1070 निजी पुस्तकें लाइब्रेरी को उपहार स्वरूप भेंट दीं। रज़ा लाइब्रेरी में इनके नाम से एक कलेक्शन स्थापित कर दिया है।

किशन सरोज संग्रह : वर्ष 2018–19 में लाइब्रेरी को देश के प्रसिद्ध लेखक श्री किशन सरोज की 512 पुस्तकें उपहारस्वरूप प्राप्त हुई थीं। लाइब्रेरी ने उनके नाम पर संग्रह का नाम किशन सरोज कलेक्शन रखा और इसमें महत्वपूर्ण जानकारी वाली 265 पुस्तकें और 247 पत्रिकाएँ तथा मैगज़ीन शामिल हैं। वर्ष 2019–20 में इस संग्रह की पुस्तकों से सम्बन्धित निम्नलिखित कार्य किया गया–

- 265 पुस्तकों का सूची रजिस्टर तैयार किया गया।
- 90 पुस्तकों के 280 कैटलॉग कार्ड तैयार किया गये।

पत्रिका अनुभाग : लाइब्रेरी में हजारों पत्र–पत्रिकाएँ एक समय अवधि से संग्रहित हैं। पाठकों की आवश्यकता के अनुसार लाइब्रेरी प्रत्येक वर्ष बहुत सी पत्रिकाएँ खरीदती भी है और उपहारस्वरुप प्राप्त भी होती हैं। इन पत्रिकाओं को भूतल पर एक नये अनुभाग में

स्थानांतरित किया गया है जिसे पत्रिका अनुभाग का नाम दिया गया। संग्रह में 7560 अंग्रेज़ी, 6966 हिन्दी एवं 8000 उर्दू, अरबी, फारसी इत्यादि की पत्रिकाएं सम्मिलित हैं, जिनको वर्षवार क्रमबद्ध ढ़ग से बाइंड कराया गया। पत्रिका अनुभाग का उद्घाटन माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश के कर–कमलों द्वारा 17 फरवरी 2020 को किया गया।

वर्षावधि 2019–20 में पत्रिकाओं से सम्बन्धित किया गया कार्य निम्नलिखित है–

- पत्रिकाओं की 2875 जिल्द तैयार की गयीं।
- 2495 पत्रिकाओं (123 अरबी, 1970 उर्दू, 402 हिन्दी) की कैटलॉगिग की गई।
- 2495 पत्रिकाओं (123 अरबी, 1970 उर्दू, 402 हिन्दी) के कार्ड तैयार किये गये।
- 2637 पत्रिकाओं पर लेबल लगाये गये।
- 383 हिन्दी पत्रिकाओं की कोहा सॉफ्टवियर डेटाबेस में एण्ट्री की गयी।

तकनीकी सेवाएँ

लाइब्रेरी के संग्रह को क्रय (खरीद), विनिमय तथा उपहार के द्वारा समृद्ध किया गया है। इस अवधि के दौरान लाइब्रेरी ने 781 पुस्तकें, 784 पत्रिकायें और 8,105 समाचार पत्रों को अर्जित किया और उन्हें उचित रूप में परिग्रहित किया गया। शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु लाइब्रेरी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को अर्जित करती है। पुस्तकों पर लेबल लगाने तथा सफाई का काम निरन्तर चलता रहता है। 2,194 किताबों पर 2,495 लेबल लगाये गये। लाइब्रेरी में कार्ड कैटलॉग को अद्यतन (up to date) किया गया तथा कार्डों की जाँच की गयी। इस वर्षावधि के दौरान, लाइब्रेरी ने निम्न सामग्री अर्जित की :–

1.	थ्कताबें	उपहार द्वारा		क्रय द्वारा	
	हिन्दी अंग्रेजी उर्दू अरबी फारसी	103 18 322 03 16	462	43 15 259 01 01	319
2.	**भाषा**	**समाचार पत्र**		**पत्रिकाएँ**	
	हिन्दी अंग्रेजी उर्दू अरबी	3,780 1,914 2,411	8,105	143 114 493 34	784

लाइब्रेरी द्वारा विभिन्न प्रकार की संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विशेष व्याख्यानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समारोहों का आयोजन किया जाता है। ऐसे सभी कार्य–कलापों के फोटो तथा डीवीडी तैयार किये जाते हैं ताकि उनका उपयोग बाद में विभिन्न सार्थक उद्देश्यों के लिये किया जाना सम्भव हो सके।

क्र०सं०	कार्यक्रम	तिथि	फोटो / डीवीडी
1.	"इक़बालियात और मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ" पर द्वितीय मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ मैमोरियल विस्तार व्याख्यान	28 अप्रैल 2019	94

2.	वर्गीकरण एवं सूचीकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला	29 अप्रैल 2019	36
3.	योगदिवस	21 जून 2019	80
4.	प्रसिद्ध साहित्यकार प्रेमचंद जयन्ती के अवसर पर "प्रेमचंद का साहित्य में योगदान" पर विस्तार व्याख्यान	31 जुलाई 2019	70
5.	अमीर मीनाई की साहित्यिक सेवायें पर विस्तार व्याख्यान	04 अगस्त 2019	70
6.	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त 2019	72
7.	महात्मा गांधी जयन्ती	02 अक्टूबर 2019	70
8.	एकता दिवस	31 अक्टूबर 2019	60
9.	संविधान दिवस एवं अग्निशमन उपकरणों पर कार्यशाला	26 नवम्बर 2019	150
10.	मूर्धन्य संगीतज्ञ और संस्कृतज्ञ आचार्य कैलाश चन्द्र बृहस्पति	20 जनवरी 2020	118
11.	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी 2020	47
12.	इण्डो–उज़्बैक प्रदर्शनी	03 फरवरी से 10 फरवरी 2020	154
13.	अवार्ड समारोह कार्यक्रम	17 फरवरी, 2020	162
14.	ग़ालिब का अंदाज–ए–बयां पर विस्तार व्याख्यान	27 फरवरी, 2020	55
15.	विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, प्रदर्शनी का उद्घाटन, महिला सशक्तीकरण	08 मार्च 2020	72
	योग		1310

सूचीकरण

विद्वानों, शोधकर्ताओं और लाइब्रेरी के कर्मचारियों के लिए पाण्डुलिपियों के साथ–साथ मुद्रित पुस्तकों का विवरणात्मक सूचीकरण करना अनिवार्य है। लाइब्रेरी संग्रह का सूचीकरण तत्कालीन लाइब्रेरी प्रबंधक हकीम अजमल खाँ के द्वारा शुरू किया गया है। उनकी निगरानी में उर्दू भाषा में अरबी पाण्डुलिपियों के कैटलॉग का पहला खण्ड 'फहरिस्ते कुतुब–ए–अरबी' 1902 में प्रकाशित हुआ जिसमें 46 विषयों की पाण्डुलिपियाँ संकलित हैं। हाफ़िज़ अहमद अली शौक़, लाइब्रेरियन की निगरानी में मौलवी मौहम्मद नबी के द्वारा दूसरे खण्ड में 20 विषयों की पाण्डुलिपियों को उर्दू में सूचीकृत किया जो 1928 में हुआ। हकीम अजमल खाँ ने नौ विषयों की पाण्डुलिपियों का कैटलॉग का तीसरा खण्ड उर्दू में तैयार किया जो 1929 में प्रकाशित हुआ। तत्कालीन निदेशक मौलाना इम्तियाज़ अली अर्शी द्वारा अरबी पाण्डुलिपियों को छः खण्डों में सूचीकृत किया गया था।

उन्होंने उर्दू में सूचीकरण करने की बजाय अरबी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग अंग्रेज़ी में बनाया जिससे अधिक संख्या में शोधार्थी लाभान्वित हो सकें। मौलाना अर्शी द्वारा तैयार कैटलॉग के प्रथम खण्ड में कुरानियात और वैज्ञानिक परम्पराएँ (1963), दूसरे खण्ड में प्रार्थनाएँ, धर्मशास्त्र एवं धार्मिक विषय (1966), तीसरे खण्ड में न्यायिक सिद्धांत, द्वंद्ववाद, वाद–विवाद, न्याय शास्त्र और उत्तराधिकार कानून (1968), चौथे खण्ड में सूफीवाद, पवित्र ग्रंथ, तर्क एवं दर्शन शास्त्र (1971), पांचवें खण्ड में गणित, चिकित्सा, प्राकृतिक विज्ञान, कृषि, मनोगत विज्ञान, नैतिक एवं राजनीति शास्त्र, शिक्षा और सैन्य विज्ञान (1975) एवं छठे खण्ड में इतिहास, जीवनवृतांत, यात्रा, भूगोल (1977) प्रकाशित हुऐ।

पाण्डुलिपियों की हस्तलिखित सूचियाँ अब तक बहुत उपयोगी रहीं। अब पाण्डुलिपियाँ विषय और भाषानुसार सूचीकृत हैं। लाइब्रेरी पाण्डुलिपियों का विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित कैटलॉग **परिशिष्ट–3 (पृष्ठ सं०–62)** में संलग्न है।

इस दौरान 622 पाण्डुलिपियों एवं 3,009 पुस्तकों का सूचीकरण किया गया, 826 मुद्रित पुस्तकों को वर्गीकृत और विभिन्न भाषाओं की पुस्तकों के 1,267 सूचीपत्रों को तैयार कर उनको कैटलॉग ट्रे में व्यवस्थित किया गया।

इस वर्ष के दौरान निम्न कार्य किये गये :–

1.	सूचीकरण	पाण्डुलिपियाँ		पुस्तकें	
	अरबी	227		481	
	फारसी	325		55	
	संस्कृत	–	622	–	3,009
	उर्दू	34		2229	
	हिन्दी	36		211	
	अंग्रेज़ी			33	
2.	**वर्गीकरण**			**पुस्तकें**	
	अरबी			21	
	फारसी			55	
	उर्दू			459	826
	हिन्दी			194	
	अंग्रेज़ी			97	
3.	**कार्ड कैटालॉग**			**कार्ड**	
	अरबी			21	
	फारसी			55	
	उर्दू			459	1,267
	हिन्दी			633	
	अंग्रेज़ी			99	

कंप्यूटरीकरण एवं डिजीटाइज़ेशन

इस अवधि के दौरान 622 पाण्डुलिपियों और 2,230 मुद्रित पुस्तकों की ग्रंथसूची सूचना के साथ तैयार डेटाबेस की कम्प्यूटर में एण्ट्री की गयी।

कंप्यूटरीकरण	पाण्डुलिपियाँ		मुद्रित पुस्तकें	
अरबी	227		460	
फारसी	325		–	
संस्कृत	–	622	–	2,230
उर्दू	34		1770	
हिन्दी	36		–	
अंग्रेज़ी	–		–	

- 1,269 हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, अरबी, फारसी मुद्रित पुस्तकों का मेटाडाटा कोहा सॉफ्टवियर डेटाबेस में फीड किया गया।

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	टरबी	फारसी
701	33	459	21	55

- लाइब्रेरी में पाण्डुलिपियों का डिजीटाइज़ेशन एक नियमित प्रक्रिया है। रेख्ता फाण्डेशन, नई दिल्ली के तत्वावधान से रज़ा लाइब्रेरी की मुद्रित पुस्तकों को डिजीटाइज़ किया जा रहा है। जो इस प्रकार है–

क्र.सं.	डिजीटाइज़ेशन एवं मेटाडाटा क्रियेशन	
1.	पाण्डुलिपियाँ	2522 पाण्डुलिपियों से 3,14,157 पृष्ठ
2.	मुद्रित पुस्तकें	6276 पुस्तकों से 5,62,224 पृष्ठ

विद्वानों को सुविधाएँ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में लाइब्रेरी के दुर्लभ संग्रह से लाभान्वित होने, अध्ययन करने एवं उपयोजन के लिए बड़ी संख्या में शोधकर्ता देश–विदेश से भ्रमण करते हैं। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी शोधकर्ताओं को सुविधा प्रदान करने में पूरी तरह सचेत है। लाइब्रेरी में शोध के लिए एक विशेष कक्ष की व्यवस्था है और विद्वानों के लिए उच्च श्रेणी के शोध कार्य हेतु हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने में लाइब्रेरी सक्षम है। इस अवधि के दौरान 64 अनुसंधानकर्ताओं ने 577 पाण्डुलिपियों का अवलोकन किया एवं 10 सी०डी० उपलब्ध करायी गयीं और 763 पाठकों को 8,290 छपी पुस्तकें जारी की गई। इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में लोगों ने दरबार हॉल में संग्रहालय का अवलोकन किया। भारत और विदेशों से आये शोधकर्ताओं की सूची **परिशिष्ट–4 (पृष्ठ सं०–63–64)** पर संलग्न है।

भारतीय संस्कृति से रूबरू होने एवं अपने इतिहास को समझने के लिए विभिन्न विद्यालयों से विद्यार्थी रज़ा लाइब्रेरी आते रहते हैं और यहाँ के संग्रह को देखकर अंचभित होते हैं। समय–समय पर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भी विद्यार्थियों की सहभागिता होती है। इस वर्षावधि के दौरान विद्यालयों के भ्रमण की सूची **परिशिष्ट– 5 (पृष्ठ सं० 65–67)** में संलग्न है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी भुगतान के आधार पर पाण्डुलिपियों के फोटोग्राफ़ और मुद्रित पुस्तकों की छाया प्रतियां विद्वानों को प्रदान करती है। इस अवधि के दौरान मुद्रित पुस्तकों के चयनित पृष्ठों की 3,125 छायाप्रतियाँ शोधकताओं को भुगतान के आधार पर प्रदान की गयीं। इसके अतिरिक्त लाइब्रेरी के 132 प्रकाशनों की बिक्री की गई अथवा 502 प्रकाशित पुस्तकों, जरनलों इत्यादि को विद्वानों को उपहार में दिया गया।

पाठकों को उपलब्ध सेवाएँ

अध्ययन हेतु सेवाओं को सुदृढ़ करने के विचार से लाइब्रेरी में एक वाचनालय कक्ष की व्यवस्था है, जहाँ पाठक अपनी पसन्द के समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं को पढ़ सकते हैं। वाचनालय कक्ष की मेज़ें सदा उन पाठकों से भरी रहती हैं जो दैनिक समाचारों तथा सामान्य ज्ञान से अपने को जागरूक रखना चाहते हैं।

वाचनालय कक्ष स्टील कार्ड केबिनेट से सुसज्जित है, जिसमें मुद्रित पुस्तकों के वर्गीकृत कार्ड पुस्तकालय विज्ञान के नियमानुसार रखे गये हैं। लकड़ी की अलमारियों में पत्रिकाएं उचित ढंग से रखी हुई हैं, समाचार पत्रों के लिए लकड़ी की मेज़े तथा पाठकों के बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियाँ हैं। वाचनालय कक्ष को और सुसज्जित तथा कम्प्यूटरीकृत किया जाये जिस पर गहन विचार करने की आवश्यकता है।

अध्ययन कक्ष के दृश्य

समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत लाइब्रेरी को 8,105 समाचार पत्रों तथा 784 पत्रिकाओं के अंक प्राप्त हुए हैं। 80,806 सामान्य पाठकों ने अध्ययन कक्ष में समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का अवलोकन किया।

लाइब्रेरी की प्रस्तावित योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाएँ चलायी जाती है जो कि सांस्कृतिक विरासत के लिए अति महत्वपूर्ण हैं। ये परियोजनाएँ लोगों के बीच हमारी विरासत को संरक्षित करने में बढ़ावा देती हैं। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में निम्न योजनाएँ हैं :

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन की स्थापना संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा फरवरी 2003 में की गई। इसका शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था। मिशन भारत की असंख्य पाण्डुलिपियों का पता लगाने और संरक्षित करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली ने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी को पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र के लिए नामित किया है। वर्तमान में पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र रज़ा लाइब्रेरी में कार्य कर रहा है। पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र में किये गये कार्य की सूची **परिशिष्ट–7 (पृष्ठ सं० 72–73)** पर संलग्न है।

ऑल इण्डिया रेडिया, आकाशवाणी द्वारा प्रसारण

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी और उसके संग्रह के प्रचार–प्रसार के लिए उर्दू कार्यक्रमों को आकाशवाणी, रामपुर पर प्रयोजित किया जाता है। इस उर्दू कार्यक्रम का प्रत्येक शुक्रवार रात 08:30 बजे उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के ऑल इण्डिया रेडियो के सभी केन्द्रो द्वारा प्रसारण होता है। ऑल इण्डिया रेडियों पर प्रसारित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के स्टाफ और अन्य विद्वानों द्वारा दिये भाषणों, वचनों और वार्ताओं से लगभग 2 करोड़ श्रोतागण लाभान्वित होते हैं।

लाइब्रेरी के प्रकाशन

रज़ा लाइब्रेरी अब तक 230 प्रकाशनों का प्रकाशन कर चुकी है। इस वर्षावधि 2019–20 के दौरान 07 पुस्तकों एवं न्यूजलेटर के 05 अंकों को प्रकाशित किया गया–

- *खुतूत–ए–दाग़ (उर्दू)*
- *रूह की बेदारी (उर्दू)*
- *मोहावराते बेगमात (उर्दू)*
- *मजालिस–ए–रंगीन (उर्दू)*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी जरनल नम्बर–32 (उर्दू)*
- *राजभाषा पत्रिका (कबीर विशेषांक)*
- *राजभाषा पत्रिका (गांधी विशेषांक)*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूजलेटर (अंक 19–23)*

संरक्षण एवं उपचार

संरक्षण प्रयोगशाला में असंख्यक कलावस्तुओं, पाण्डुलिपियों, मुद्रित पुस्तकों, मुगल लघु चित्रों, फोटोग्राफों, लीथोग्राफी, खत्ताती (कैलीग्राफी) के नमूनों, नक्शों तथा ऐतिहासिक प्रलेखों आदि का सफलतापूर्वक वैज्ञानिक विधियों द्वारा संरक्षण किया जाता है। किसी भी वस्तु के संरक्षण–उपचार से पहले, प्राप्त कला वस्तुओं की स्थिति का प्रमाण रखने के लिए फोटोग्राफी प्रलेखन किया जाता है और यह संरक्षक को उपचार में और भविष्य में उपयोग के लिए भी मदद करता है। वस्तु की सावधानीपूर्वक जांच की जाती है और आवश्यकता के अनुसार दुर्लभ और मूल्यवान संग्रह के लिए वस्तुओं को जीवन प्रत्याशा को बढ़ाने के लिए उचित उपचार दिया जाता है।

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा वैज्ञानिक विधियों से बहुमूल्य पाण्डुलिपियों के क्षतिग्रस्त 1,720 फोलियो एवं दुर्लभ मुद्रित पुस्तकों के क्षतिग्रस्त 1,796 फोलियो का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया। संरक्षण कार्य का विवरण **परिशिष्ट–6 (पृष्ठ सं० 68–71)** में संलग्न है।

जिल्दसाज़ी

लाइब्रेरी में एक जिल्दसाज़ी अनुभाग भी है जहाँ दुर्लभ पाण्डुलिपियों, पुरानी पुस्तकों और टूटी हुई जिल्दों की मरम्मत की जाती है अथवा उनके स्थान पर नई लैदर जिल्द लगा दी जाती है। यहाँ नई पुस्तकों और पत्रिकाओं पर भी जिल्द चढ़ाई जाती है। इस अवधि के दौरान 29 पाण्डुलिपियों, 295 पुस्तकों एवं 2,875 पत्रिकाओं की नई जिल्दसाज़ी और मरम्मत का काम किया गया, इनके अलावा रजिस्टरों, नोट–बुकों और एलबमों पर भी जिल्दें चढ़ाई गईं। जिल्दसाज़ी अनुभाग बहुमूल्य पाण्डुलिपियों और पुरानी मुद्रित पुस्तकों की जिल्दसाजी में अमलता रहित माउन्ट बोर्ड और हस्त निर्मित कागज़ का प्रयोग करता है। जिल्दसाज़ी अनुभाग संरक्षण प्रयोगशाला की देखरेख में कार्य करता है।

प्रशिक्षण/सम्मेलन

- समय–समय पर संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा लाइब्रेरी के डस्टर स्टाफ को पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों की साफ–सफाई, रख–रखाव का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान पुस्तकों एवं विभिन्न कला–कृतियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक सुरक्षित रुप से ले जाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। लाइब्रेरी के विभिन्न अनुभागों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पाण्डुलिपियों और मुद्रित पुस्तकों की सफाई, पकड़ने की विधियाँ एवं लाने–जाने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

- संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और एन्ड्रो डब्लू मेलन फाउण्डेशन द्वारा भारतीय संरक्षण फैलाशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की संरक्षण प्रयोगशाला से श्री सैयद तारिक़ अज़हर, वरिष्ठ तकनीकी रेस्टोरर को 4 माह की फैलोशिप दी गयी एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर The freer Gallery of art and Arthur M. Sackler Gallery (FG) The Smithsonian Museums of Asian Art, वाशिंगटन डी०सी०, यूएसए डेप्यूटेशन पर भेजा गया। जहाँ इन्होंने 11 मार्च 2019 से 28 जून 2019 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और एन्ड्रो डब्लू मेलन फाउण्डेशन द्वारा 5–6 नवम्बर 2019 तक नेशनल म्यूजियम इन्स्टीट्यूट नई दिल्ली में इण्डियन कंजर्वेशन फैलोशिप पर वार्षिक सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें लाइब्रेरी की ओर से श्री सैयद तारिक़ अज़हर, वरिष्ठ तकनीकी रेस्टोर ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर उन्हें प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।
- 1 अगस्त से 31 अक्टूबर 2019 तक मिस तैय्यबा खान, रामपुर को संरक्षण में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

संग्रहालय के कार्य

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के दरबार हॉल में संग्रहालय है। इस सग्रंहालय में पाण्डुलिपियाँ, लघु–चित्रों, कैलीग्राफ़ी के नमूने तथा विभिन्न कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियाँ लगायी जाती हैं जो कि दर्शकों के लिए मनमोहक होती हैं। सोने से सुसज्जित छत, आदम कद संगमरमर की मूर्तियाँ, पुराने झाड़ फ़ानूस आदि दर्शकों को आकर्षित करते हैं जो उन्हें सपनों के संसार का अनुभव कराते हैं।

इस अवधि के दौरान रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रहालय में दस्तावेज़ों और कला–कृतियों को संरक्षित करने का कार्य किया गया। जो इस प्रकार हैं :–

- 25 कलाकृतियों एवं 61 दुर्लभ सिक्कों का प्रलेखन किया गया।
- 150 कलाकृतियों का प्राथमिक संरक्षण किया गया।
- 07 संग्रहालय वस्तुओं का उपचारात्मक संरक्षण किया गया।
- 83 संग्रहालय वस्तुओं को प्रदर्शित एवं अनुशीर्षकों को तैयार किया गया।
- संग्रहालय वस्तुओं का आन्तरिक सत्यापन किया गया और विभिन्न अलमारियों में रखी वस्तुओं की सूची तैयार की गयी।

नई नियुक्ति

मिस निदा फरहीन को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में तकनीकी रेस्टोरर के पद पर 18 फरवरी 2020 को स्थाई नियुक्ति प्रदान की गई।

लाइब्रेरी सोशल मीडिया पर

आज पूरे विश्व में तकनीकी माध्यम से विचारों का आदान प्रदान हो रहा है। इस कार्य में फेसबुक, ट्वीटर एवं यू ट्यूब पूरे विश्व में विचारों के आदान प्रदान करने का सर्वश्रेष्ठ साधन है। इस माध्यम द्वारा विश्व के सरकारी और गैर सरकारी संस्थान अपने–अपने संस्थानों का प्रचार एवं प्रसार कर रहे हैं।

भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार रज़ा लाइब्रेरी द्वारा फेसबुक एवं ट्वीटर पर पेज का निर्माण कर लिया गया है। बहुत कम समय में ही इस तकनीकी माध्यम से बहुत से विद्वान,

विद्यार्थी एवं दर्शकों द्वारा रज़ा लाइब्रेरी के फेसबुक और ट्वीटर पेज का विजिट किया जा रहा है एवं लाईक किया जा रहा है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के फेसबुक पेज का लिंक है–
https://www.facebook.com/Rampur-Raza-Library-796721687061917/

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के ट्वीटर पेज का लिंक है–
https://twitter.com/raza_library

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने यू–ट्यूब पर अपना एक चैनल बनाया है उसका नाम रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार है। इस पर विभिन्न कार्यक्रमों की वीडियो अपलोड की जा रही है।

फेसबुक पेज

ट्वीटर पेज

विशिष्ठ आगंतुक

विश्व से असंख्य दर्शकों के भ्रमण पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी गौरवान्वित होती है। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के विषय में विशिष्ठ आगंतुकों और भ्रमणकर्ताओं के महत्वपूर्ण विचार इस प्रकार हैं :–

- श्री बी० ईलन गोवन, व्यय प्रेक्षक ने 16 अप्रैल 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "पुस्तकों और चित्रों का आश्चर्यजनक संग्रह देखकर बहुत अचम्भित हूँ। यह भावी पीढ़ी के लिए प्राचीन विरासत है। जिसको सही तरीके से समझना जरूरी है।"

- मार्क टोटेंट, पैरिस, सीएनआरएस ने 25 अप्रैल 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "इस तरह की लाइब्रेरी में पाण्डुलिपियों को देखना मेरे लिए हर्ष का विषय है। यह सुन्दर लाइब्रेरी विभिन्न प्रकार से अद्भुत है। इसमें तुर्की और अरबी पाण्डुलिपियों का जबरदस्त संग्रह अच्छी प्रकार रखा हुआ है। इसके निदेशक बड़े स्कॉलर और नरम दिल इंसान हैं। लाइब्रेरी स्टाफ बहुत सहायक और मददगार है। मैं इन सबका बहुत ही आभारी हूँ। मुझे बैचेनी से अगले भ्रमण का इन्तेज़ार रहेगा।

- श्री कृष्ण कुमार, निदेशक डाक सेवाएँ, लखनऊ मुख्यालय ने 14 मई 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "रामपुर रज़ा लाइब्रेरी को देखना अपने आप में एक सुन्दर अनुभूति से भर देना है। यहाँ पर संग्रहित वस्तुएँ, पुस्तकें व कलाकृतियाँ हमें न सिर्फ अपने स्वर्णिम अतीत से जोड़ती हैं बल्कि उस भाव–भूमि का भी दर्शन कराती हैं कि भारत वर्ष को क्यों सिरमौर कहा गया है। यहाँ के समस्त स्टाफ का व्यवहार काफी सौहार्दपूर्ण है। रमजान के पवित्र माह में पवित्र कुरआन शरीफ का अवलोकन निःसन्देह अद्भुत व अपूर्व रहा।

- मिस मैत्रयी हलदर, महाराजा सियाजीराव विश्वविद्यालय, फाइन आर्ट संकाय, कला एवं इतिहास विभाग एम०वी०ए० बड़ौदा ने 8 जुलाई 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "एक विद्यार्थी की हैसियत से मुझे लाइब्रेरी की इस्लामिक पाण्डुलिपियों में रूचि है और इस लाइब्रेरी का संग्रह प्रशंसनीय है। यहाँ भ्रमण करना और अवलोकन करना जरूरी है। भविष्य में आने वाले शोधकर्ताओं के लिए इसका शोध और अवलोकन आवश्यक है। शोध कार्य के लिए इस लाइब्रेरी को डिजिटल होना बहुत आवश्यक है ताकि शोधकर्ता इसकी बुनियादी जानकारी घर बैठे ही प्राप्त कर सकें। लाइब्रेरी ने बहुत सी पाण्डुलिपियों को प्रकाशित किया है जिनको उत्तम प्रिंटिंग की आवश्यकता है जिससे पूरे देश के समस्त प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों और उनके विभागों में इन पाण्डुलिपियों को पढ़ा जा सके।"

- डॉ० दिलोराम करोमात, उज़्बेकिस्तान (ताशकंद) ने 11 अगस्त 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

विचार : "मुझे 18 वर्ष बाद इस लाइब्रेरी में आकर बड़ी प्रसन्नता हुई। यहाँ पर हर क्षेत्र में सक्रात्मक बदलाव देखकर मुझे इस बात पर भी बहुत खुशी हुई कि विश्व संग्रह में उज़्बेकिस्तानी संस्कृति पर लाइब्रेरी काम कर रही है। हमें रज़ा लाइब्रेरी की इस परियोजना के पूरा होने का बैचनी से इंतेजार रहेगा। कुषाण काल की कला–वस्तुऐं भी इस एलबम में शामिल होंगी। मैं निदेशक का धन्यवाद करना चाहती हूँ जिन्होंने हमारी उज़्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमण्डल को लाइब्रेरी घूमने और एशियन संस्कृति से सम्बन्धित पाण्डुलिपियों और दुर्लभ वस्तुओं को फिल्मिंग करने का मौका दिया। मैं उनके स्वागत सत्कार एवं देख–रेख की भी आभारी हूँ। अपनी उज़्बेकिस्तान के पूरे प्रतिनिधिमण्डल की तरफ से लाइब्रेरी के समस्त स्टाफ को बधाई देती हूँ।

- डॉ० मौरा मिशेल, इतिहास के प्रोफेसर और श्री अरूण अहूजा, मेहराब डिजाइन, नई दिल्ली ने 09 सितम्बर 2019 को श्री नवाब काज़िम अली खाँ के साथ लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार : "यहाँ इतिहास को संजोया जा रहा है। प्राचीन लेखों में बहुत महत्वपूर्ण तथ्य होते हैं जो हमारे वर्तमान जीवन को भी प्रभावित करते हैं। इतिहास को समझने के लिए उसे पढ़ना जरूरी है और यह लोग उस कीमती इतिहास को बचा रहे हैं। मैं आप सभी संरक्षणकर्ताओं की आभारी हूँ। मेरे जीवन का यह अद्भुत अनुभव है।

- मिस अयेलेट कोटलर, पी०एचडी विद्यार्थी, शिकागो विश्वविद्यालय ने सितम्बर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार : "लाइब्रेरी स्टाफ अत्यन्त सहायक है जिन्होंने मुझे वह समस्त पाण्डुलिपियाँ अवलोकित करवायी जिनको मैं देखना चाहता था। यहाँ का संग्रह निःसंदेह आश्चर्यजनक है और वातावरण भी कार्य के लिए अनुकूल है। यहाँ के कैटालॉग का उपयोग करना बहुत आसान है और हर चीज अच्छी तरह से व्यवस्थित है। मैं भविष्य में अभिलेखीय कार्य के लिए दोबारा आना चाहूँगा"

- डॉ० संजय सिन्हा, आईएएस, निदेशक, कला,संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार ने 10 अक्तूबर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार : "अद्भुत अनुभव। रामपुर की रज़ा लाइब्रेरी में आना एवं इसके विभिन्न खण्डों को देखना मेरे जीवन की एक बड़ी उपलब्धि है। इस लाइब्रेरी में कार्यरत पदाधिकारियों का व्यवहार एवं सहयोग आजीवन याद रखूँगा। पवित्र ग्रंथ कुरान एवं रामायण का संकलन एवं सैकड़ों वर्ष के बाद भी उसके संरक्षण के लिए किए प्रयास की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। यह लाइब्रेरी राष्ट्र की ऐसी धरोहर है जिसका जितना भी विकास किया जाए वह कम ही होगा। मैं यहाँ के सभी पदाधिकारियों/कर्मियों की अथक मेहनत एवं प्रयास की प्रशंसा करता हूँ और भविष्य में इस संस्था का उत्तरोत्तर विकास हो इसकी शुभकामना देता हूँ।"

- श्री प्रभाकर कुमार, आईआरएस, संयुक्त आयुक्त, जीएसटी एवं केन्द्रीय उत्पाद, सीमा शुल्क मुम्बई ने 19 अक्टूबर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

विचार : "मैंने आज लाइब्रेरी का भ्रमण किया। यह लाइब्रेरी भारत की संस्कृति और इतिहास की महान धरोहर है। जहाँ पर भारतीय संस्कृति और परम्परा एवं साहित्य को आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखा गया है। कुछ कैलीग्राफी और चित्र तो वास्तव में आश्चर्यजनक एवं महत्वपूर्ण हैं जैसे अरबी में हस्तलिखित कुरान, फारसी में रामायण इस बात को दर्शाता है कि हमारी संस्कृति किस प्रकार दूसरी संस्कृतियों को किस तरह समाये हुए है जो आपसी सोहार्द का अच्छा उदाहरण है।

- मिस समीना नक़वी, संचारी संस्थापक ने अक्टूबर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "मुझे लाइब्रेरी में आने की इतनी खुशी है कि जिसको शब्दों में बयान करना कठिन है। यहाँ कैलीग्राफी, लघुचित्र साथ मार्बल की मूर्तियों को अच्छी तरह से संरक्षित करके रखा गया है जो कि वास्तव में एक बड़ा खजाना है। मैं यहाँ के समस्त स्टाफ को शुभकामनाएँ देती हूँ। जो लगन, रूचि के साथ मेहनत कर रहे हैं।

- श्री ए० पीटर बरलीघ, यूएस एम्बेसडर (सेवानिवृत्त) ने 23 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "बहुत बहुत आभारी हूँ इस केन्द्र का, जहाँ पर आश्चर्यजनक विश्व प्रसिद्ध पाण्डुलिपियाँ, लघुचित्र और दूसरा बहुमूल्य ख़जाने का अच्छा संग्रह है। मेरी इच्छा है कि दोबारा शीघ्र यहाँ आऊँ।"

- डा० रज़ा असद, ईरान ने 25 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "मैंने आज रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया और ईरान से फारसी साहित्य की डिग्री प्राप्त महोदय निदेशक के मार्गदर्शन में अत्यन्त दुर्लभ पाण्डुलिपियों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ जिसमें विशेष रूप से कुरान मजीद को देखा। शिक्षा और शोधकार्य के लिए लाइब्रेरी का माहौल शान्तिपूर्ण और सहायक है। खासतौर से फारसी पाण्डुलिपियों और फारसी साहित्य का जो दुर्लभ संग्रह है देखकर बहुत गर्व हुआ। आशा है कि इस अनमोल संग्रह को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा दिया जाये।

- अर्चना सिंह ने 28 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "मैं रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के विशाल संग्रह को देखकर हथप्रथ हो गयी हूँ। मैं यहाँ अपने विषय पर बिना तैयारी आयी थी परन्तु आश्चर्यजनक संग्रह को देखकर रूक गयी। पुस्तकों का संरक्षरण और प्राचीन काल की पेंटिग्स। वास्तव में आश्चर्यजनक है। मैं यहाँ पवित्र पुस्तकें देखकर आत्मा को छूने वाले ख्यालात में खो गयी। मैं इतनी अचम्भित हो गयी हूँ। मैं बहुत प्रभावित हूँ।"

- श्री प्रतापानन्द झा, निदेशक राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन ने 07 दिसम्बर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "पाण्डुलिपियों का उत्कृष्ट संग्रह। संरक्षण तथा प्रकाशन कार्यों के साथ–साथ लाइब्रेरी को इस ओर भी विशेष ध्यान देना चाहिए कि यह दुर्लभ संग्रह तथा प्रकाशन भारत के प्रशिक्षण संस्थानों को सुलभता से उपलब्ध हो सके। यह

लाइब्रेरी भारत की पाठ्य परम्पराओं की सोने की खान है। मेरी तरफ से हार्दिक बधाई।

- श्री मोहम्मद नसीम खान, एलआईसी, रामपुर ने 29 दिसम्बर 2019 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "रज़ा लाइब्रेरी केवल रामपुर की ही नहीं बल्कि समस्त भारत की शान है। हिन्दुस्तान की संस्कृति व प्राचीन सभ्यता को समझने के लिए इस लाइब्रेरी में आना व समझना बहुत आवश्यक है। यहाँ उपस्थित स्टाफ व उनके द्वारा बताया गया सम्पूर्ण वर्णन ज्ञान को बढ़ाने वाला है।"

- डीआईजी, सीआरपीएफ रामपुर ने 01 जनवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "आज मैंने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया। ये मेरे जीवन का आश्चर्यचकित अनुभव है कि यहाँ प्राचीन पुस्तकों का एक विशाल संग्रह उपलब्ध है जो संस्कृति और इतिहास से सम्बन्धित है। जिसको बहुत अच्छे तरीके से संरक्षित करके रखा गया है। मैं लाइब्रेरी सम्बन्धित सभी स्टाफ को उनकी इस महान सेवा के लिए बधाई देता हूँ।"

- मिस सलोनी नारायण, सीजीएम, भारतीय स्टेट बैंक, लोकल हेड ऑफिस लखनऊ ने 11 जनवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : " एक लम्बे समय से लाइब्रेरी देखने की इच्छा थी जो आज पूरी हुई। यहाँ पर अत्यन्त दुर्लभ संग्रह उपलब्ध है, जिसको सुन्दर ढ़ंग से संरक्षित किया गया है। ये मेरे लिए गर्व की बात है। यहाँ की पुस्तकें, भवन, पेंटिंग्स को इतने अच्छे तरीके से संरक्षित किया गया है।"

- डॉ० अली रज़ा ग़जवेह, एम्बेसडर ऑफ इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने 12 जनवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "आज मुझे एहसान इलाही शुक्रुल्लाह और डॉ० बलराम शुक्ला के साथ निदेशक महोदय के आमंत्रण पर लाइब्रेरी देखने का अवसर मिला और उनके नवीन दो शेरी संग्रह के विमोचन कार्यक्रम में शामिल होने का भी अवसर मिला। निदेशक महोदय, ईरान कल्चरलर हाउस के साथ मिलकर इल्मी ख़जाने के प्रकाशन में आने वाली पीढ़ी के लिए जबरदस्त योगदान दे रहे हैं।

- डा० एहसान उल्ला शुक्रल्लाही, एम्बेसडर ऑफ इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने 12 जनवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार : "मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि दूसरी बार रामपुर की प्रसिद्ध रज़ा लाइब्रेरी को प्रो० हसन अब्बास और उनके पुत्र के साथ देखने का अवसर प्राप्त हुआ। मेरी खुशी यह देखकर और दुगनी हो गयी कि रज़ा लाइब्रेरी को एनवीएलआई के सहयोग से दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियाँ शोधकर्ताओं के हाथों में पहुँचेंगी। मुझे आशा है कि संसार की और लाइब्रेरियाँ भी इसका अनुसरण करेंगी, ताकि फारसी साहित्य की पाण्डुलिपियों के ख़जाने से विश्व भर के लोग लाभान्वित हो सकें।"

- श्री फरहोद अरज़िव, एम्बेसडर ऑफ उज़्बेगिस्तान–भारत ने 03 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

विचार : "मैं रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के बहुमूल्य ख़जाने की संरक्षण सेवा को देखकर बहुत प्रभावित हुआ। इस संग्रह में संस्कृति तथा इतिहास से सम्बन्धित पुस्तकें और पाण्डुलिपियाँ सम्मिलित हैं। मुझे यह देखकर और भी रुचि हुई कि यहाँ ज़हीरउद्दीन बाबर के दीवान की पाण्डुलिपियों को संभालकर रखा गया है। मैं लाइब्रेरी के स्टाफ और प्रबंन्धन के अच्छे आतिथ्य सत्कार एवं सहयोग का आभारी हूँ।"

➢ महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश/ अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी ने 17 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

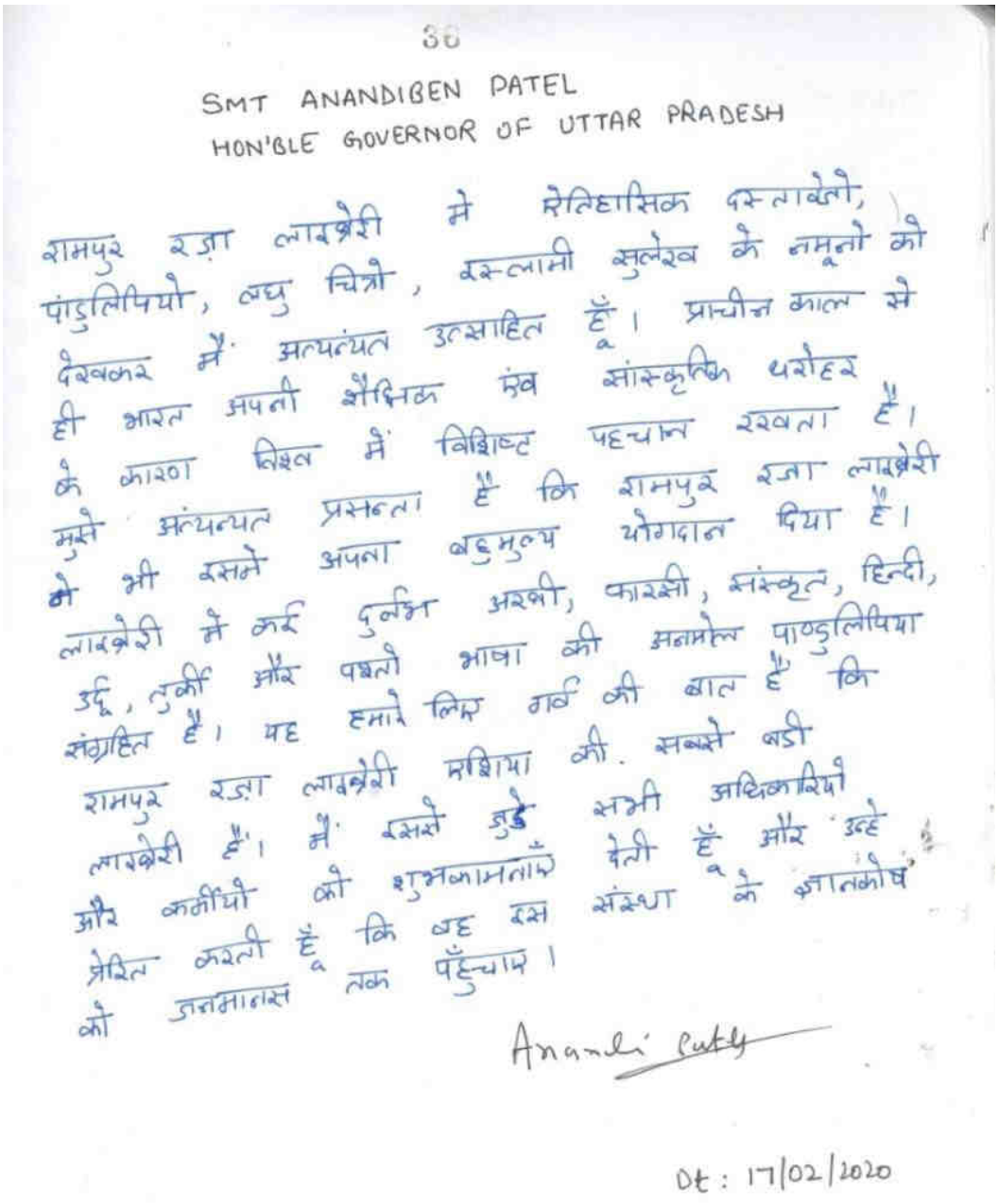

36

SMT ANANDIBEN PATEL
HON'BLE GOVERNOR OF UTTAR PRADESH

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी मे ऐतिहासिक दस्तावेजो,
पांडुलिपियो, लघु चित्रो, इस्लामी सुलेख के नमूनो को
देखकर मैं अत्यंयत उत्साहित हूँ। प्राचीन काल से
ही भारत अपनी शैक्षिक एंव सांस्कृतिक धरोहर
के कारण विश्व में विशिष्ट पहचान रखता है।
मुझे अत्यन्यत प्रसन्नता है कि रामपुर रजा लाइब्रेरी
ने भी इसमें अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।
लाइब्रेरी मे कई दुर्लभ अरबी, फारसी, संस्कृत, हिन्दी,
उर्दू, तुर्की और पश्तो भाषा की अनमोल पाण्डुलिपिया
संग्रहित है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि
रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एशिया की सबसे बडी
लाइब्रेरी है। मैं इससे जुडे सभी अधिकारियो
और कर्मीयो को शुभकामनाए देती हूँ और उन्हे
प्रेरित करती हूँ कि वह इस संस्था के ज्ञानकोष
को जनमानस तक पहुँचाए।

Anandi Patel

Dt: 17/02/2020

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी 7वीं सदी का हज़रत अली द्वारा लिखित पवित्र कुरान का अवलोकन करते हुए

- श्री लक्ष्मीकांत, सीनियर ट्रेजरी ऑफिसर रामपुर ने 05 मार्च 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार : "रामपुर रज़ा लाइब्रेरी को परिवार के साथ देखकर आंतरिक उत्साह महसूस कर रहा हूँ। अनेक भाषाओं की पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों का संरक्षण यहाँ की विशिष्टता है। आधुनिक तकनीकी द्वारा पुस्तकों का संरक्षण कार्य अत्यन्त प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। आशा करता हूँ कि लाइब्रेरी का भवन व पुस्तकें इसी प्रकार भविष्य की पीढ़ियों को ज्ञानार्जन के लिए प्रेरित करती रहेगी। समस्त कर्मचारियों/अधिकारियों को मेरी शुभकामनाएँ।"

- श्री श्याम लाल राही, पूर्व उप शिक्षा निदेशक (अर्थ) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने 05 मार्च 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार : "आज रामपुर रज़ा लाइब्रेरी को देखा। यह पुस्तकालय रामपुर नवाब के दरबार के भवन में स्थापित किया गया। यह भारत सरकार के अधीन संचालित है। पुस्तकालय का भवन जितना सुन्दर है पुस्तकालय की पुस्तकें, सामग्री उससे कहीं अधिक सुन्दर है यहाँ ज्ञान का अथाह है। ऐसी–ऐसी पुस्तकें हैं जिनके दर्शन मेरे लिए अत्यन्त दुर्लभ थे। पुस्तकालय की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। पुस्तकालय के स्टाफ व अधिकारियों ने जिस सहृदयता से पुस्तकालय के बारे में जानकारी दी मैं उसके लिए उनका आभारी हूँ। मैं आज पुस्तकालय को देखकर अभिभूत हूँ।

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

पुस्तक प्रदर्शनी

01 अप्रैल 2019 को लाइब्रेरी के दरबार हॉल में प्रसिद्ध शोधकर्ता एवं विद्वान "मौलाना इम्तियाज अली खाँ अरशी की 38वीं पुण्यतिथि के अवसर पर" उनसे सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ० मुमताज अरशी, रामपुर एवं निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने किया।

प्रदर्शनी में फ़रहंग़–ए–ग़ालिब, नज़्र–ए–अरशी, मकातीब–ए–ग़ालिब, मिरकातुल अदब, नादिरात–ए–शाही, तारीख़–ए–मोहम्मदी, फेहरिस्त मख्तूतात–ए–उर्दू, फेहरिस्त मखतूतात–ए–अरबी, इन्तेखाब–ए–ग़ालिब, मकालात–ए–अरशी, दीवान–ए–ग़ालिब उर्दू, मकातीब–ए–ग़ालिब उर्दू इत्यादि पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी 01 से 10 अप्रैल 2019 तक प्रदर्शित की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा (16–30 अप्रैल 2019)

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 16–30 अप्रैल 2019 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा बैनर, नारों और पोस्टरों की प्रदर्शनी के साथ आरम्भ हुआ। इस प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व और आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गयी। लाइब्रेरी में 16 अप्रैल को शपथ समारोह का आयोजन किया गया जिसमें श्री हिमांशु सिंह, तकनीकी रेस्टोरर ने सभी कर्मचारियों और सीआईएसएफ के जवानों को स्वच्छता की शपथ ग्रहण करवायी। स्टाफ के सभी सदस्यों ने अपने आस–पास, घर, कार्यस्थल, सार्वजनिक स्थानों आदि में स्वच्छता रखने की शपथ ली और स्वच्छ भारत मिशन में अपना योगदान देने का प्रण लिया।

इस स्वच्छता पखवाड़े के दौरान लाइब्रेरी के कर्मचारियों द्वारा रीडिंग रूम, दरबार हॉल, मुद्रित पुस्तक अनुभागों, गैलरियों, अन्य कक्षों, दोनों इमारतों की छतों एवं लान में सफाई अभियान चलाया गया। इसी के साथ लाइब्रेरी के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं सीआईएसफ के जवानों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा जगह–जगह उगे अवांछित पौधों को हटाया गया।

विस्तार व्याख्यान

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा 28 अप्रैल 2019 को "इक़बालियात और मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ" पर द्वितीय मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ मैमोरियल विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रो० अबुसूफियान इस्लाही, अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० हकीम जिल्लुर्रहमान, संस्थापक, इब्ने सीना एकेडमी, अलीगढ़ ने की।

एक दिवसीय कार्यशाला : सूचीकरण एवं वर्गीकरण

29 अप्रैल 2019 को लाइब्रेरी के सभागार में "सूचीकरण एवं वर्गीकरण" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ० ख़्वाजा गुलामुस्सय्यदैन, पूर्व निदेशक, पुरालेख (अरबी–फारसी शिलालेख), नागपुर ने पाण्डुलिपियों के सूचीकरण एवं वर्गीकरण के अतिरिक्त पाण्डुलिपियों, कैलीग्राफी, लिपियों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की एवं डॉ० अबुसाद इस्लाही, लाइब्रेरी एवं सूचना अधिकारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला में लाइब्रेरी स्टाफ ने सहभागिता की और पाण्डुलिपियों के सूचीकरण एवं वर्गीकरण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की।

पवित्र कुरान एवं इस्लामिक कैलीग्राफी की प्रदर्शनी

पवित्र माह रमज़ान के मुबारक अवसर पर लाइब्रेरी के दरबार हॉल में 28 मई 2019 को "पवित्र कुरान तथा खत्ताती के नमूनों" की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मदरसा फुर्कानिया रामपुर के प्रबन्धक डॉ० शआइरूल्लाह खाँ एवं मौलाना मोहम्मद ज़माँ बाक़री, पेश इमाम, मस्जिद इमामबाड़ा क़िला रामपुर द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी 28 मई से 10 जून 2019 तक प्रदर्शित की गई।

प्रदर्शनी में कूफ़ी लिपि में 7वीं सदी ई० की हज़रत अली द्वारा लिखा हुआ दुलर्भ कुरआन मजीद, कूफी लिपि में 8वीं सदी ई० का इमाम अबू अब्दुल्ला जाफ़र बिन मुहम्मद बिन अली द्वारा लिखित दुलर्भ कुरआन मजीद, अरबी नस्ख़ बहार लिपि का 1379 ई० का कुरान

मजीद जिसमें आलमगीर बादशाह के मंसबदार गज़नफ़र की एक मुहर है, अरबी नस्ख़ लिपि का 1315 ई० का लिखा हुआ बहुत ही सुन्दर कुरआन मजीद, सुलुस लिपि का 1669 ई० का कुरान मजीद जिसमें हर पृष्ठ पर बहुत ही सुन्दर 3 लाइन सुलुस लिपि में सोने से लिखी हुई हैं और 12 लाइन में नस्ख़ में काली स्याही से कागज पर लिखा हुआ है, नस्ख़ लिपि का 1103 ई० का कुरआन मजीद, अरबी नस्ख़ लिपि का 1743 ई० का कुरआन मजीद जिसको मुहम्मद रज़ा कश्मीरी द्वारा बहुत ही खूबसूरत काग़ज पर किताबत किया हुआ है जिसकी लाइन के बीच की जगह को सोने के पानी से सजाया है, अरबी नस्ख़ लिपि का 1152 ई० का कुरआन मज़ीद जिसके कातिब कमालुद्दीन हसन बिन मु० मीरक़ अलहुसैनी अल नजफ़ी हैं इसके साथ ही ख़ते–कूफ़ी, ख़ते–नस्ख़, ख़ते–नस्तालीक़, ख़ते–रेहान इत्यादि ख़तों में कैलीग्राफियों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का कार्य होता है। योग सही तरीके से जीने का ज्ञान है और इसलिए इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक आदि सभी पहलुओं पर काम करता है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को "विश्व योग दिवस" के रूप में मान्यता दी और 21 जून 2015 को प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

लाइब्रेरी में पांचवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2019 के अवसर पर योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी इकाई ने लाइब्रेरी स्टाफ के साथ योगाभ्यास किया। कार्यक्रम सुबह 07:00 बजे शुरू हुआ। सीआईएसएफ इकाई तथा लाइब्रेरी स्टाफ ने श्री मनोज कुमार एवं श्री रूपक राय का अनुसरण करते हुए योगाभ्यास किया।

पवित्र कुरान की प्रदर्शनी (हैदराबाद)

22 जून 2019 को सालारजंग म्यूज़ियम हैदराबाद में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार और पवित्र कुरान की प्रदर्शनी का आयोजन ईरान वाणिज्य दूतावास द्वारा किया गया। जिसका उद्घाटन माननीय राज्य गृहमंत्री श्री मोहम्मद महमूद अली ने किया। इस तीन दिवसीय सेमिनार और प्रदर्शनी में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने कुरान की दुर्लभ और चित्रित पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियाँ प्रदर्शित की। इस प्रदर्शनी में 7वीं सदी का हज़रत अली (रजि०) द्वारा पार्चमेंट पर कूफी लिपि में हस्तलिखित कुरान शरीफ की प्रतिलिपि को भी प्रदर्शित किया गया।

वृक्षारोपण

24 जुलाई 2019 लाइब्रेरी के परिसर में डॉ० ख्वाज़ा गुलामुस्सयदैन, पूर्व निदेशक (पुरालेख), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नागपुर, प्रो० सैयद हसन अब्बास, तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, डॉ० अबुसाद इस्लाही, लाइब्रेरी एवं सूचना अधिकारी, श्री तारिक़ अज़हर, वरिष्ठ तकनीकी रेस्टोरर एवं श्री विशाल कुमार, तत्कालीन इंचार्ज सीआईएसएफ यूनिट रज़ा

लाइब्रेरी द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर लाइब्रेरी के अन्य अधिकारी/कर्मचारी और सीआईएसएफ के जवान भी उपस्थित रहे।

प्रेमचंद पर विस्तार व्याख्यान एवं प्रदर्शनी

31 जुलाई 2019 को प्रसिद्ध उपन्यासकार, साहित्यकार एवं स्वतंत्रता सेनानी मुंशी प्रेमचंद की 139वीं जन्मजयंती के अवसर पर लाइब्रेरी के सभागार में "प्रेमचंद का साहित्य में योगदान" विषय प्रो० सैयद हसन अब्बास, तत्कालीन निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध शायर श्री अज़हर इनायती, रामपुर ने की।

इसके साथ दरबार हॉल में मुंशी प्रेमचंद से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री अज़हर इनायती एवं तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी प्रो० सैयद हसन अब्बास ने किया।

विस्तार व्याख्यान

04 अगस्त 2019 को "अमीर मीनाई की साहित्यिक सेवायें" विषय पर राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद के भूतपूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग के प्रोफेसर एस. फ़ज़ले इमाम ने विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० हसन अहमद निज़ामी, भूतपूर्व अध्यक्ष, उर्दू विभाग, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर द्वारा की गई। इस अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित राजभाषा पत्रिका (कबीर विशेषांक) का विमोचन भी किया गया।

वर्षा जल संचयन पर जागरूकता कार्यक्रम

5 अगस्त 2019 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, इकाई रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा वर्षा जल संचयन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर तत्कालीन सीआईएसएफ प्रभारी श्री विशाल कुमार ने प्रस्तुति दी। उन्होंने वर्षा जल को भूमिगत भेजने के लिए कुछ सरल तकनीकों के बारे में बताया। कार्यक्रम में लाइब्रेरी के समस्त अधिकारी/कर्मचारी और सीआईएसएफ जवान उपस्थित रहे।

इण्डो-उज़्बेक प्रदर्शनी

10 से 14 अगस्त 2019 तक लाइब्रेरी के दरबार हॉल में भारत–उज़्बेक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन दिलारोम करामोत ने किया। उन्होंने ताशकंद से उज्बेक विद्वानों के एक प्रतिनिधि मंडल के साथ लाइब्रेरी का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल

लाइब्रेरी के बहुमूल्य संग्रह के विषय में अध्ययन करने आए थे। प्रदर्शनी में लाइब्रेरी में संरक्षित कई पाण्डुलिपियों के लघुचित्र जैसे दीवान–ए–हाफिज़, फिरदौसी का शाहनामा, जामिउत तवारीख़, दीवान–ए–उर्फी शिराज़ी, खमसा–ए–जामी, मजालिस उल उश्हाक़ तथा विभिन्न शासकों के चित्र सम्मिलित किए गए।

पुस्तक प्रदर्शनी

लाइब्रेरी में 14 से 24 अगस्त 2019 तक स्वतंत्रता सेनानियों से सम्बन्धित पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 अगस्त 2019 को श्री नासिर उद्दीन खाँ एडवोकेट रामपुर एवं तत्कालीन निदेशक रज़ा लाइब्रेरी प्रो० सैयद हसन अब्बास ने किया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी को पुस्तकों के माध्यम से उन महान पुरुषों के जीवन और उनके कार्यों से प्ररेणा लेकर आज की पीढ़ी को संदेश देना था कि उन महान नेताओं ने कैसे कड़ी मेहनत और अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को आज़ादी दिलायी।

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त 2019 को लाइब्रेरी में 73वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। लाइब्रेरी के तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने राष्ट्रीय तिरंगा फहराया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी तथा इस दौरान उपस्थित समस्त स्टाफ ने राष्ट्रीय गान गाया और रज़ा लाइब्रेरी यूनिट के सीआईएसएफ जवानों ने राष्ट्रीय तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर लाइब्रेरी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रेरणादायक भाषण दिये और देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये। साथ ही इस अवसर पर पौधारोपण भी किया।

हिन्दी पखवाड़ा-2019

14 से 28 सितम्बर 2019 तक लाइब्रेरी में हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर हिन्दी की दुर्लभ पाण्डुलिपियों और प्राचीन मुद्रित पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 सितम्बर 2019 को मुख्य अतिथि डॉ० किश्वर सुल्ताना, पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर एवं लाइब्रेरी एवं सूचना अधिकारी डॉ० अबुसाद इस्लाही ने किया। इस अवसर पर गृहमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिन्दी को प्रोत्साहन देने हेतु भेजे गये संदेश को भी पढ़ा गया।

पुस्तक एवं फोटो प्रदर्शनी

लाइब्रेरी में 01 से 14 अक्तूबर 2019 तक महात्मा गांधी से संबंधित पुस्तकों एवं चित्रों की प्रदर्शनी प्रदर्शित की गयी। प्रदर्शनी में गांधी जी के जीवन के संस्मरण प्रदर्शित किये गये। प्रदर्शनी का उद्घाटन 01 अक्तूबर, 2019 को डॉ अब्दुल रऊफ, प्राचार्य, सहारा डिग्री कॉलेज रामपुर ने किया। प्रदर्शनी के दौरान बहुत से लोगों और विधार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहना की।

गांधी जयन्ती

2 अक्तूबर 2019 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर लाइब्रेरी के तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास तथा लाइब्रेरी स्टाफ ने महात्मा गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। समस्त लाइब्रेरी स्टाफ एव सीआईएसएफ के जवानों ने अंहिसा की शपथ ग्रहण की।

सर सैयद दिवस

सर सैयद अहमद खाँ के जन्मदिवस के अवसर पर 17 से 28 अक्तूबर 2019 तक लाइब्रेरी ने सर सैयद से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ० प्रदीप जैन, प्रसिद्ध साहित्यकार, मुजफ्फरनगर ने किया।

सर्तकता जागरूकता सप्ताह

28 अक्तूबर से 02 नवम्बर, 2019 तक लाइब्रेरी में सर्तकता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सर्तकता जागरूकता सप्ताह मनाते हुए लाइब्रेरी के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों ने सर्तकता आयोग की वेबसाइट पर भष्ट्राचार के खिलाफ शपथ ग्रहण की।

राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस अर्थात लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 143वीं जयन्ती के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में स्वतंत्रता सेनानियों से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी, व्याख्यान, शपथ ग्रहण एवं एकता दौड़ का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 31 अक्तूबर 2019 को डॉ० अरूण कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर हिन्दी विभाग, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर, श्री विशाल कुमार, इंचार्ज सीआईएसएफ, यूनिट रज़ा लाइब्रेरी एवं तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने किया। डॉ० अरूण कुमार ने व्याख्यान भी प्रस्तुत किया तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर लाइब्रेरी के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों एवं सीआईएसएफ के जवानों ने शपथ ग्रहण की और एकता दौड़ में भाग लिया।

संविधान दिवस

26 नवम्बर 2019 को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा आयोजित "संविधान : एक परिचय" पर श्री कृष्ण बिहारी माथुर, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन, रामपुर, उ०प्र० ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दरबार हॉल में संविधान से सम्बन्धित चित्रों और लघुचित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इससे पूर्व लाइब्रेरी में प्रातः 11:00 बजे विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त उद्देशिका को समस्त स्टाफ एवं सीआईएसएफ के जवानों के समक्ष पढ़ा गया।

लघुचित्रों एवं चित्रों प्रदर्शनी

26 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी में संग्रहित **"लघुचित्रों एवं चित्रों"** का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री कृष्ण बिहारी माथुर, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन, रामपुर, उ०प्र० एवं तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने किया।

अग्निशमन उपकरणों पर कार्यशाला

26 नवम्बर 2019 को लाइब्रेरी में "अग्निशमन के उपकरणों" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लाइब्रेरी स्टाफ एवं सीआईएसएफ के जवान कार्यशाला में उपस्थित रहे। तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने कहा कि यह कार्यशाला कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी, अगर ईश्वर न करे ऐसी कोई आपदा की स्थिति होती है तो वे आग से लड़ने में कार्यशाला के अपने अनुभव का उपयोग कर सकते हैं।

पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियों की प्रदर्शनी

लाइब्रेरी में संग्रहित दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियों की प्रदर्शनी का आयोजन 01 से 10 दिसम्बर 2019 तक किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ० सै० मोहम्मद अरशद रिज़वी, उर्दू विभाग, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर एवं प्रो० सैयद हसन अब्बास, तत्कालीन निदेशक रज़ा लाइब्रेरी के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में हज़रत अली (रजि०) द्वारा लिखित 7वीं सदी का अल–कुरान–उल–मजीद, वाल्मीकि रामायण, ख़वान–ए–सुराह (नज़्म) 1120 हि०/1708 ई०), 8वीं सदी का कुरान मजीद, अल–जदाविलुन नूरानिया, मतलूब–उल–क़ारी (नज़्म) इत्यादि पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपियों को प्रदर्शित किया गया।

इंडो-ईरान राइटर्स मीट

रज़ा लाइब्रेरी के तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास को कुल्लियात–ए–गुलाम अली आज़ाद बिलग्रामी (1704–1784 ई०) के संपादन के लिए ईरान का द्वितीय क्षेत्रीय पुस्तक पुरस्कार ईरान की सरकार की ओर से प्रदान किया गया। उनके इस सम्मान में 12 जनवरी 2020 को लाइब्रेरी के सभागार हॉल में "इंडो–ईरान राइटर्स मीट" का आयोजन किया गया। डॉ० अली रज़ा गज़वाह, डिप्टी कल्चरल काउंसलर और डॉ० एहसानुल्लाह शुक्रुल्लाही, निदेशक, फ़ारसी रिसर्च सेंटर, ईरान कल्चर हाउस, नई दिल्ली कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

व्याख्यान माला एवं संगीत संध्या : 'जो रंग में उसके डूब गये'

20 जनवरी 2020 को ख़्याबाने रज़ा (रंगमहल) में मूर्धन्य संगीतज्ञ और संस्कृतज्ञ आचार्य कैलाश चन्द बृहस्पति के 101वें जयन्ती वर्ष के विशेष अवसर पर "जो रंग में उसके डूब गये" विषय पर आकाशवाणी रामपुर और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान माला और संगीत संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ० माहेश्वर तिवारी, प्रख्यात नवगीतकार, मुरादाबाद, विशिष्ट अतिथि डॉ० रामानन्द शर्मा, पूर्व प्राचार्य हिन्दू कॉलेज मुरादाबाद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० मधुकर भट्ट, प्राख्यात साहित्यकार, रूद्रपुर द्वारा की गई।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 2020 को 71वें गणतंत्र दिवस पर लाइब्रेरी के तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास द्वारा लाइब्रेरी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया एवं राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और लाइब्रेरी के अधिकारियों/कर्मचारियों व सीआईएसएफ यूनिट ने राष्ट्रगान गाया गया एवं सीआईएसएफ के जवानों ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर स्टाफ ने अपने–अपने विचार और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए एवं साथ ही लाइब्रेरी में वृक्षारोपण किया। इस पावन पर्व पर लाइब्रेरी की इमारत को रोशनी से रोशन किया गया।

शहीद दिवस

30 जनवरी 2020 को शहीद दिवस के अवसर पर लाइब्रेरी के मुख्य द्वार पर समस्त स्टाफ और सीआईएसएफ यूनिट रज़ा लाइब्रेरी के जवानों ने पूर्वाह्न 11:00 बजे, दो मिनट के लिए मौन रख कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 72वीं पुण्यतिथि पर श्रदांजलि दी।

इण्डो-उज़्बेक प्रदर्शनी

03 से 10 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी के दरबार हॉल में इण्डो–उज़्बेक़ प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें उज़्बेकिस्तान से सम्बन्धित पेंटिंग्स और पाण्डुलिपियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री फरोद अरजेव, भारत में उज़्बेकिस्तान के राजदूत, नई दिल्ली ने किया। इसी के साथ अपराह्न के बाद लाइब्रेरी के सभागार हॉल में श्री अज़हर इनायती के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त उर्दू शायर श्री अज़हर इनायती को 16 जनवरी 2020 को 'कारवाने उर्दू क़तर (दोहा)' की ओर से 'जश्न–ए–अज़हर' के कार्यक्रम में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

अवार्ड समारोह

अवार्ड समारोह 17 फरवरी 2020 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभागार (रंगमहल) में आयोजित किया गया और महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड से विद्वानों को सम्मानित किया।

इस वर्षावधि में निम्नलिखित विद्वानों को निम्नलिखित अवार्ड से सम्मानित किया गया–

अवार्ड का नाम	अवार्ड प्राप्तकर्ता
नवाब फैज़ुल्लाह खाँ अवार्ड 2017–18	इस्लामिक अध्ययन के लिए पद्मश्री प्रो० अख़्तररूल वासे, कुलपति मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर को 1 लाख 11 हजार रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र
नवाब रज़ा अली खाँ अवार्ड 2017–18	अरबी साहित्य के लिए डॉ० सैयद एहतेशाम अहमद नदवी, पूर्व विभागाध्यक्ष अरबी, कालीकट विश्वविद्यालय को 1 लाख 11 हजार रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र
मुंशी नवल किशोर अवार्ड 2017–18	उर्दू प्रकाशन के लिए अरीब पब्लिकेशन, नई दिल्ली को 1 लाख रूपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र

समारोह में श्री बलदेव सिंह औलख माननीय राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, श्री सूर्य प्रकाश पाल, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ, श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह, आयुक्त मुरादाबाद मण्डल, श्री रमित शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, श्री आन्जनेय कुमार सिंह, जिलाधिकारी रामपुर एवं प्रो० सैयद हसन अब्बास, तत्कालीन निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी उपस्थित रहे।

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड से सम्मानित करते हुए (17 फरवरी, 2020)

रामायण की प्रदर्शनी

17 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी में संग्रहित रामायण की पेंटिंग एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने किया। प्रदर्शनी का अवलोकन कर माननीय राज्यपाल ने लाइब्रेरी संग्रह की काफी प्रशंसा भी की। यह प्रदर्शनी 17 से 29 फरवरी 2020 तक दरबार हॉल में प्रदर्शित की गयी। इस अवसर पर तत्कालीन निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास द्वारा भेंट किये गए पुस्तक संग्रह का अनावरण भी महामहिम राज्यपाल द्वारा किया गया।

तृतीय स्मृति व्याख्यान

27 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी द्वारा मौलाना इम्तियाज़ अली अरशी तृतीय स्मृति व्याख्यान "ग़ालिब का है अंदाज़–ए–बयां और" पर डॉ० तक़ी आबदी, कनाडा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नफ़ीस सिद्दीक़ी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ० मुमताज़ अरशी, रामपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामपुर के पूर्व निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास

ने की। कार्यक्रम श्री आन्जनेय कुमार सिंह, तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी/जिलाधिकारी रामपुर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय अखण्डता एवं सामाजिक सद्भाव पर प्रदर्शनी

08 मार्च 2020 को दरबार हॉल में राष्ट्रीय अखण्डता एवं सामाजिक सद्भाव पर प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन श्री आन्जनेय कुमार सिंह, तत्कालीन निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी/ जिलाधिकारी रामपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे की मिसाल यह भी है कि उर्दू मुस्लिम साहित्यकारों द्वारा होली जैसे त्यौहार पर अनगिनत काव्य रचनाएँ की गई हैं जिससे आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। रज़ा लाइब्रेरी में मौजूद इस प्रकार के साहित्य को प्रकाशित किया जाना चाहिए।

प्रदर्शनी में बाइबिल (ओल्ड टेस्टामेंट), रामायण, कुरान, भगवद्गीता, उपनिषद, वैदिक धर्म और इस्लाम, सूफीवाद के आध्यात्मिक आयाम, गीता एवं कुरआन में सामंजस्य एवं श्री गीता का हिन्दी पद्यानुवाद, धर्मों का इन्द्रधनुष, जनजातीय जीवन में राम, गौतम बुद्ध, हिन्दुस्तानियत और उर्दू, हिन्दी धर्म इस्लाम और मसीहयत, पयाम–ए–नानक, रिपोर्ट जलसा–ए–आज़म (धर्म महोत्सव), गोमिदा योग्य (हिन्दू–मुस्लिम इत्तेहाद) किताबों को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी 8 से 15 मार्च 2020 तक प्रदर्शित की गयी।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 : महिला सशक्तिकरण

08 मार्च 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 के अवसर पर लाइब्रेरी के मीटिंग रूम में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर रीना सिंह, प्रभारी महिला थाना, रामपुर एवं डॉ० किश्वर सुल्ताना, पूर्व प्रोफेसर हिन्दी विभाग, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज रामपुर थीं। लाइब्रेरी की महिला कर्मियों एवं महिला पुलिस कर्मियों ने सहभागिता कर अपने विचार व्यक्त किये।

परिशिष्ट–1

1975 से रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक/विशेष कार्याधिकारी का विवरण :–

क्र०सं०	नाम	पद	अवधि
1.	श्री मौलाना इम्तियाज़ अली अर्शी	निदेशक	1 जुलाई 1975 से 24 फरवरी 1981
2.	श्री अकबर अली खाँ अर्शीज़ादा	एडिशनल निदेशक	25 फरवरी 1981 से 22 अप्रैल 1984
3.	श्री हेमराज सूद	विशेष कार्याधिकारी	23 अप्रैल 1984 से 7 अक्टूबर 1991
4.	श्री अरविन्द कुमार द्विवेदी, पीसीएस	विशेष कार्याधिकारी	8 अक्टूबर 1991 से 2 जून 1992
5.	श्री चन्द्र मोहन सिंह बिष्ट, पीसीएस	विशेष कार्याधिकारी	3 जून 1992 से जून 1993
6.	श्री आर०सी० सिंह, आईएएस	विशेष कार्याधिकारी	जून 1993 से 15 अगस्त 1993
7.	डॉ० डब्लू० एच० सिद्दीक़ी	विशेष कार्याधिकारी	16 अगस्त 1993 से 19 मई 2009
8.	प्रो० शाह अब्दुस्सलाम	विशेष कार्याधिकारी	20 मई 2009 से 19 नवम्बर 2011
9.	डॉ० बलकार सिंह, आईएएस	विशेष कार्याधिकारी	20 नवम्बर 2011 से 20 मार्च 2012
10.	श्री अनिल ढींगरा, आईएएस	विशेष कार्याधिकारी	20 मार्च 2012 से 2 अप्रैल 2012
11.	प्रो० एस० एम० अज़ीज़उद्दीन हुसैन	निदेशक	3 अप्रैल 2012 से 9 अगस्त 2015
12.	श्री संजीव मित्तल	निदेशक	09 अगस्त 2015 से 07 मार्च 2016
13.	मिस दीपिका पोखरना	निदेशक	22 मार्च 2016 से 20 फरवरी 2017
14.	प्रो० सैयद हसन अब्बास	निदेशक	21 फरवरी 2017 से 20 फरवरी 2020
15.	श्री आन्जनेय कुमार सिंह, आईएएस	निदेशक	22 फरवरी 2020 से 15 मार्च 2021
16.	श्री रविन्द्र कुमार माँदड़, आईएएस	निदेशक	16 मार्च 2021 से

परिशिष्ट–2

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड

01.	माननीया श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश राजभवन, लखनऊ (उ०प्र०)	अध्यक्ष
02.	निदेशक पुस्तकालय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
03.	नवाब मुहम्मद अली खाँ उर्फ मुराद मियाँ 252, कासा डेल सोल, मेरियट रिर्जाट के सामने, मीरा मार्ग पणजी, गोआ–403001	सदस्य
04.	प्रो० मोहम्मद अख़्तर सिद्दीक़ी 174/15, ग़फ़्फ़ार मंज़िल, जामिया नगर, नई दिल्ली–110025	सदस्य
05.	डॉ० उषा मन्जू मुंशी बी.52, गोल्फ व्यू अपार्टमेन्ट, साकेत, नई दिल्ली.110017	सदस्य
06.	डॉ० रंजीत सिंह ठाकुर ए 800/17, शास्त्री नगर, नई दिल्ली–110052	सदस्य
07.	प्रो० अब्दुल अली 108, गोल्डन सेंडस् अपार्टमेंट, सर सैयद नगर, अलीगढ़–202001 (उ०प्र०)	सदस्य
08.	प्रो० अली अहमद फ़ातमी 229–ए, लुकरग़ंज, इलाहाबाद–211001 (उ०प्र०)	सदस्य
09.	डॉ० हसन जमाल आबिदी फ्लेट नम्बर 212, एटीएस विलेज, सेक्टर 93ए, नोयडा (उ०प्र०)	सदस्य

10.	महालेखाकार (सिविल आडिट कार्यालय) इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	पदेन सदस्य
11.	ज़िलाधिकारी रामपुर रामपुर (उ०प्र०)	पदेन सदस्य
12.	निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर	सदस्य सचिव

प्रशासन तथा आर्थिक क्रिया-कलाप उपसमिति

1. **प्रो० चन्द्रशेखर**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, फ़ारसी विभाग,
   दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

2. **प्रो० वजीह उद्दीन**
   उर्दू, फारसी एवं अरबी विभागाध्यक्ष
   वडोदरा विश्वविद्यालय,
   वडोदरा, गुजरात

3. **प्रो० सै० इराक़ रज़ा ज़ैदी**
   पूर्व फारसी विभागाध्यक्ष
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

4. **डॉ० गुलफिशाँ ख़ान**
   इतिहास विभाग,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

5. **कोषाधिकारी**
   कोषाविभाग, रामपुर

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

शिक्षा सम्बन्धी क्रिया कलाप तथा प्रकाशन उपसमिति

1. **प्रो० एस० एम० अज़ीज़उद्दीन हुसैन**
   पूर्व डीन, इतिहास विभाग,
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया,
   नई दिल्ली

2. **प्रो० शहज़ाद अंजुम**
   उर्दू विभाग,
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया,
   नई दिल्ली

3. **डॉ० ख्वाज़ा गुलाम सय्यदैन**
   पूर्व निदेशक पुरालेख
   ए० एस० आई० नागपुर

4. **प्रो० शहाब उद्दीन साक़िब**
   उर्दू विभाग,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
   अलीगढ़

5. **प्रो० वज़ीर हसन**
   अरबी विभाग,
   बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
   बनारस

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

संरक्षण उपसमिति

1. **श्री राम प्रवेश**
   पूर्व निदेशक (संरक्षण)
   राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली

2. **श्री राम स्वरूप**
   सहायक निदेशक अभिलेख (संरक्षण)
   राष्ट्रीय अभिलेखागार
   जनपथ, नई दिल्ली

3. **निदेशक**
   खुदा बख़्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी,
   पटना

4. **श्री निज़ामुद्दीन ताहिर**
   पुरातात्विक अधीक्षक,
   ए०एस०आई०, हैदराबाद

5. **डॉ० एम० ए० हक़**
   उप–निदेशक
   राष्ट्रीय अभिलेखागार,
   दिल्ली

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

दुर्लभ पाण्डुलिपियों और अन्य कलाकृतियों की क्रय सम्बन्धी परामर्श उपसमिति

1. **श्री उदयशंकर दुबे**
   पाण्डुलिपि विशेषज्ञ
   साहित्य कुटीर, कठारी बाजार,
   पो० खमारिया, जिला–भदोई, उ०प्र०

2. **प्रो० तल्हा रिज़वी बर्क**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, फारसी एवं उर्दू विभाग,
   वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय,
   आरा, बिहार

3. **प्रो० मसूद अनवर अलवी**
   अरबी विभाग,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
   अलीगढ

4. **प्रो० अलीम अशरफ खाँ**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, फ़ारसी विभाग
   दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

5. **प्रो० नसीम अहमद**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग
   बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
   वाराणसी

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
   रामपुर

परिशिष्ट–3

सूचीकरण

1. अरबी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (खण्ड – 1, 2, 3, 4, 5, 6) द्वारा मौलाना इम्तियाज़ अली खाँ "अर्शी", पूर्व निदेशक
2. अरबी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (खण्ड – 7, 8, 9, 10, 11) (अंग्रेज़ी)
3. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की संस्कृत पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (संस्कृत)
4. संस्कृत पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड –1 एवं 2 (अंग्रेज़ी)
5. उर्दू पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1 (उर्दू)
6. उर्दू पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1 (अंग्रेज़ी)
7. पश्तो पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – (अंग्रेज़ी)
8. तुर्की पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (उर्दू)
9. फ़ारसी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1, 2, 3 (फ़ारसी)
10. फ़ारसी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1, 2, 3 (अंग्रेज़ी)
11. तिब, अरबी, फ़ारसी एवं उर्दू पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (अंग्रेज़ी)
12. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की कैलीग्राफी का कैटलॉग
13. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के प्रदर्शित चित्रों का कैटलॉग (अंग्रेज़ी)

परिशिष्ट–4

रज़ा लाइब्रेरी से लाभांवित शोधकर्ताओं की सूची

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विद्वान/शोधकर्ता –

- डॉ० मार्क टोटेंट, सेंटर ऑफ टर्किश, ओटोमन, बालकन एण्ड सेंट्रल एशियन स्टडीज़, फ्रांस।
- डॉ० आरिफ अब्बास, ख़्वाजा मुईनुउद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी, फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ0 एस०एम० अरशद रिज़वी, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर।
- श्री रॉय बार सदेह कोलमबिया यूनिवर्सिटी यूएसए (इजरायल नेशनल)।
- श्री जिआनी सिवर्स, पेन आर्ट एण्ड साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया (जर्मन नेशनल)।
- डॉ० एस० नक़ी अब्बास, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
- श्री कल्बे अब्बास, एमएएनयूयू लखनऊ कैम्पस।
- मिस मैत्रयी हलदर, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा।
- श्री जुल्फ़िकार इब्राहीम, इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ मदीना।
- डॉ० मिस्बाह अहमद सिद्दीक़ी, अमरोहा, उत्तर प्रदेश।
- डॉ० ख्वाज़ा गुलामुस्सैयद्दीन, अहबाब कॉलोनी, नागपुर।
- डॉ० दिलोरम करोमात, उज़्बेकिस्तान।
- डॉ० निनोमिया अयाको, आयोमा गकुईन विश्वविद्यालय, टोक्यो।
- श्री अयेलेट कोटलर (इजरायल नेशनल), शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए।
- डॉ० बिल्क़ीस बेगम, कोलकाता।
- श्री मोहम्मद आरिफ उल्लाह खाँ, अंगूरी बाग़ रामपुर, उत्तर प्रदेश।
- डॉ० तबस्सुम साबिर, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर।
- श्री फैज़ अहमद, एमएएनयूयू, लखनऊ।
- श्री मौलाना नुरूल हसन राशिद कण्डलवी, कांडला।
- श्री फराज़ कौसर, स्टूडेंट, जमातुल अज़हर, मेसिर, (रेसिडेंट पटना)।
- डॉ० राहीन शमा, मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर।
- श्री क़मरूल इस्लाम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, रामपुर।
- श्री उमैर हुसामी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- मिस कुरैशी सुमैया मोहम्मद अली, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
- श्री मिस्बाह अहमद किदवई, बरक़तउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्य प्रदेश)।
- सुश्री शाइस्ता अख़्तर, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर।
- डॉ० फरहीना बी, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर।

- श्री वली मोहम्मद रिज़वी, बाग़ छोटा साहिब, रामपुर
- मिस शमा नर्गिस, उर्दू विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- श्री मुजतबा हुसैन खाँ, घेर नज्जू खाँ, रामपुर।
- श्री चन्दर केश, डीएवी पीजी कॉलेज, देहरादून।
- श्री तस्लीम उद्दीन, 630, वसीयाबाद, इलाहाबाद, यूपी।
- श्री शौकीत अली, एमएएनयूयू, गचीबावली, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।
- श्री मोबीन अहमद, एमएएनयूयू, गचीबावली, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।
- श्री कल्बे सादिक़, एमएएनयूयू, लखनऊ कैम्पस।
- श्रीमती महजबीन उमर (अफ़गानिस्तान नेशनल), जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
- डॉ० चार्ल्स पीटर मेलवीले (ब्रिटिश नेशनल), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यू०के०।
- श्री मोहम्मद अब्दुल क़ादिर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रोफेसर अन्ना मोरकोम, एथोनोम्यूज्किलॉजी विभाग, कैलीफोर्निया।
- डॉ० तबस्सुम साबिर, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर।
- श्री अब्दुर्रहमान आलमगीर, 57, टोपसिया रोड, तिल्लजाला, साउथ परग़नास्, पश्चिम बंगाल।
- श्री जेम्स क्रिस्टोफर वाइट (जर्मन नेशनल), बेहरीन विश्वविद्यालय, जर्मन।

परिशिष्ट – 5
स्कूल भ्रमण

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में भ्रमण करने वाले विभिन्न विद्यालय–

- उच्च प्राथमिक विद्यालय, पीपलसाना, भगतपुर टाण्डा, जिला मुरादाबाद के 66 छात्र/छात्राओं एवं 08 शिक्षकों ने 06 अप्रैल 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- कलावती जूनियर हाईस्कूल, रामनगरिया तहसील मिलक जिला रामपुर के 34 छात्र/छात्राओं एवं 06 शिक्षकों ने 06 अप्रैल 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- हिमालियन प्रोगेसिव स्कूल, नैनीताल रोड, किच्छा, उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड के 27 विधार्थियों ने 30 अप्रैल 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- हिमालियन प्रोगेसिव स्कूल, नैनीताल रोड, किच्छा, उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड के 32 विधार्थियों ने 02 मई 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय इण्टर कॉलेज, धमौरा जिला रामपुर के 125 छात्र/छात्राओं एवं 10 शिक्षकों ने 04 मई 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल, मुरादाबाद के 70 विधार्थियों एवं 10 शिक्षकों ने 26 सितम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- लर्निंग गार्डन अकेडमी, केमरी जिला रामपुर के 78 छात्र/छात्राओं ने 05 अक्टूबर 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- नोसगे पब्लिक स्कूल, खटीमा, उधमसिंहनगर, उत्तराखण्ड के 57 विधार्थियों एवं 05 शिक्षकों ने 16 अक्टूबर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एम०एच०पी०जी० कॉलेज, मुरादाबाद के उर्दू विभाग 30 छात्र/छात्राओं ने 16 अक्टूबर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- धीरूभाई अंबानी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफार्मेशन एण्ड टेक्नोलॉजी, गांधीनगर, गुजरात के मास्टर ऑफ डिजाईन (कम्यूनिकेशन डिजाइन) के 05 विधार्थियों ने 22 अक्टूबर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- हबीवी इण्टर कॉलेज डींगरपुर, जनपद मुराबाद के 26 छात्रों ने 03 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जनपद उधमसिंहनगर के विकासखण्ड सितारगंज, रूद्रपुर एवं बाजपुर में अध्ययनरत 240 छात्र/छात्राओं एवं 30 शिक्षकों ने 07 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एस०वी० पब्लिक स्कूल, गोविन्द नगर, मुरादाबाद के 70 विधार्थियों एवं 5 स्टाफ ने 14 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- स्मार्ट इण्डियन मॉडल स्कूल, शाहबाद रोड, रामपुर के 49 विधार्थियों एवं 4 स्टाफ ने 21 नवम्बर 2019 रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

- स्प्रिंगडेल स्कूल, फैजगंज, मुरादाबाद के 67 विधार्थियों एवं 13 शिक्षकों ने 26 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एस०आर०ए० पब्लिक स्कूल एकता कालोनी मुरादाबाद के 36 विधार्थियों एवं 6 शिक्षकों ने 26 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एम०बी०एम० प्राइमरी स्कूल, नवाबपुरा मुरादाबाद के 50 विधार्थियों ने 27 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- आर्य वि० हाईस्कूल, मिलक जिला रामपुर के छात्र/छात्राओं ने 28 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, गुलाबबाडी, मुरादाबाद के 109 छात्र/छात्राओं एवं 04 शिक्षकों ने 28 नवम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एस०पी०एच० पब्लिक स्कूल, आर०एन० साहसपुर, मुरादाबाद के 56 विधार्थियों एवं 12 शिक्षकों ने 01 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एम०एफ०यू० सरकडा खास, मुरादाबाद के 35 विधार्थियों एवं 5 शिक्षकों ने 02 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंटपॉल स्कूल, सिविल लाइन्स रामपुर के 280 छात्र/छात्राओं ने 03 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2019 तक बेचवाइस रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- आर्यमान विक्रम बिरला इंस्टीटयूट ऑफ लर्निंग हल्द्वानी जिला नैनीताल उत्तराखण्ड के ह्यूमनिटीज स्ट्रीम के 28 विधार्थियों ने 03 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- मरिया जूनियर हाई स्कूल रामपुर के 101 विधार्थियों एवं 7 शिक्षकों ने 04 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय इण्टर कॉलेज, जटपुरा मु० के 150 छात्र/छात्राओं ने 07 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- आर्य बाल विद्या मन्दिर जूनियर हाईस्कूल रौराकलां, मिलक जिला रामपुर के 35 विद्यार्थियों ने 07 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- अलेक्स पब्लिक जूनियर हाईस्कूल, अटरिया जिला रामपुर के 47 विधार्थियों एवं 07 शिक्षकों ने 12 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- डायमण्ड पब्लिक जूनियर बेसिक स्कूल, रामपुर के 37 छात्र/छात्राओं एवं 4 अध्यापकों ने 12 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- शिव शान्ति आदर्श जूनियर हाईस्कूल ब्लॉक बनियाखेड़ा, चंदौसी, संभल के 13 छात्र/छात्राओं एवं 20 शिक्षकों ने 14 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- ब्राइट फियूचर पब्लिक स्कूल, मुरादाबाद के 55 विधार्थियों एवं 09 शिक्षकों ने 14 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- अंजुम कॉन्वेंट स्कूल, मुरादाबाद के 75 छात्र/छात्राओं ने 17 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

- बुद्ध अम्बेडकर जूनियर हाईस्कूल रामपुर की समस्त 28 छात्र/छात्राओं ने 24 दिसम्बर 2019 का रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय जुल्फिकार इण्टर कॉलेज रामपुर के 25 छात्रों एवं 06 शिक्षकों ने 28 दिसम्बर 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय इण्टर कॉलेज केमरी जिला रामपुर के 32 विधार्थियों ने 07 जनवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- विलेज स्मार्ट सिटी मॉर्डन स्कूल, मिलक निब्बी सिंह, पंजाबनगर, रामपुर के 125 विधार्थियों एवं 11 शिक्षकों ने 14 जनवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- आर०टी०सी० चन्दनपुर, सीकमपुर जिला रामपुर के 135 विधार्थियों एवं 20 शिक्षकों ने 16 जनवरी 2020 रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय हाईस्कूल खण्डिया, सैदनगर, जिला रामपुर के समस्त छात्र/छात्राओं ने 22 जनवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- रैनवो इण्टर कॉलेज सीकमपुर टाण्डा, जिला रामपुर के छात्रों एवं स्टाफ ने 04 फरवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय इण्टर कॉलेज पटवाई जिला रामपुर के 51 छात्रों एवं स्टाफ ने 04 फरवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- मॉडल प्राइमरी स्कूल सिंघाड़ियान, केमरी, बिलासपुर जिला रामपुर के 40 छात्रों ने 15 फरवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एम०एस० पैराडाइस, कस्बा केमरी, रामपुर के 48 छात्र/छात्राओं एवं 14 अध्यापकों ने 19 फरवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- माध्यमिक विद्यालय भंडपुरा क्षेत्र–चमरौआ जिला रामपुर के 35 छात्र/छात्राओं एवं 02 शिक्षकों ने 20 फरवरी 2020 को लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जामेतुस सालेहात, रामपुर के 40 छात्राओं तथा 3 स्कूल स्टाफ ने 23 फरवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सरकारी जूनियर हाई स्कूल आगापुर तहसील मिलक जनपद रामपुर के 83 छात्र/छात्राओं ने 25 फरवरी 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- रजा स्कूल केयर, बिलासपुर जिला रामपुर के 29 छात्राओं ने 04 मार्च 2020 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

परिशिष्ट –6
संरक्षण प्रयोगशाला

वर्ष 2019–20 के दौरान संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा निम्न संरक्षण कार्य किये गये।

पाण्डुलिपियाँ : कुल फोलियो– 1,720

- **अरबी पाण्डुलिपि – "अल–तरग़ीब व अत तरहीब"**
  माप– 26.0 सेमी **X** 15.8 सेमी, कुल फोलियो –367
- **फारसी पाण्डुलिपि – "हक़ नामा**
  माप– 22.5 सेमी **X** 12.5 सेमी, अवधि–1694, कुल फोलियो –25
- **फारसी पाण्डुलिपि – "दीवाने हाफ़िज"**
  माप– 16.0 सेमी **X** 9.5 सेमी, कुल फोलियो –602
- **फारसी पाण्डुलिपि – "मसनवी अंजुमन ख़लवत मन इंतेखाब"**
  माप– 19.0 सेमी **X** 12.3 सेमी, कुल फोलियो –90
- **फारसी पाण्डुलिपि – "श्री भगवत गीता" तर्जुमा फारसी फ़ैज़ी"**
  माप– 15.4 सेमी **X** 12.1 सेमी, अवधि–1005 हिजरी, कुल फोलियो –130
- **फारसी पाण्डुलिपि – "सिलसिला तुज़ ज़हब मंजूम"**
  माप– 20.8 सेमी **X** 12.5 सेमी, कुल फोलियो –214
- **फारसी पाण्डुलिपि – "शिव पुराण"**
  माप– 17.0 सेमी **X** 10.5 सेमी, अवधि– 1148 हिजरी, कुल फोलियो –508
- **उर्दू पाण्डुलिपि – "चलता पुर्जा"**
  माप– 15.2 सेमी **X** 14.0 सेमी, अवधि–1922, कुल फोलियो –70
- **उर्दू पाण्डुलिपि – "दीवान–ए–रंगीन"**
  माप– 27.1 सेमी **X** 16.9 सेमी, कुल फोलियो –126
- **उर्दू पाण्डुलिपि – "मकातिब–ए–दाग़"**
  माप– 25.5 सेमी **X** 19.3 सेमी, कुल फोलियो –24
- **उर्दू पाण्डुलिपि–"नवाब रज़ा अली खाँ, बेगम रफ़त ज़मानी की कविताओं के विषय में)**
  माप– 30.6 सेमी **X** 19.0 सेमी, कुल फोलियो –28
- **उर्दू पाण्डुलिपि–"मर्सिया जनाब अब्बास अलमदार अलै०"**
  माप– 34.3 सेमी **X** 21.4 सेमी, अवधि–1941, कुल फोलियो –42
- **पाण्डुलिपि (निजी) ज़हीर अली सिद्दीक़ी)**
  माप– 21.0 सेमी **X** 16.4 सेमी, कुल फोलियो –58

मुद्रित पुस्तकें : कुल फोलियो – 1,796

- **अरबी मुद्रित पुस्तक – "मौलाते फ़तुल अहबाब"**
  माप– 23.9 सेमी **X** 15.6 सेमी, कुल फोलियो –27
- **अरबी मुद्रित रसाइल – सक़फ़ातुल हिन्द (भारतीय संस्कृति)"**
  माप– 23.8 सेमी **X** 16.5 सेमी, अवधि–1984, कुल फोलियो –12
- **अरबी मुद्रित रसाइल – "रसाइल अलबसूल इस्लामी"**
  माप– 24.3 सेमी **X** 15.6 सेमी, अवधि–1962, कुल फोलियो –10
- **अरबी मुद्रित रसाइल – "अल हाजी अली हामिदिया"**
  माप– 24.5 सेमी **X** 15.03 सेमी, कुल फोलियो –52
- **अरबी मुद्रित रसाइल – "शरहुल हुसैनिया"**
  माप– 22.8 सेमी **X** सेमी, कुल फोलियो –18
- **फारसी मुद्रित पुस्तक – "मजमुआ हफ़्त बंध"**
  माप– 23.6 सेमी **X** 16.3 सेमी, कुल फोलियो –75
- **फारसी मुद्रित पुस्तक (निजी) सौलत पब्लिक लाइब्रेरी – "क़ाला क़लन्दरी बरताज फ़रख़ी"**
  माप– 24.5 सेमी **X** 15.5 सेमी, अवधि–1303 हिजरी, कुल फोलियो –58
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "ज़रीफ शेरो का तज़किरा"**
  माप– 22.0 सेमी **X** 13.8 सेमी, कुल फोलियो –242
- **उर्दू मुद्रित साप्ताहिक समाचार पत्र – "क़ौमी आवाज़, नई दिल्ली"**
  माप– 41.4 सेमी **X** 27.5 सेमी, अवधि–1984 ई०, कुल फोलियो –228
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "दिल सोज"**
  माप– 21.2 सेमी **X** 13.5 सेमी, अवधि–1908 ई०, कुल फोलियो –92
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "तजकिरा अबुल कलाम आजाद"**
  माप– 21.3 सेमी **X** 13.4 सेमी, अवधि–1960 ई०, कुल फोलियो –22
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "हिन्दुस्तान की मौसीक़ी"**
  माप– 22.0 सेमी **X** 13.7 सेमी, कुल फोलियो –18
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "इंशा–ए–सुरूर"**
  माप– 24.2 सेमी **X** 15.6 सेमी, अवधि–1916, कुल फोलियो –54
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "उर्दू रामपुर गजट"**
  माप– 32.0 सेमी **X** 24.4 सेमी, अवधि–1904, कुल फोलियो –322
- **उर्दू मुद्रित पुस्तक – "बाबुल – इल्मे मीडिया"**
  माप– 27.5 सेमी **X** 22.0 सेमी, कुल फोलियो –64
- **उर्दू पत्रिका – "नया दौर"**
  माप– 22.2 सेमी **X** 15.1 सेमी, अवधि–24 सितम्बर 1957, कुल फोलियो –494
- **उर्दू मुद्रित शीट्स – "यादगारे इंतेख़ाब"**
  माप– 23.2 सेमी **X** 14.2 सेमी, अवधि–1290 हिजरी, कुल फोलियो –16

- **3 बड़े मुद्रित पृष्ठ (उर्दू)**
  माप– 55.0 सेमी **X** 36.3 सेमी
  36.9 सेमी **X** 36.3 सेमी
  37.7 सेमी **X** 37.0 सेमी
- **संस्कृत एवं हिन्दी मुद्रित पुस्तक – "श्रीमद् वाल्मीकि रामायण"**
  माप– 26.6 सेमी **X** 17.7 सेमी, अवधि– 1976 ई०, कुल फोलियो –1064
- **हिन्दी मुद्रित पत्रिका – "रजत"**
  माप– 26.8 सेमी **X** 21.5 सेमी, अवधि– 5 अक्तूबर 1986, कुल फोलियो –38
- **रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की अरबी पाण्डुलिपियों तथा पुस्तकों के कैटलॉग का विवरण**
  माप– 32.8 सेमी **X** 24.5 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –594
- **तैलीय चित्र – ग़ालिब"**
  माप– 88.7 सेमी **X** 60.5 सेमी, कुल फोलियो –01
- **फोटोग्राफिक एलबम कपूरथला**
  माप– 34.1 सेमी **X** 26.0 सेमी, अवधि–1900, कुल फोलियो –32 फोटोग्राफ
- **हस्तलिखित एवं मुद्रित प्रलेख**

प्राथमिक संरक्षण :

(क) पाण्डुलिपियाँ एवं मुद्रित पुस्तकों का प्राथमिक संरक्षण

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा 4500 पाण्डुलिपियों एवं 20,106 मुद्रित पुस्तकों का प्राथमिक संरक्षण किया गया।

लाइब्रेरी के निम्न अनुभागों की पुस्तकों का प्राथमिक संरक्षण किया गया, जो इस प्रकार हैं।

उर्दू अनुभाग	7,325 पुस्तकें
अरबी एवं फारसी	5,000 पुस्तकें
लोहारू अनुभाग	6,400 पुस्तकें
हिन्दी अनुभाग	944 पुस्तकें
अंग्रेजी	437 पुस्तकें
कुल	20,106 पुस्तकें

(ख) धूमीकरण :

समस्त अनुभागों की 6380 पुस्तकों का उचित रसायनों द्वारा धूमीकरण किया।

(ग) पर्यावरणीय भौतिक घटकों का नियंत्रण :

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा लाइब्रेरी के विभिन्न कक्षों का तापमान और सापेक्षित आद्रता को मापा गया तथा सिलिका जैल के प्रयोग द्वारा सापेक्षित आद्रता को नियंत्रित किया गया।

परिशिष्ट –7
पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र (एम.सी.सी.)

वर्ष 2019–20 के दौरान पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र द्वारा निम्नलिखित संरक्षण कार्य किया गया–

उपचारात्मक संरक्षण

पाण्डुलिपियां : कुल फोलियो– 2,255

- **अरबी पाण्डुलिपि – "पवित्र कुरान"**
  माप– 30.0 सेमी **X** 19.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो–460
- **अरबी पाण्डुलिपि – "मजमुआ फज़ले इलाही"**
  माप– 20.2 सेमी. **X** 14.5 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –50
- **अरबी पाण्डुलिपि – "अलका मौसूल मुहित–खण्ड–एक"**
  माप– 25.8 सेमी **X** 17.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –284
- **फारसी पाण्डुलिपि – "सिराज–उल–लुगत"**
  माप– 31 सेमी **X** 22 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –590
- **फारसी पाण्डुलिपि – "रूबाईयात–ए–समद"**
  माप– 20.5 सेमी **X** 13.3 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –24
- **फारसी–उर्दू पाण्डुलिपि – "राहतुल कुलुब मा ज़मीमा जदीदा"**
  माप– 32.3 सेमी **X** 19 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –100
- **फारसी–उर्दू पाण्डुलिपि – "रूबाईयात–उमरे–ख़य्याम"**
  माप– 24.6 सेमी **X** 16.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –48
- **उर्दू पाण्डुलिपि – "कलाम–ए–जज़्ब"**
  माप– 20.1 सेमी. **X** 16.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –20
- **उर्दू–अरबी पाण्डुलिपि– "सिरातुल सालिहीन फ़ी मख़्दुमीन"**
  माप– 19.4 सेमी **X** 16.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –126
- **उर्दू पाण्डुलिपि "मर्सिया मीर अनीस"**
  माप– 20.0 सेमी **X** 15.6 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –06
- **उर्दू पाण्डुलिपि "दुर्रुल मआरिफ़"**
  माप– 20.3 सेमी **X** 16.4 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –133
- **उर्दू पाण्डुलिपि "तर्जुमा मक़ामात इरशादिया"**
  माप– 27.4 सेमी **X** 18.1 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –67
- **फारसी पाण्डुलिपि – "फ़ारसी मसनवी"**
  माप– 23.5 सेमी **X** 15.5 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो –345
- **फारसी पाण्डुलिपि – "दाराशिकोह का एक पत्र"**
  माप– 73.8 सेमी. **X** 33 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो–01

- **उर्दू पाण्डुलिपि – "ख़त्ताती की एक शीट"**
  माप– 40 सेमी **X** 25 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल फोलियो–01

प्राथमिक संरक्षण

इस दौरान 141 पाण्डुलिपियों के 27,581 फोलियो का प्राथमिक संरक्षण किया गया।

Ministry of Culture
Government of India

RAMPUR RAZA LIBRARY

(Ministry of Culture, Government of India)

45th Annual Report

2019-2020

RAMPUR RAZA LIBRARY
Hamid Manzil, Fort
Rampur – 244901 (U.P.) INDIA

© Rampur Raza Library, Rampur

All rights reserved. No part of this book may be reprinted or reproduced or utilized in any form or by any electronic, mechanical or other means, now known or hereafter invented, including photocopying and recording, or in any information storage of retrieval system, without prior permission of the publisher, except as brief quotation for academic purpose.

Name of the Book : **45th Annual Report 2019-2020**
RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Published by : **Ravindra Kumar Mandar**
Director Rampur Raza Library/
District Magistrate Rampur

Rampur Raza Library
(Ministry of Culture, Govt. of India)
Rampur 244901 (U.P.) INDIA

Website : www.razalibrary.gov.in
E-mail : raza-library@nic.in, directorrazalibrary@gmail.com
Phone : 0091-595-2325045, 2327244
Fax : 0091-595-2340548

CONTENTS

1.	Preface	1
2.	Journey of Library from foundation	6
3.	Library Building & Land	9
4.	Raza Library Museum	11
5.	Treasures of Library	12
6.	Act & Regulations	25
7.	Objectives	26
8.	Rampur Raza Library Board & Sub-Committees	26
9.	Security of Library	28
10.	Rampur Raza Library Awards	28
11.	Rampur Raza Library Scholarships	29
12.	Tagore National Fellowship/Scholarship	30
13.	New Additions to Library	30
14.	Technical Services	31
15.	Cataloguing	33
16.	Computerization & Digitization	34
17.	Reference Services to Scholars	35
18.	Services to Readers	35
19.	Projects undertaken by library	36
20.	Publications of Library	37
21.	Conservation & Preservation	37
22.	Training / Conference	38
23.	Museum Work	38
24.	Social Platforms of Library	39
25.	Distinguished Visitors	41
26.	Academic & Cultural Activities	47
27.	Appendices	58

45thANNUAL REPORT 2019 – 2020

PREFACE

I feel great pleasure in presenting the 45th Annual Report on the functioning of the Rampur Raza Library from 1st April 2019 to 31st March 2020.

Under the valuable guidance of Shrimati Anandiben Patel, Hon'ble Governor of Uttar Pradesh/Chairman, Rampur Raza Library Board, members of the Rampur Raza Library Board and with the sincere and devoted services of the staff of the Library, the Library has made great strides in the field of promotion of higher intellectual and cultural activities and due to its invaluable, rare treasure of thousands of manuscripts, Indo-Persian and Indo-Central Asian miniature paintings, calligraphic specimens of world renowned Indo-Islamic calligraphers, historical documents, ancient printed books, journals and other art objects. The Library has attained the status of an institution of International importance with this continuous dedication.

The Ministry of Culture, Government of India through substantial financial grants, has greatly facilitated the functioning, maintenance, preservation, publication, computerization, digitization and also the security of the priceless collection through Central Industrial Security Force.

The Library collection is enriched through purchase, exchange and gift. From 1st April 2019 to 31st March 2020, the Library acquired 781 books, 784 periodicals and 8,105 newspapers and accessioned them properly. During the period, 826 books were classified and 1267 catalogue cards were prepared. The cataloguing of 622 manuscripts and 3009 books was done. The accession of 781 books from accession no. 62655 to 63435 was done. The work of labeling and dusting of books is done regularly. In this process, 2194 books were provided with 2388 new labels. The Library also keeps card catalogue up-to-date. During the year, 20,106 books were cleaned on the shelves and 29 manuscripts, 295 books & 2875 periodicals received new binding and repairs, besides registers, note books, photo albums were also bound. The news clippings to the tune of 200 from Newspapers bearing important information related to culture and the Library were also collected. About 1310 coloured photographs of cultural programmes have been prepared.

During the period, 622 manuscripts (227 Arabic, 325 Persian, 34 Urdu & 36 Hindi) and 3009 books (481 Arabic, 55 Persian, 2229 Urdu, 211 Hindi & 33 English) were catalogued, 826 books were classified and 1267 card catalogues of different languages were prepared, arranged and shelved.

During this period, databases have been prepared in bibliographical information through the computer for 622 manuscripts (227 Arabic, 325 Persian, 34 Urdu & 36 Hindi) and 2230 printed books (460 Arabic & 1770 Urdu). The database for 1269 printed books (701 Hindi, 33 English, 459 Urdu, 21 Arabic & 55 Persian) have been feeded in KOHA software.

In the digitization programme, 3,14,157 pages from 2522 manuscripts were digitized of the Library collection.

The Library extends various services to its users. During the period, 64 senior research scholars consulted 577 manuscripts, 763 readers were issued 8290 printed books, 80,806 general readers visited the reading room for newspapers and magazines besides thousands of persons visited Library Museum in Darbar Hall.

The Library also provides photographs of manuscripts and photo copies of printed books to the scholars on payment basis. 3125 photo copies from the printed books were provided to the scholars. During the period, 132 publications of the Library were sold and 502 published books were gifted to the scholars, members of board/sub-committees and authors of the books/articles.

The conservation laboratory successfully conserved 1720 folia of damaged rare manuscripts, 1796 folia of old printed books, one oil painting of Mirza Ghalib, Photographic album of Kapurthala and 20 documents (6 handwritten & 14 printed).

Manuscript Conservation Center (M.C.C.), a project under National Mission of Manuscripts (N.M.M.) functioning in Library from March 2019, have done curative conservation of 2255 folia from damaged manuscript and preventive conservation of 27581 folia of various manuscripts.

As the museum is continuously working for documentation & conservation of art objects, following work is done during the year:

- Documentation of 25 archeological objects and 61 rare coins.
- Preventive conservation of 150 art objects.
- Curative conservation of 7 objects.
- Preparation of Captions & display of 83 museum objects.
- Verification of Museum objects.

The Library is housed in a century old magnificent palace of Hamid Manzil in the fort of Rampur. It is an excellent specimen of Indo (Mughal) – European architecture of

northern India. It has an Italian sculpture gallery with niches and canopied ceilings, and a dozen spacious rooms with a stupendous Darbar Hall highly embellished in gold. The open area around the palatial mansions was developed into a decorative garden of Mughal Chahar Bagh pattern with water channels, fountains, tanks and beautiful selected flora. Wide and deep water channels have been constructed with Kota stone pathway rendering a graceful finish to the surrounding environment.

The entire heritage buildings have been restored with minor repairs of ceiling and roofs, flooring, lawn, boundary wall & whitewash taken up according to the archaeological norms of conservation. The new construction works are as follows-

- Repair and whitewash of both buildings.
- Installation of lighting poles in Hamid Manzil and Rang Mahal.

PUBLICATIONS

The Library has published 230 publications till now. In the year 2019 – 2020, following 07 books and 05 issues of Newsletters were published in Urdu, English and Hindi-

- *Khootut-e-Dagh (Urdu)*
- *Rooh ki Bedari (Urdu)*
- *Mohavrate Begmaat (Urdu)*
- *Majalis-e-Rangeen (Urdu)*
- Rampur Raza Library Journal No. 32 (Urdu)
- *Rajbhasha Patrika (Kabir Das Visheshank)*
- *Rajbhasha Patrika (Gandhi Visheshank)*
- Rampur Raza Library Newsletter (19th – 23rd issues)

ACADEMIC & CULTURAL ACTIVITIES

Rampur Raza Library organized academic & cultural activities like seminar, lectures aiming to create awareness among the masses for various academic & cultural subjects and to promote the research. The following activities were organized during the year:

- A book exhibition organized on the occasion of 38th death anniversary of Maulana Imtiyaz Ali Khan Arshi from 1st to 10th April 2019.
- Celebrated Swachhta Pakhwada from 16th to 30th April 2019.
- Organized second Maulana Abdussalam Khan Memorial lecture titled 'Iqbaliat aur Maulana Abdussalam Khan' on 28th April 2019.

- Organization of one day workshop on Cataloguing & Classification on 29th April 2019.
- Exhibition of Holy Quran and Calligraphy on the occasion of Ramzan from 28th May to 10th June 2019.
- International Yoga day on 21st June 2019.
- Exhibition of Holy Quran by the Consulate of Iran in Hyderabad from 22nd to 24th June 2019.
- Plantation in library campus on 24th July 2019.
- An extension lecture on 'Contribution of Premchand in Literature' commemorating his 139th birth anniversary on 31st July 2019.
- An extension lecture on 'The Literary works of Amir Meenai' on 4th August 2019.
- Awareness programme on Rainwater Harvesting was organized by CISF Unit, RRL on 5th August 2019.
- Organziation of Indo-Uzbek Exhibition from 10th to 14th August 2019 in Darbar Hall.
- Curated the book exhibition on Freedom Fighters from 14th to 24th August 2019 in Darbar Hall.
- Celebrated 73rd Independence Day.
- Celebration of Hindi Pakhwara from 14th to 28th September 2019.
- Curated Photo and Book Exhibition on the occasion of Gandhi Jayanti from 1st to 14th October 2019.
- Celebration of Gandhi Jayanti on 2nd October 2019.
- Curated Book Exhibition commemorating birth anniversary of Sir Syed Ahmad Khan from 17th to 28th October 2019.
- Observation of National Unity Day on the occasion of birth anniversary of Sardar Vallabh Bhai Patel on 31st October 2019.
- Vigilance Awareness Week was observed from 28th October to 2nd November 2019.
- Celebration of Constitution Day on 26th November 2019 with organization of a lecture 'Constitution : An Introduction'.
- A workshop on Fire Fighting Equipments was organized on 26th November 2019.
- An exhibition of Miniatures and photographs was organized on 26th November 2019.
- An Exhibition on rare manuscripts was organized from 1st to 10th December 2019.
- Indo-Iran Writers Meet was held on 12thJanuary 2020 in the conference hall of the library. Dr. Ali Raza Ghazwah, Deputy Cultural Counselor and Dr. Ehsanullah

Shukrullahi, Director, Persian Research Center, Iran Culture House, New Delhi were the Chief Guests of the programme.

- On the occasion of 101st birth anniversary of the saintly musician and Sanskritist Acharya Kailash Chandra Brahaspati, Lecture series and Sangeet Sandhya programme was organized in the conference hall of Rampur Raza Library on 20thJanuary 2020 under the joint auspices of All India Radio, Rampur and Rampur Raza Library.
- Celebration of Republic Day.
- Celebration of Martyr's day on 30th January 2020.
- Curated Indo-Uzbek Exhibition from 3rd to 10th February 2020 in Darbar Hall. Mr. Farhod Arzeiv, Ambassador of Uzbekistan to India inaugurated the exhibition.
- Rampur Raza Library Awards Ceremony held on 17th February 2020 in Conference hall, Rampur Raza Library. Shrimati Anandiben Patel, Hon'ble Governor of U.P./Chairman, Rampur Raza Library Board presented the awards to the receipients.
- Curated exhibition on Ramayana from 17th to 29th February 2020 inauguarted by Shrimati Anandiben Patel, Hon'ble Governor of U.P./Chairman, Rampur Raza Library Board.
- Organized Third Maulana Intiyaz Ali Arshi Memorial Lecture titled 'Ghalib ka Hai Andaz-e-Bayan aur' on 27th February 2020.
- Curated exhibition on National Integration & Communal Harmony from 8th to 15th March 2020 in Darbar Hall.
- Celebration of International Women Day on 8th March 2020.

I am really greatful to Honourable Governor of Uttar Pradesh/Chairman of the Rampur Raza Library Board, the members of the Board and Principal Secretary to the Honourable Governor.

I am thankful to the Hon'ble Union Minister of Culture and Secretary, Ministry of Culture, Government of India, who provided the financial support and guided the Library at every stage for its better functioning.

Date –

Ravindra Kumar Mandar
Director Rampur Raza Library/
District Magistrate Rampur

JOURNEY OF LIBRARY FROM FOUNDATION

The Rampur Raza Library is an institution of Indo-Islamic learning and treasure house of arts which was founded by the first ruler of Rampur, Nawab Faizullah Khan in 1774. Rampur is headquarter of a district of same name in Uttar Pradesh which was known as 'Riyasat Rampur' before independence. He ruled the State up to 1794 and formed the nucleus of the Library through his personal collection of valuable and rare manuscripts, historical documents, books in different languages and precious paintings kept in the Royal Toshakhana. The Nawabs of Rampur State were great patrons of art, scholars, poets, painters, calligraphers and musicians.

Nawab Faizullah Khan

Nawab Muhammad Ali Khan, son of Nawab Faizullah Khan ascended the throne on July 17th, 1794 at the age of 43 years. He ruled the state for only twenty four days. He was not popular among his family and Rohilas because of his harsh behaviour. Nawab Ghulam Muhammad Khan evicted him and ascended the throne.

Nawab Muhammad Ali Khan

Nawab Ghulam Muhammad Khan became the Nawab of Rampur at the age of 33 years on August 10th, 1794 and ruled only for three months and twenty two days. To retain his Nawabi state, he fought a battle against British government and Nawab Asifuddaulah of Awadh in Bhitaura and got defeated. He was taken to Thakurdwara, then to Banaras in the custody of British Government. From Banaras, he left for Hajj pilgrimage. After returning from Hajj, he stayed in Kangra, Punjab. Raja Sansar Chand provided him the best hospitality with full respect at his place. He shed his soul on February 18th, 1833.

Nawab Ghulam Muhammad Khan

The fourth Nawab of Rampur State, Nawab Ahmed Ali Khan ascended the throne at the age of nine years on November 29th, 1794. Nawab Nasrullah Khan was appointed his Regent. Nawab Ahmad Ali Khan was a poet with a pen name 'Rind' and took keen interest in fine arts.

He was fond of hunting, shooting, music and dance. During the reign of Nawab Ahmad Ali Khan (1794–1840) notable additions were made to the collection.

Nawab Ahmed Ali Khan

In his period, Maulvi Ghayasuddin Khan compiled *Ghayas-ul-Lughat*, a Persian dictionary. The edifices of 'Benazir' and 'Badr-i-Munir' were constructed during his time.

Nawab Muhammad Saeed Khan (1840–1855) was a dynamic ruler. He created a separate department of the Library and shifted the collection to new premises. He also appointed Allama Yousuf Ali Mehvi (an Afghan scholar) to organize the collection into a renowned Kutub Khana. He also invited well-known calligraphers, illuminators and binders from Kashmir and other parts of India. The Nawab got prepared a seal with the following Persian inscription:

Nawab Mohd. Saeed Khan

'Hast in muhr bar Kutub Khana
Wali-i-Rampur farzana
A.H. 1268 (1852 A.D)'

Nawab Yusuf Ali Khan

Nawab Yusuf Ali Khan ascended the throne on April 1st, 1855 and took keen interest in art and literature, being himself a poet with pen name 'Nazim'. He took guidance from the celebrated poet Mirza Ghalib, who was rewarded with a stipend of Rs. 200 per month. After the historic struggle of 1857, a large number of eminent scholars, poets, writers migrated from Delhi to Rampur. Ram Babu Saxena, the author of *Tarikh-i-Adab-i-Urdu*, had written "Nawab made Urdu poetry Ganga-Jamuni by bringing together the poets of Delhi & Lucknow." A beautiful manuscript of Nazim's poetry is preserved in Raza Library which has been made available to poetry lovers, by publishing it in original form. The Nawab ruled for 10 years and died in 1865 AD.

Nawab Kalbe Ali Khan

Nawab Kalbe Ali Khan (1865–1887) was himself a scholar of Arabic and Persian languages. He was very much

interested in the collection of rare manuscripts, paintings and commissioned connoisseur scholars to obtain rare manuscripts, paintings and other art objects and thus enormously enriched the Library collection. In his time Rampur became an eminent centre of arts, calligraphy, poetry and education. While mentioning the progress of education & literature in this era, Ram Babu Saxena had written 'According to literary status, this was the golden era of Rampur Raza Library because every type of scholars was present at that time.'

Nawab Mushtaq Ali Khan

The next Nawab Mushtaq Ali Khan (1887–1889) being disabled, General Azimuddin Khan became regent of the state in 1887. He appointed a managing committee and allocated budget for the maintenance and development of the Library. Keeping in mind the reputation and progress of the library, he laid the foundation stone of the separate building.

Nawab Hamid Ali Khan

Nawab Hamid Ali Khan (1889–1930) traveled extensively before ascending to the throne. He was highly educated and was remarkably known for his love of constructing impressive palaces and office buildings in Rampur city. The building which was laid by Nawab Mushtaq Ali Khan was inaugurated by Nawab Hamid Ali Khan with great pomp on 31st March 1892 and transferred the library collection from Toshakhana to this building (present Govt. I.T.I.). He also opened the Library to scholars and extended facilities to senior academicians and research scholars of India and abroad. He constructed a magnificent palace inside the fort of Rampur in Indo-European style named 'Hamid Manzil' which now houses the Rampur Raza Library since 1957.

He was a connoisseur of art and music and added much to the collection and introduced certain reforms in the management of the Library. During his ruling period, Hakim Ajmal Khan, Maulvi Najmul Ghani Khan and Hafiz Ahmad Ali Shauq managed the Library. They served the library and also prepared the catalogues of Arabic manuscripts & printed books in Urdu which were published by Library in 1902 and 1928. This catalogue is unavailable and it is republished (only vol. 2) due to its importance. The unpublished catalogues are under progress.

Nawab Raza Ali Khan (1930–1966) became the Ruler on June 30th, 1930. He was decorated with both Indian and foreign education. He took unprecedented interest in promoting the education and built the schools & colleges in the Rampur city. He was also a lover of Indian music for which he purchased several rare manuscripts and books on classical music from India and abroad. He was an eminent Hindi poet with pen-name 'Rajaa' and his musical composition named 'Sangeet Sagar' is preserved in the Library. He lavishly patronised, art, music and culture at Rampur.

Nawab Raza Ali Khan

After the Independence and merger of the State in the Union of India, the Library was brought under the management of a trust, which was created on August 6th, 1951 which continued till June 1975.

Prof. S. Nurul Hasan, the then Minister of State for Education and Scientific Research, Government of India visited the Library several times and was worried to see the gradually deteriorating condition of the valuable collection & library. With the efforts of him & Nawab Murtaza Ali Khan, the Government of India on 1st July 1975 under Rampur Raza Library Act No. 22, declared the Library as an institution of National importance by taking it under its jurisdiction and took important steps to improve the management & provided financial assistance.

The affairs of the Library are managed by the Rampur Raza Library Board, which has been set up under section 4(2) of the Act. It is the governing body with Honourable Governor of the Uttar Pradesh as the Chairman. There is a provision for twelve members including one member of the erstwhile ruling family of the Nawabs. The Board is represented by distinguished historians, scholars of Arabic, Persian and Urdu literature beside officials of the Central and State Governments concerned with the affairs of the Library.

Director of the Library is the Member Secretary of Rampur Raza Library Board who is responsible for convening the meetings of Board and Sub-Committee's meetings and implementation of the decisions taken by the Board and Sub-Committees. The names of the Directors/ Officers on Special Duty of Rampur Raza Library since 1975 A.D. is given in **Appendix I (Page no. 58).**

LIBRARY BUILDING AND LAND

The present building Hamid Manzil houses the Rampur Raza Library since 1957. The palatial high domed and turreted mansion is a magnificent construction of Indo-

European style of architecture inside the fort of Rampur. The ownership of Hamid Manzil along with Rang Mahal and the surrounding vacant land was transferred to Government of India by the Government of Uttar Pradesh on November 18th, 1982.

The Government of India was also entrusted to carry out necessary repairs, renovation to the building, maintain and manage the same at its own cost which it does very efficiently. The details of the buildings and land handed over by the Government of Uttar Pradesh to the Government of India, under the deed of transfer dated November 18th, 1982, are as follows:

Buildings and Land	Plinth Area
Hamid Manzil	26,495 sq.ft
Rang Mahal	17,664 sq.ft
Land including lawns	2,08,941 sq.ft

The open area around the palatial mansions was developed into a decorative garden on Mughal Char Bagh pattern with water channels, fountains tanks and selected beautiful flower plants. Wide and deep water channels have been constructed with Kota stone rendering a graceful finish to the surrounding environment. With the time, they have been renovated and the need for renovation is still being felt.

In the Hamid Manzil, the passage leading to the Darbar Hall, housing the museum, is through a sculpture gallery representing a number of classical feminine Greek icons of the 17th – 18thcentury, which were imported from Italy more than a century ago. The gigantic life-size icons have been carved out of white falcon marble. The niches in the gallery, cornices and ceilings of the canopy embellished in pure gold, add much to its stately grandeur. Darbar Hall has five large sized antique chandeliers hung from its ceilings and become lively when their original electric bulbs that are nearly hundred years old are turned on. There are five life-size marble statues which are also kept in the Darbar Hall.

The conservation of more than hundred years old heritage palaces of the Hamid Manzil and the Rang Mahal in the Fort of Rampur is a regular process. The Hamid Manzil is an excellent specimen of Indo - European architecture of Northern India. It has an Italian sculpture gallery with niches and canopied ceilings and spacious rooms with a stupendous Darbar Hall highly embellished in gold.

In the entire heritage buildings minor repairs of ceiling and roofs, flooring, lawn, boundary wall, colour wash and also grill fixing at all the doors and windows in the basement of Raza Library have been carried out according to the archaeological norms

of conservation and restoration. The restoration of main dome of library is very necessary.

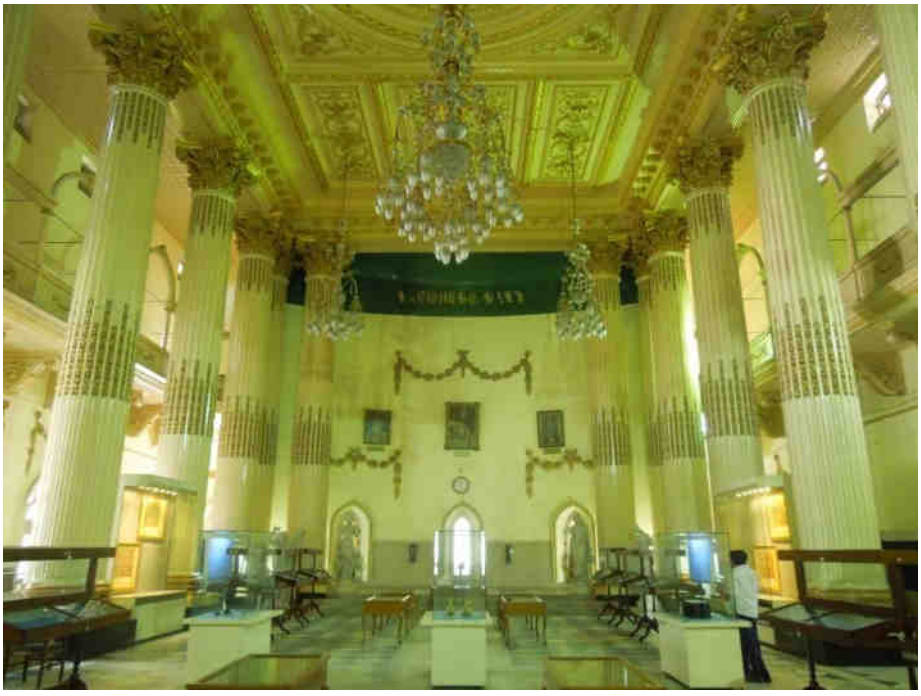

A scene from Darbar Hall

The new renovation works which had been done during the year are as:

- Repair and whitewash of both buildings.
- Installation of lighting poles in Hamid Manzil and Rang Mahal.

RAZA LIBRARY MUSEUM

The Library established a museum in the Darbar Hall of Hamid Manzil Palace on July 19th, 1997 and has striven a lot to develop. It is an impressive place of art, education, research and archaeology for the visitors and research scholars. The Library administers its general museum where original and blow-ups of rare manuscripts, miniature paintings, specimens of Islamic calligraphy, coins, old weapons and other art objects have been showcased for the viewing of the visitors. The majority of the visitors come to see these items. It is open on all the days of the week, 10 am to 5 pm, for the benefit of connoisseurs of art and culture, except weekly and national holidays.

TREASURES OF THE LIBRARY

The Rampur Raza Library has a collection of approximately 17,000 rare items including manuscripts, miniature paintings, specimens of Islamic calligraphy, art objects, astronomical instruments, historical coins and approximately 62,000 printed books in different languages. Besides these, there is a large & important collection of magazines & periodicals in the library.

The holding of the Library covers the ancient and medieval languages such as Arabic, Persian, Sanskrit, Turkey, Pushto, Hindi and Urdu languages. The manuscripts in these languages represent all important subjects including History, Philosophy, Religion, Science, Literature, Arts and Architecture. The miniature paintings represent the Turko-Mongol, Mughal, Persian, Rajput, Deccani, Pahari, Awadh and Anglo European schools of art which are considered immensely valuable for research scholars. In addition to the manuscripts, the printed book section has a unique importance and this section contains hundreds of rare Arabic, Persian, Urdu and Hindi books, which are now out of print and considered important for research work and are carefully preserved.

The interesting feature of the Library collection includes manuscripts belonging to the libraries of various places of the world like Halab, Mecca, Madina, Egypt, Iran, Afghanistan and Royal Libraries of Emperors and Noblemen of the Mughal dynasty. The seals of Adil Shahi Kutub Khana of Bijapur and Qutub Shahi Library of Golconda and Hyderabad are found on the manuscripts.

The collection of Manuscripts & other items is given below:

1.	Arabic manuscripts	5488 Volumes
2.	Persian manuscripts	5403 ,,
3.	Urdu manuscripts	1441 ,,
4.	Urdu manuscripts (Drama)	445 ,,
5.	Sanskrit manuscripts	626 ,,
6.	Hindi manuscripts (in urdu script)	38 ,,
7.	Hindi manuscripts (in devnagri script)	19 ,,
8.	Turkish manuscripts	37 ,,
9.	Pushto manuscripts	45 ,,
10.	Manuscripts in Loharu collection	358 ,,
11.	Diaries in Loharu collection	84 ,,
12.	Palm leaves manuscripts	205 ,,
13.	New accessioned manuscripts & rare printed books (approx)	400 ,,
14.	Miniature paintings (in 35 albums)	1000
15.	Islamic Calligraphies (in 84 albums)	2000

16. Historical Coins 1361

The collection of **Printed Books** is as under (according to old catalogue register):

1.	Urdu books	31095 Volumes
2.	Arabic books	5892 ,,
3.	Persian books	4661 ,,
4.	Old English books	5329 ,,
5.	Old Hindi books	304 ,,
6.	Shoba-e-Khas (Arabic)	433 ,,
7.	Shoba-e-Khas (Persian)	491 ,,
8.	Shoba-e-Khas (Urdu)	1718 ,,
9.	Loharu Section's Urdu books	1207 ,,
10.	Loharu Section's Arabic books	272 ,,
11.	Loharu Section's Persian books	610 ,,
12.	Loharu Section's English books	792 ,,
13.	Loharu Section's Hindi books	47 ,,
14.	Loharu Section's Sanskrit books	37 ,,
15.	Other Languages books	194 ,,

Collection of books according to new classification:

16.	New English books	4523
17.	New Hindi books	2640
18.	New Urdu, Arabic, Persian books	2409

COLLECTION OF ARABIC MANUSCRIPTS

Among the few rarest of the rare is the seventh century A.D. Quran written on parchment in early Kufic script ascribed to the fourth Caliph, Hazrat Ali (died 661 A.D). Another copy of *Quran* written on paper in the eight century A.D. is attributed to the penmanship of Imam Jafar Sadiq. The ninth century *Quran* ascribed to Imam Ali Raza written on parchment and tenth century *Quran* in early Naskh ascribed to the celebrated scholar and calligrapher *Ibn Muqla* who served three caliphs of Baghdad as the Prime Minister. He had reshaped the Arabic Kufic letters into Naskh which is still in vogue in one or the other form. It is indeed a unique specimen of writing of Ibn Muqla in the world.

A folio from 7th century AD *Quran* attributed to Hazrat Ali

The collection includes one copy of rare *Quran* by the celebrated calligrapher of Baghdad, Yaqut al Mustasimi which exclusively bears the ornamentation in gold and precious stone lapis lazuli colours. This is datable to the 13th century A.D. Another highlight of the collection is the Arabic manuscript *Diwan- al- Hadira* dated 629 A.H. (1221 A.D.) by the same calligrapher. It once decorated the royal Library of Sultan Ibrahim Adil Shah of Bijapur. This work edited by famous scholar of Arabic, Prof. Mokhtaruddin Ahmed (1924-2010 AD), has been published by the Library.

There is another unique Arabic manuscript *Sharh-al-Kafia* written by Razi-ud-Din Astarabaadi in 1640 AD which bears marginal notes by Prime Minister of Emperor Shah Jahan, Nawab Sa'adullah Khan. This manuscript contains seals of Sa'adullah Khan, Inayat Khan, Etimad Khan, Muhammad Saleh Khan, Aurangzeb and also of famous 18th century Arabic-Persian scholar Mir Ghulam Ali Azad Bilgrami (d. 1786 AD).

COLLECTION OF PERSIAN MANUSCRIPTS

The collection of Persian manuscripts includes 'Zakhira-i- Khawarizm Shahi' written by Zainuddin Ibrahim Gurgani (d. 531 A.H./1136 A.D) scribed in 565 A.H./1169 A.D. Another one is a *Tafsir-i-Tabri* translated from Arabic by Abdul Baqi and scribed by Mirza Muhammad Bin Mujtahid which is datable to the 12th century A.D. It bears autographs of King Shah Abbas of Iran and Qasim Beg Khan dated 1031 A.H. (1621-22 A.D.).

Among the earliest illustrated Persian work is on history of Mongol tribes namely *Jami-ut-Tawarikh* by Rasheeduddin Fazlullah which includes rare miniatures depicting various aspects of political, social, and religious life of the Mongols. The paintings are inspiration from Chinese and Central Asian early paintings, which seems to represent the Herat school of Persia. It is dateable to the 14th century A.D.

Representing the Iranian style of painting, the Library has the *Khamsa* of Nizami Ganjawi (d. 1209 A.D.) written in 949 A.H./1542-43 A.D. It is beautifully painted with floral background. Mention may also be made to the *Khamsa* of Abdur Rahman Jami scribed in A.H. 977/1569-70 A.D. by Muhammad Bin Alauddin. Also *Haft Aurang* of Jami dated A.H. 1038/1628 A.D. was bound with other masnawies scribed by Jamaluddin Katib Shirazi.

An illustration from *Jami-ut-Tawarikh*

The manuscript, *Diwan-i-Jami* scribed in A.H. 915/1509 A.D. bears a beautiful seal of Hamida Bano Begum, daughter of Ali Akbar, mother of Emperor Akbar and Nazar Ara daughter of Shah Jahan on the colophon. It is interesting to note that Nazar Ara Begum, daughter of Shah Jahan whose seal appears on colophon does not appear to be mentioned in the contemporary Persian literature.

The famous fable of Indian origin *Panchtantra* translated by Abul Maali Nasrullah Bin Muhammad Ghaznawi named *Kalila–wa–Dimna* seems to be illustrated and scribed in the mid- sixteenth century A.D. Its miniatures depict landscapes, flora and fauna in notable colour schemes. Emperor Akbar took great interest in paintings particularly in book illustration following the Mongol, Timurid and Rajput traditions. He commissioned several artists, both Indian and Persian, in his court and also established an office for translation. Besides illustrating, the books were translated from Sanskrit to Persian for developing better understanding among different communities.

The Rampur Raza Library has one hundred and fifty illustrated manuscripts of great literary and artistic value. These illustrations provide deep insight into the contemporary life style, art, architecture, customs, ornaments besides topographical details, flora, fauna and traditional musical instruments, etc.

Among the rare and valuable illustrated manuscripts, there is *Diwan–i– Hafiz* which was scribed during Akbar's reign, most probably 16th century A.D. The manuscript is illustrated by the celebrated court painters which depicts the regime of Emperor Akbar. The manuscript written in elegant Nastaliq script and bears eleven miniatures, representing-

- The Mughal Emperor Akbar listening renderings from Diwan-i-Hafiz at his court, painted by Kanha.

- Dervishes dancing in a khanqah over-powered by the ecstasy of devotional music.
- A semi naked young man walking in rocky valley, painted by Sanwala.
- A Prince sitting in his garden with noblemen and listening to music, by Farrukh Chela.
- Prince riding with his retinue in a rocky valley, by Manohar.
- An old man watching a herd of sheeps amidst, painted by Farrukh Chela.
- An interesting scene of Turkish Hammam, people getting massaged and taking bath.
- A Prince with noblemen enjoying music and wine at his terrace of the garden, by Narsingh.
- Depicting sinking of a ship into troubled water.
- A Prince sitting in his garden with scholars and musicians listening to recitation of verses.
- Two waring forces charging at each other in a battle field, by Chitra.

Among the other rare manuscripts, there is a copy of *Risalah-i-Khwaja Abdullah Ansari* and *Sad Pand-i-Luqman* bound together scribed in elegant Nastaliq by the great master calligrapher Mir Ali of Herat who died in 921 A.H./1515 A.D. It contains signatures and seals of several Kings and scholars. It was graded the first position by Emperor Shah Jahan in his library and was assessed for Rupees One Thousand. He presented another copy of the same Risalah to Jahan Ara Begum who lavishly praised its importance in her own handwriting that "these few words of Khwaja Abdullah are matchless and I could not appropriately describe, even if, I had one thousand tongues". It bears the seals of Shah Jahan and Aurangzeb with the date 998 A.H./1588 A.D.

Similarly *Diwan-i-Hilali Chaghtai* scribed in Nastaliq by Mir Husain al-Husaini in 993A.H./1584 A.D. bears the seals of famous noblemen of Shah Jahan namely Itimad Khan, Inayat Khan, Sadiq Khan and celebrated calligrapher Abdur Rashid Dailmi.

A unique illustrated Balmiki Ramayana translated into Persian by Sumer Chand during the reign of Farrukh Siyar in 1128 A.H./1715 A.D. bears 258 miniatures throwing a flood of light on the art, architecture, costumes and ornaments of the period besides highlighting the composite culture of India in the late medieval period. This manuscript

is published in Devnagri script by the Library. There are many such manuscripts which are translated copies from Sanskrit to Persian.

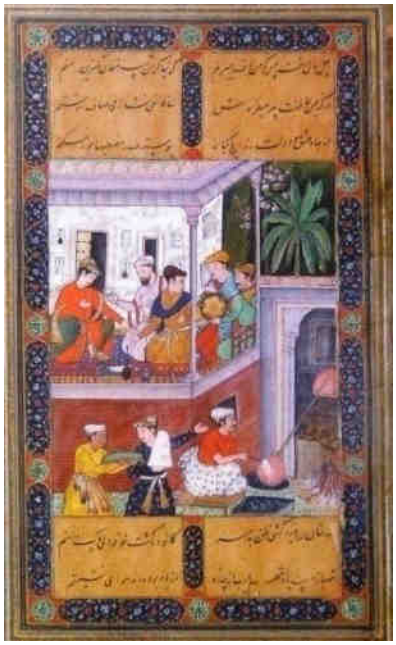

An illustration from *Diwan-i-Hafiz*

A page from *Risalah-i-Khwaja Abdullah Ansari* and *Sad Pand-i-Luqman* bearing notes & signatures of Mughal Emperors Jahangir and Shah Jahan

COLLECTION OF URDU MANUSCRIPTS

The collection of Urdu manuscripts is lesser in number as compared to Arabic and Persian. Rampur Raza Library possesses the *Diwan of Shah Hatim*, *Kulliyat-i-Mir*, *Jur'at*, *Hasan*, *Diwan-i-Soz*, and very important manuscript of 'Diwan-i-Ghalib', besides there are two rare copies of *Rani Ketki Ki Kahani* by Insha Allah Khan.

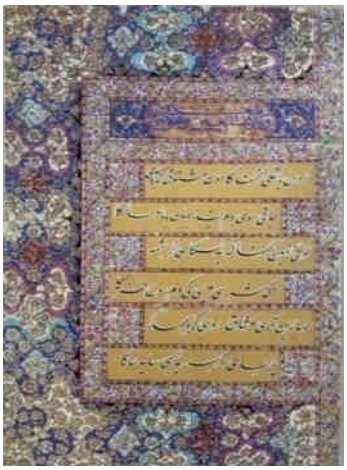

A page from *Diwan-i-Nazim*

The celebrated Diwan of Nawab Yusuf Ali Khan Nazim, the Ruler of Rampur State, is richly embellished in gold. It bears also a portrait of the Nawab. The manuscript is also published by the library.

COLLECTION OF PALM LEAVES

The Raza Library has many valuable palm leaf manuscripts and most of them are in Telugu, Sanskrit, Kannad, Sinhali and Tamil. They, in general are religious in character. A Tamil manuscript mentions the rules of preparing images and icons and the mode of worship, another manuscript informs us about the medicinal properties of several herbs, which cure diseases. One manuscript in Sanskrit language written in Grantha script eulogises *Ramayana* as *Brhahmavachakam*. A Kannad manuscript is a treatise on music yet another manuscript is *Periyatine Vaimoli* sacred hymn of the Vaishnavas.

COLLECTION OF HINDI AND SANSKRIT MANUSCRIPTS

The Rampur Raza Library has about 600 Sanskrit manuscripts, of which most of them are not evaluated properly. These manuscripts are related to different subjects like *Yatha Kavya, Jyotish, Kosh-Nyaya, Purana, Strot, Vedanta*, etc. There are also preserved the manuscripts of Kalidas (*Raghuvansh, Meghdoot, Kumarsambhav*). Some important manuscripts preserved here are:

Meghdoot : This is a lyric poem (*Doot Kavya*) written by Kalidas. The original text is divided into two parts, *Poorvmegha* & *Uttarmegha*, and consists of 115 stanzas.
The Library has three manuscripts of Meghdoot commentary, in which Balbodhini's commentary is in 125 stanzas. It belongs to 1906 Vikram Samvat/1771 Shak Samvat/1849 AD. This commentary was done by Samay Sundar Mani. No records of date and commentator are found for the other two manuscripts.

Tark Sangrah : This manuscript is a combined work of two philosophies i.e. *Nyaya* and *Vaisheshik*. The original text was written by Annambhatt. Four manuscripts of Tark Sangrah are preserved in Library, in which *Tark Sangrah Deepika* was the original commentary of Annambhatt. The writers of other three manuscripts are unknown and one of the manuscript dates 1831 Samvat/1775 AD.

Yajnavalkya Smriti : It is composed by Yajnavalkya Rishi and it is based on the theological treaties of Hinduism. The original text is divided into three parts and each part consists of many chapters. The Library manuscript has also three parts but it does not posses complete chapters. It belongs to 1877 samvat/1821 AD and was written by Talfi.

Ghatkarpar Kavya : Ghatkarpar was among the nine gems of Vikramaditya. It is a belief that Ghatkarpar kavya was written by Ghatkarpar. This is a lyric poem in which the heroine is expressing her separation from her beloved. It has only 22 verses of poetry. The manuscript in Raza Library also posses 22 verses in rhetoric antanaclasis. The commentary was done by Tarachand.

Vedantsar : The original author of Vedantsar was Sadanand Yogindra and it was composed in 16th century. It gives the detail of *Advaita Vedanta* (one-God philosophy). The library manuscript is not complete and it is of 1847 AD/1904 samvat.

Thus, the library possesses many rare manuscripts of Sanskrit which can be beneficial for the scholars to work on them.

An illustrated page from *Shrimad Bhagwad Gita*,
18th century

There are Hindi manuscripts and books in the collection of the Raza Library which were originally written in Persian script like *Ras Prabodh*, *Madhumalti*, *Ang Darpan* etc. These are published in Devnagri script for the people. But there are more important manuscripts like *Padmavat* left for publishing in devnagri.

Among the important manuscripts, *Madhumalti* of Malik Manjhan is preserved, besides *Padmavat* of Malik Muhammad Jaisi with Persian translation in Nastaliq script is the most valuable work. *Ang Darpan* & *Ras Prabodh* of the celebrated Hindi poet Ghulam Nabi Raslin Bilgrami (1741 A.D), *Naghmatul Asrar* of Shah Muhammad Kazim on Hindustani music and *Nadirat-i-Shahi* the collection of Hindi poems of Shah Alam II of Mughal dynansty are preserved in the Library as well as published by library.

COLLECTION OF TURKISH MANUSCRIPTS

The Turkish language had a notable impact on Indian politics both under the Sultans of Delhi and particularly the early Mughals. There are several Turkish words commonly used in Hindi, Urdu and other regional languages. Emperor Babur was a prolific writer and a poet in Turko-Uzbek language and was considered an inventor of a particular style, both in prose and verse.

The Rampur Raza Library is distinguished to have atleast 50 rare manuscripts in Turkish language besides having the unique manuscript of Babar's Bayaz popularly called *Diwan-i-Babar* bearing a Turkish Rubai (Quatrain) in his own hand writing. Its first folio bears the seal and signature of Akbar's General Muhammad Bairam Khan who wrongly attributed the writing of Diwan to Babur. This mistake was rectified by Emperor Shah Jahan in his own hand writing that the only Rubai (Quatrain) in Turkish is in the hands of Firdaus Makani (Babar). Evidently, this unique manuscript is the royal copy of 16th century. The Library has published it in original.

A page from Diwan-i-Babur

Among other rare Turkish manuscripts mention may be made of a unique but incomplete copy of *Diwan-i-Bairam Khan* in Turkish language in Nastaliq script. The floral border with pictures of birds is remarkable for its natural beauty. One of the latest works in Turkish language is the daily diary (*Roznamcha*) of the classical poet Insha Allah Khan. It contains significant information about the court of Awadh. The catalogue of the Turkish manuscripts has also been published by Raza Library.

COLLECTION OF PUSHTO MANUSCRIPTS

The Raza Library is also rich in the collection of rare Pushto manuscripts and printed books when compared with the holding of other oriental Libraries in India. Besides commentary on Quran in Pushto, the Library possesses a very rare two volume collection of *Diwan of Khushal Khan Khatak* which is immensely ornamented in gold written in Nastaliq characters. It is related to the era of poet, Shahjahan. There is another rare illustrated Diwan of celebrated Sufi poet Rahman Baba. Mention

An illustrated page of *Diwan-i-Rahman Baba*

may also be made of works in Pushto which were done at Rampur including the Pushto manuscripts of Hafiz Rahmat Khan, the hero of the Rohila Afghans in India who laid down his life fighting against the British in 18th century.

COLLECTION OF PAINTINGS

The Rampur Raza Library is singularly rich in rare miniatures, portraits and illustrated manuscripts representing Mongol, Irani, Mughal Deccani, Rajput, Pahari, Awadh and British Schools of Paintings, largely untapped wealth of the Library holdings.

There are thirty five albums of portraits and miniatures in the Library which contain more than four thousand paintings of immense historical value. There is a unique album designated as 'Tilism' of the early years of Akbar's reign containing 157 miniatures which portray the life of different strata of society, besides astrological and magical concepts, one of royal banners bears the Quranic verses and this symbolic Timurid banner is also painted with the sun and a lion while others bear the zodiac signs. The album also bears the seals of Awadh Rulers which indicate that it was in their possession. The Library holdings have an album bearing the portraits of Saints and Sufis also.

A very valuable album of 'Ragmala' which illustrates the 35 Ragas and Ragnis through beautiful landscape, gods and goddesses, young musicians both male and female, different weathers, times and moods, exclusively, painted in the 17th century in Mughal style, is matchless.

Painting of Rag Hindol from Album *Ragamala*

Mughal miniature from Album *Jahangirnama*

Some of the albums bear the portrait of Mongol, Timurid and Mughal Rulers with their Princes and Noblemen. Among the rulers mention may be made of Changez, Hulaku, Timur, Babar, Humayun, Akbar, Jahangir, Shah Jahan, Aurangzeb, Muhammad Bahadur Shah Zafar, Gulbadan Begum, Nurjahan Begum, Bairam Khan, Itimad-ud-Daula, Asaf Khan, Burhan-ul-Mulk, Safdar Jung, Shuja-ud-Daula, Asaf-ud-Daula, Burhan Nizam Shah II, Sultan Qutb Shah, Abul Hasan Tana Shah besides the collection includes the picture of Iranian kings and princes such as Safawid ruler Shah Abbas. There are miniatures of Maulana Rumi and Hafiz Shirazi too.

Among some royal painters whose works are preserved in the Library are-

Abul Hasan Nadir-uz-Zaman	Govind	Farrukh Chela
Asi Qahar	Lal Chand	Fath Chand
Bichitr	Lekh Raj	Kanha
Bhavani Das	Manohar	Govardhan
Chitrman	Muhammad Abid	Ghulam Murtaza
Dal Chand	Narsingh	Muhammad Husain
Ram Das	Thakur Das	Muhammad Yusuf
Sanwla	Muhammad Afzal	

COLLECTION OF ISLAMIC CALLIGRAPHY

The Rampur Raza Library is singularly unparalleled repository of the specimens of Islamic calligraphy of the celebrated master calligraphers of Central Asia, Persia and India such as Mir Ali, Muhammad Husain Kashmiri, Zarrin Raqam, Sultan Ali Mashadi, Aaqa Abdul Rasheed Dailami, Dara Shikoh, Mir Imad Al-Husaini, Abdullah Mushkin Qalam, Gulzar Raqam, Muhammad Akram, Muhammad Habib, Muhammad Masum, Mumin Al-Husain, Muhammad Rafi, Muhammad Hashim, Muhammad Amin Samarqandi, etc.

The famous calligraphers of Rampur State whose specimens are preserved in the Library are Mir Iwaz Ali, Adil Malihabadi, Maulwi Ilahi Bakhsh, Marjan Raqam, Ghulam Rasul Kashmiri, Muhammad Hasan Kashmiri, Muhammad Salamullah Rampuri, Muhammad Azim Ullah Khan Pahlawan Raqam, Muhammad Ali, Mahdi Ali Khan, etc.

Specimens of Islamic Calligraphy

ASTRONOMICAL INSTRUMENTS

Scientific instruments of the pre-modern period, like literary documents, constitute an important source of the reconstruction of history of science and technology. Often they are also artistically valuable pieces. In museums and private collections all over the world, there exists today a large corpus of Indian astronomical and time-measuring instruments produced after pre-Islamic or Islamic prototypes. Like manuscripts and paintings, like sculpture and jwellery, these instruments are also part of our cultural and intellectual heritage.

The Rampur Raza Library possesses an important collection of unique and rare astronomical instruments. The collection consists of three regular astrolabes, one Mariner's astrolabe, four celestial globes, one sine quadrant, one perpetual calendar-cum-horary quadrant and one horary quadrant-cum-nocturnal. Seven of these instruments were manufactured in India, two emanate from Middle East and two are of European make. Chronologically, they belong to the thirteenth, fifteenth, sixteenth, seventeenth and nineteenth centuries and carry legends in Arabic, Persian, Sanskrit and English.

The oldest instrument of the collection is an astrolabe made by As-Siraj Damashqi in 626 A.H. (1228 A.D.). This instrument was used to measure the speed of the sun & constellations while travelling in the ocean. Another astrolabe by this instrument maker is one dated 623-628 A.H. (1226-30 A.D.) in the Salar Jung Museum, Hyderabad and other of 628 A.H. (1230 A.D.) is with the National Museum, New Delhi.

Kufic Astrolabe

Celestial Globe

Another instrument is a Celestial Globe crafted by Muhammad Ibn Jafar in 834 A.H. (1430-31 A.D.) at Kirman, Iran. Equally important is a mariner's astrolabe in this collection, it is unsigned and undated. Another astrolabe is designed by Ziauddin Muhammad of Lahore, dated 1074 A.H. (1663-64 A.D.). The library has published their catalogue entitled 'ASTRONOMICAL INSTRUMENTS IN THE RAMPUR RAZA LIBRARY'.

COINS & OTHER MUSEUM OBJECTS

There are 1361 rare coins preserved along with different antiquities in Rampur Raza Library. A good number of coins are in silver, copper and billon. The gold coins also mark their presence in the collection. Small quantity of coins is related to ancient period which are known as punch-marked coins. Most of the coins belong to the Sultanate and Mughal period. These coins have been catalogued.

The numismatic collection is the pride possession of Rampur Raza Library as it has the coins from Delhi Sultanate (1206-1526) mainly belonging to Khilji dynasty (1290–1320) namely, Ala ud-Din Muhammad Shah I, Qutb ud-Din Mubarak Shah I and Tughluq dynasty (1320–1414) namely, Ghiyasuddin Tughluq Shah, Muhammad Shah II; from Mughal Empire (1526-1857) namely, Shah Jahan, Shah Alam I, Bahadur Shah I, Roshan Akhtar Mohammed Shah, Ahmed Shah Bahadur, Azizuddin Alamgir II, Shah Alam II and from Durrani Dynasty (1747-1826).

Medieval Coins

The other rare museum objects include swords, daggers, medals, wine pots, cressets, lamps, chandeliers, etc. which are displayed time to time. These antiquities are being catalogued.

Various Museum Objects

ACT AND REGULATIONS

(A) Act:

The Government of India took over the Library with effect from the July 1st, 1975 under the Rampur Raza Library Act No. 22 of 1975. The affairs of the Library are managed by the Rampur Raza Library Board, which has been set-up under section 4(2) of the Act.

(B) Regulation:

Under section 24 of the Rampur Raza Library Act 1975 (22 of 1975), the Board and the Ministry of Culture, Government of India formulated five regulations for the discharge of various functions sanctioned by the Act.

The following five regulations have been notified. :

The Rampur Raza Library (Maintenance) Regulations
The Rampur Raza Library (Administration) Regulations
The Rampur Raza Library (Board Meeting) Regulations
The Rampur Raza Library (Delegation of Financial Powers) Regulations
The Rampur Raza Library Service Rules & Regulations

OBJECTIVES

The main purpose of the Library is to extend all facilities to the scholars in their researches and to ensure preservation and protection of the invaluable rich collection of rare manuscripts and books besides publishing texts of Arabic, Persian, Urdu and Hindi manuscripts and organising workshops, seminars, exhibitions and special lectures etc. for promotion of learning and creating awareness among the scholars.

RAMPUR RAZA LIBRARY BOARD AND SUB-COMMITTEES

After the legislation of Rampur Raza Library Act in 1975 by the Parliament of India, the Library was given the status of an Institution of National importance with a provision of the Rampur Raza Library Board as its managing body under section 4(2) of the aforesaid at it occupied position of a governing body with Honourable Governor of Uttar Pradesh as the Chairman. There is a provision for twelve other members including one member of the descendants of the erstwhile Nawab family of Rampur, distinguished scholars from the field of history, Arabic, Persian and Urdu literature besides officials of the Central and State Governments related with affairs of the Library are ex-officio members.

The present composition of Library board and the sub committees are listed in **Appendix II (Page no. 59 – 62)**.

BOARD MEETING

Rampur Raza Library Board held **49th Meeting of Rampur Raza Library Board** to propose new schemes for the development of Library. The meeting was chaired by Smt. Anandiben Patel, Honorable Governor of Uttar Pradesh and Chairman, Rampur Raza Library on 20th December 2019 in the Committee Room, Raj Bhawan, Lucknow.

49th Board meeting

SUB-COMMITTEE MEETINGS

- The meeting of Conservation Committee for Library building held on 27th April 2019.
- The meeting of ILSSC for Tagore National Fellowship held on 19th June 2019.
- The meeting of Awards Search Committee held on 6th July 2019.
- The meeting of Conservation Sub- Committee held on 13th November 2019.
- The meeting of Departmental Committee for Official Language held on 8th March 2020 in the chairmanship of Shri Aunjaneya Kumar Singh, Director in the meeting room. The members of the meeting, Dr. Kishwar Sultana, Former Professor, Hindi Dept. Govt. Girls Degree College Rampur and Dr. Abdul Rauf, Principal, Sahara Degree College, Rampur participated in the meeting. Dr. Abusad Islahi, Library & Information Officer was also present in the meeting.

SECURITY OF LIBRARY

The watch and ward of the Library is one of the important functions of its management. The security of the Rampur Raza Library is under the control of a force comprising of 26 personnels of Central Industrial Security Force (C.I.S.F). With the continuous extension of Library collection, round the clock vigil is to be maintained. Iron grills were provided to all the doors and windows of the Hamid Manzil which houses rare collections and priceless art objects. All the readers, visitors and scholars have to pass through a metal detector gate to make an entry into the Library premises. The readers, visitors and scholars can enter the reading room in the main building after a security check and recording their names and addresses in the register kept in the cloak room in the custody of C.I.S.F personnel. Bags and Polythene are not allowed inside the Library. Cameras are also not permitted. The entire Library is well connected with CCTV and security personnel check it round the clock. Library campus is well equipped with Fire extinguishing system for the prevention of fire damage to the collection.

RAMPUR RAZA LIBRARY AWARDS

The major contribution in collecting Raza Library's priceless academic heritage is of first Nawab, Nawab Faizullah Khan & Nawab Raza Ali Khan. To memorize the work of both the Nawabs, in 1995, Rampur Raza Library Board has decided to give the awards in the name of Nawab Faizullah Khan & Nawab Raza Ali Khan, in the categories of Arabic, Persian, History, Arts & Sanskrit. Besides these, the other awards are also planned in some other subjects and areas.

The amount for **Nawab Faizullah Khan Award** is Rupees One Lakh Eleven thousand, Rupees One Lakh Eleven thousand is for **Nawab Raza Ali Khan Award**, Rupees One Lakh is for **Munshi Naval Kishore Award** in Urdu publication, Rupees One Lakh is for **Maulana Mohd Ali Jauhar Award Senior Award** in Journalism, Rupees Fifty Thousand is for **Maulana Mohd Ali Jauhar Junior Award** in Journalism.

Name of Award	Award Receipient	Category
Nawab Faizullah Khan Award 2017-18	Padamshri Prof. Akhtarul Wasey Vice-Chancellor, Maulana Azad University, Jodhpur	Islamic Studies
Nawab Raza Ali Khan Award 2017-18	Dr. Syed Ehtesham Ahmad Nadwi Former Head, Dept. of Arabic, Calicut University	Arabic Literature
Munshi Naval Kishore Award 2017-18	Areeb Publication, New Delhi	Urdu Publication

RAMPUR RAZA LIBRARY SCHOLARSHIPS

In order to promote research work, the Library provides monetary assistance to the scholars. Scholarships have been granted on the pattern of the University Grants Commission (U.G.C). The main purpose of the scholarships is to associate the scholars for translating texts of important manuscripts of the Raza Library collection in the field of history, art, culture and literature. The research scholars, who are engaged in research work without any financial support from the University Grants Commission etc., are benefited from the scheme. Research scholarships are awarded to scholars and experts in academic fields.

For the year 2019-20, four scholarships had been provided to the following scholars in respective fields:

1. Dr. Athar Masood Khan — Urdu scholarship
   Urdu Scholar, Rampur
2. Dr. Shaista Akhtar — Arabic scholarship
   Arabic Scholar, Rampur
3. Dr. Farhina Bi — Persian scholarship
   Persian Scholar, Rampur
4. Dr. Anees Abbas Rizvi — Sanskrit scholarship
   Sanskrit Scholar, Aligarh

TAGORE NATIONAL FELLOWSHIP/SCHOLARSHIP

It is a matter of pride for Rampur Raza Library that it has been selected as Nodal institution for Ministry of Culture's reputed Tagore National Fellowship/Scholarship. The National Selection Committee of the Ministry of Culture, Govt. of India selected two scholars for the batch of 2017-18 from Rampur Raza Library i.e. Dr. Pradeep Jain to research on the topic "Impact of Mahatma Gandhi on Indian Culture" for Tagore National Fellowship and Dr. Naqi Abbas for Tagore National Scholarship to research on "Translation of Jahangir Nameh- Annonation and Edition". The fellowship/Scholarship duration is two years and both the scholars started their research in February 2019.

It is pertinent to mention that under this scheme of Ministry of Culture, Govt. of India, 37 institutions are recognized as nodal institutions and one institution can be given maximum one fellowship & one scholarship. The selection of Rampur Raza Library under this scheme will definitely help in generating positive changes in the research environment of the library.

NEW ADDITIONS TO LIBRARY

Prof. Wajeehuddin Collection : In the year 2019-20, Prof. Sheikh Wajeehuddin, Former Head, Dept. of Persian, Baroda University, Gujarat presented 446 books as gift to the library from his personal collection. These books includes Tuzuk-i-Babri, Farsi Adab ki Mukhtasar Tareekh, Tutiyane Hind, A history of Nawabs of Baroch, Persian and Arabic Epigraphy of Gujarat, The Bustan Saadi Shirazi (English Translation), Bhagwat Gita (Persian Translation), Talib-i- Amuli, etc. The Library named the Collection "Prof. Wajeehuddin Collection" for the scholars to take benefit from it.

Prof. Syed Hasan Abbas Collection: During 2019-20, Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director, Rampur Raza Library gifted 1070 books from his personal collection to the Library. The library named the collection after him.

Kishan Saroj Collection : The Library receives 512 books from Shri Kishan Saroj, famous writer of the country in the year 2018-19. The Library named the collection as Kishan Saroj Collection and it includes 265 books and 247 periodicals & magazines containing important information.

Shri Saroj was honoured with Sahitya Bhushan from Uttar Pradesh Hindi Institute in 2004. He had flourished his songs across the globe in London, Nepal, etc. and he had also participated in 1st Hindi Vishv Sammelan held in Manchester.

During the year 2019-20, from his collection

- 265 books were entered into catalogue register.
- 280 catalogue cards were prepared for 90 books.

Periodical Section : The Library has a holding of thousands of periodicals and magazines collected during a course of time. The library received many periodicals & magazines as gifts and it also purchased them every year according to the need of the readers. These are now transformed into a new section at ground floor, named as Periodical Section. These books are being classified and accessioned. The collection includes 7560 English periodicals, 6966 Hindi and 8000 periodicals of Urdu, Arabic and Persian.

The Periodical Section was inaugurated by Smt. Anandiben Patel, Hon'ble Governor of UP/Chairman, Rampur Raza Library Board on 17th February 2020.

The collection was categorized datewise and binded. During 2019-20,

- 2875 periodicals were bound.
- 2495 periodicals (123 Arabic, 1970 Urdu & 402 Hindi) were catalogued.
- Prepared card catalogues of 2495 periodicals (123 Arabic, 1970 Urdu & 402 Hindi).
- Labelling of 2637 periodicals.
- 383 Hindi periodicals were feeded in KOHA Software.

TECHNICAL SERVICES

The Library collection is enriched through purchase, exchange and gift. During the period, the Library acquired 781 books, 784 periodicals and 8105 newspapers which were accessioned properly. The Library acquires such books and periodicals which are required to meet the demands of the research scholars & readers. The work of labeling and dusting of books is done regularly. 2194 books and 2495 periodicals were newly labelled. The Library also keeps card catalogue up to date and cards were checked.

During the year, following material was acquired by the library:

1.	Books	By gift		By purchase	
	Hindi	103		43	
	English	18		15	
	Urdu	322	462	259	319
	Arabic	03		01	
	Persian	16		01	

2.	Language	Newspapers	Periodicals
	Hindi	3,780	143
	English	1,914 } 8,105	114 } 784
	Urdu	2,411	493
	Arabic		34

The Library holds a sizeable collection of photographs, audio and video CDs of seminars, workshops, special lectures and cultural programmes organized by library.

S. No.	Programme	Date	Photographs
1.	Extension Lecture: Iqbaliat aur Maulana Abdus Salam Khan	28th April 2019	94
2.	One day Worksop on Cataloguing & Classification	29th April 2019	36
3.	International Day of Yoga	21st June 2019	80
4.	Celebration of anniversary of Munshi Premchand	31st July 2019	70
5.	Extension Lecture- Ameer Minai	4th August 2019	70
6.	Independence Day	15th August 2019	72
7.	Gandhi Jayanti	2nd October 2019	70
8.	National Unity Day	31st October 2019	60
9.	Extension Lecture : Constitution Day Workshop on Fire Fighting Equipments	26th November 2019	150
10.	Lecture series & Sangeet Sandhya on Acharya Kailash Chandra Brahaspati	20th January 2020	118
11.	Republic Day	26th January 2020	47
12.	Indo – Uzbek Exhibition Visit of Ambassador of Uzbekistan	3rd to 10th February 2020	154
13.	Rampur Raza Library Awards Ceremony	17th February 2020	162
14.	Extension Lecture : Ghalib ka Andaz-e-Bayan	27th February 2020	55
15.	a) Meeting of Rajbhasha Committee b) Exhibition on National Communal Harmony & Integration c) Conference on Women Empowernment	8th March 2020	72
	Total		1310

CATALOGUING

The descriptive cataloguing of manuscripts as well as printed books is essential for the scholars, researchers and staff of the Library. Compilation of catalogues of Library collection was initiated by Hakim Ajmal Khan, the then Library Incharge. In his guidance, first volume of Catalogue of Arabic manuscripts in Urdu, *Fehrist-i-Kutub-i-Arabi* comprising manuscripts of 46 subjects was published in 1902 AD. The second volume of Catalogue of Arabic manuscripts prepared by Molwi Mohd Nabi in the guidance of Hafiz Ahmad Ali Shauq, the then Librarian, comprising manuscripts of 20 subjects was published in 1928 AD. The third volume of Catalogue of Arabic manuscripts prepared by Hakim Ajmal Khan comprising manuscripts of 9 subjects was published in 1929 AD.

Instead of doing cataloguing in Urdu, Maulana Imtiyaz Ali Arshi, the then Director of Library compiled six volumes of Catalogue of Arabic Manuscripts in English so that larger section of scholars could be benefitted. The first volume contains Quranic Sciences & the Science of Theology (1963), second volume contains Prayers, Theology & Polemics (1966), third volume contains Principles of Jurisprudence, Dialectics, Polemics, Jurisprudence & Law of Inheritance (1968), fourth volume contains Sufism, Holy Scriptures, Logic & Philosophy (1971), fifth volume contains Mathematics, Medicine, Natural Science, Agriculture, Occult Sciences, Ethics & Politics, Education & Military Science (1975) and sixth volume contains History, Biography, Travels & Geography published in 1977 AD.

The Handlists of the manuscripts were very useful till date. Now, the manuscripts are catalogued subject & language wise. The published catalogues of manuscripts of different languages of Library are enlisted in **Appendix III (Page no. 63).**

During the period, 622 manuscripts & 3009 books were catalogued, 826 books were classified and 1267 card catalogues of different languages were prepared, arranged and shelved. The cards were also arranged and kept in the cabinets.
Following work has been done during the year:

1.	Cataloging	Manuscripts		Books	
	Arabic	227		481	
	Persian	325		55	
	Sanskrit	-	622	-	
	Urdu	34		2229	3009
	Hindi	36		211	
	English			33	

2.	Classification		Books	
	Arabic		21	
	Persian		55	
	Urdu		459	826
	Hindi		194	
	English		97	
3.	**Card Catalogues**		**Books**	
	Arabic		21	
	Persian		55	
	Urdu		459	1267
	Hindi		633	
	English		99	

COMPUTERIZATION & DIGITIZATION

During the period, entries of database for 622 manuscripts and 2230 printed books have been prepared in bibliographical information through the computer.

Computerization	Manuscripts		Books	
Arabic	227		460	
Persian	325		--	
Sanskrit	-	622	--	
Urdu	34		1770	2230
Hindi	36		--	
English	--		--	

RRL has made its catalogue of printed books online with Koha open source library automation software. Users from across the globe can access the catalogue of our books on our website. The metadata of 1269 books were prepared and uploaded during the year.

Metadata uploaded	Books	
Arabic	21	
Persian	55	
Urdu	459	1269
Hindi	701	
English	33	

The digitization of manuscripts is a regular process in Library. The printed books are being digitized with the co-operation of Rekhta Foundation, New Delhi.

S.No.	Digitization & Metadata Creation	
1.	Manuscripts	3,14,157 pages from 2522 manuscripts
2.	Printed Books	5,62,224 pages from 6276 books

REFERENCE SERVICES TO SCHOLARS

Scholars from India & abroad study and utilize the rich collection of Rampur Raza Library. The Library is fully sensitive to the services of its users. There is one specific room of research and information for scholars of higher researches in the Library. It provides the material to the scholars of India & abroad. During the period, 64 research scholars consulted 577 manuscripts and 763readers were issued 8,290 printed books. 10 CDs of digitized manuscripts were issued to scholars. Besides, a large number of people visited Library's Museum in the Darbar Hall. List of scholars from India & abroad is enclosed at **Appendix IV (Page no. 64 – 65).**

The students from various schools and colleges visit library to know about Indian culture & history and are astonished at the collection. They also mark their presence in the competitions & cultural programmes organized by library. List of students from different schools is enclosed at **Appendix V (Page no. 66 – 68)**

The Library also provides photographs of manuscripts and photo copies of selected pages of printed books to the scholars on payment basis. 3,125 photo copies of printed books were supplied to the scholars during the period. Moreover, 132 publications of the Library were sold and 502 published books, journals, etc were gifted to the scholars.

SERVICES TO THE READERS

Aimed at strengthening the reading room services, the Library has a hall, where the readers can read the newspapers, periodicals and magazines of their choice. The tables are always occupied with the readers, who wish to keep themselves updated with daily news and general knowledge.

Reading Room is furnished with steel card cabinets to keep card-catalogues of the printed books as per Library Science Rules, wooden racks to keep the periodicals and magazines in proper manner, wooden tables to keep newspapers and comfortable chairs for the readers to sit and read newspapers, magazines and periodicals. The newspapers and periodicals are kept in the record, as a valuable source of information

and can be utilized by scholars later on. It is proposed to furnish Reading Room with new equipments and it should be computerized.

View of Reading room

During the period under review, the Library received 8105 issues of newspapers and 784 numbers of periodicals and magazines. 80,806 general readers visited the reading room for newspapers and magazines.

PROJECTS UNDERTAKEN BY LIBRARY

Government of India is running various projects which are very important for the cultural heritage. These projects are for conserving and promoting our heritage among people. The projects undertaken in library are as:

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS

The National Mission for Manuscripts was established in February 2003, by the Ministry of Culture, Govt. of India. It was launched by former Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee. Mission seeks to unearth and preserve the vast manuscript wealth of India.

National Mission for Manuscripts New Delhi, has designated Rampur Raza Library as Manuscript Conservation Centre. The Manuscript Conservation Centre is now working in Raza Library and the work done by the MCC is done in **Appendix VII (Page no. 74 – 75).**

BROADCASTING THROUGH ALL INDIA RADIO

Rampur Raza Library sponsored Urdu Programme for the promotion, publicity and information of Rampur Raza Library's collections. This Urdu Programme broadcasted on every Friday at 8:30 a.m by all the centers of All India Radio of Uttar Pradesh and

Uttrakhand and approximately two crore audience benefited by the speeches given by Rampur Raza Library Staff members and other personnel.

PUBLICATIONS OF THE LIBRARY

The Library has published 230 publications till now. In the year 2019 – 2020, following 07 books and 05 issues of Newsletter were published –

- *Khootut-e-Dagh (Urdu)*
- *Rooh ki Bedari (Urdu)*
- *Mohavrate Begmaat (Urdu)*
- *Majalis-e-Rangeen (Urdu)*
- Rampur Raza Library Journal No. 32 (Urdu)
- Rajbhasha Patrika (Kabir Das Visheshank)
- *Rajbhasha Patrika (Gandhi Visheshank)*
- Rampur Raza Library Newsletter (19th – 23rd issues)

CONSERVATION & PRESERVATION

Conservation Laboratory conserved successfully a number of art objects on paper e.g. manuscripts, books, miniature paintings. Before conservation treatment of any object, photographic documentation is carried out in order to keep the proof of status of the art objects received and also it helps the conservator in the treatment and for future use too. The object is carefully examined and according to need, appropriate treatment is given to enhance the life expectancy of the objects for rare and valuable collections.

The conservation laboratory successfully conserved 1720 folia of damaged rare manuscripts, 1796 folia of old printed books, one oil painting of Mirza Ghalib, Photographic album of Kapurthala and 20 documents (6 handwritten & 14 printed). The details of the conserved objects are enclosed in **Appendix VI (Page no. 69 – 73).**

BINDING

The Library has a binding section in which old and damaged bindings of books are repaired or replaced and newly purchased magazine and journals are bound. During the period, 29 manuscripts, 295 books and 2875 periodicals received new binding and repairs. Besides registers, note books, photo albums were also bound. For the binding of rare manuscripts and old printed books, binding section used acid free mount boards and hand made papers. Binding section is working under the supervision of conservation laboratory.

TRAINING/CONFERENCE

- Time to time, Conservation Laboratory imparts training on 'Method of Handling, Dusting and Transportation of Manuscripts and Printed Books' to the Dusting staff of Library. They are trained for the cleanliness and maintenance of books and art objects. They are also taught the safe transfer of manuscripts, books and various art objects of Rampur Raza Library.

- Mr. Syed Tariq Azhar, Senior Technical Restorer received Four months Fellowship in Conservation under The Indian Conservation Fellowship Programme organized by Ministry of Culture, Govt. of India and The Andrew W. Mellon Foundation. He has completed his fellowship in The Freer Sackler Gallery of Art and Smithsonian Museum of Asian Art, Washington D.C., USA from 11th March 2019 to 28th June 2019.

- Mr. Syed Tariq Azhar, Senior technical Restorer participated in Annual Seminar of the Indian Conservation Fellowship Programme organized by Ministry of Culture, Govt. of India and the Andrew W. Mellon Foundation on 5th & 6th November 2019 at National Museum Institute, New Delhi.

- Three months Training in conservation was imparted to Ms. Tayyeba Khan from 1st August to 31st October 2019.

MUSEUM WORK

Rampur Raza Library is running a museum in Darbar Hall of Hamid Manzil. The museum displays manuscripts, paintings, various art objects and specimens of calligraphy. It also curates exhibitions on different occasions and provides a beautiful view to the visitors with its stately grandeur. The gold embellished ceiling, life-size falcon marble statues, antique chandeliers, etc attract the visitors towards it and leads them to a dream world.

As the museum is continuously working for documentation & conservation of museum objects, following work is done during the year:

- Documentation of 25 archeological objects and 61 rare coins.
- Preventive conservation of 150 art objects.
- Curative conservation of 7 objects.
- Preparation of Captions & display of 83 museum objects.
- Verification of Museum objects.

NEW APPOINTMENT

Ms. Nida Farheen had been appointed on the permanent post of Technical Restorer in Rampur Raza Library on 18th February 2020.

SOCIAL PLATFORMS OF RAZA LIBRARY

At present, the knowledge is exchanged via technical or social media in the world. The facebook and twitter are such media and are being used on social sites across the world. All the organizations, government or private, are now active on these social sites.

As per the guidelines of Central Government, Rampur Raza Library has created page on facebook and twitter. The scholars, students and many knowledge seekers visit and like the Library's page on these social sites. Anyone can get the latest updates of the Library from these sites.

The Rampur Raza Library facebook page link is
https://www.facebook.com/Rampur-Raza-Library-796721687061917/

The link of Library's twitter account is
https://twitter.com/RazaLibrary

Library has also created a **You Tube channel "Rampur Raza Library Ministry of Culture Government of India"**. On this channel, the videos of different programmes are uploaded.

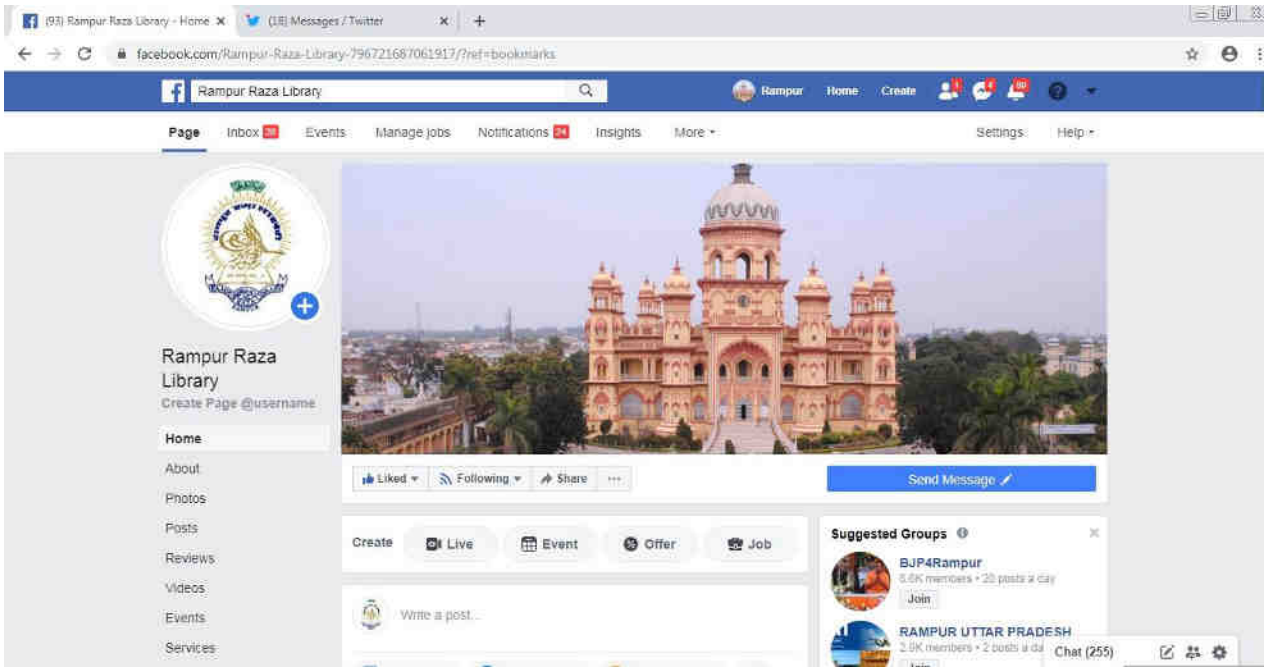

facebook page

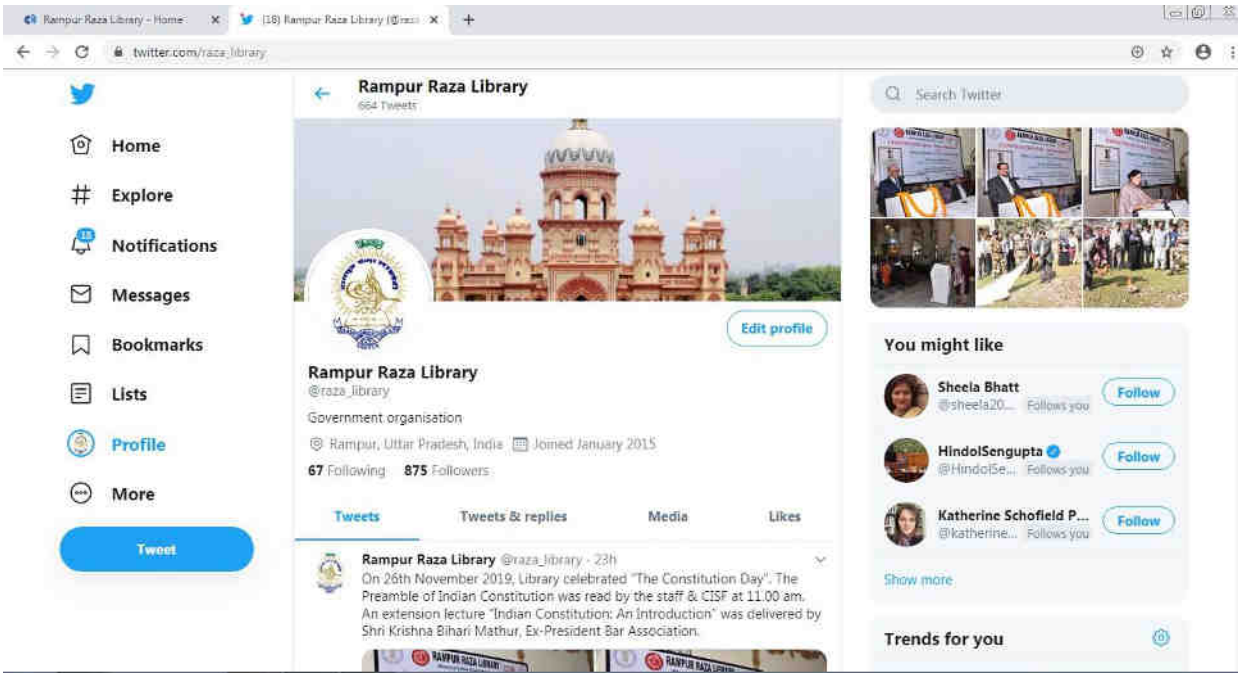

twitter page

DISTINGUISHED VISITORS

The Library is feeling proud to host a large number of visitors from all over the world. The important visitors and their comments about the Rampur Raza Library are as:

- Mr. B. Ilangovan, Expenditure Observer visted on 16th April 2019. He wrote, "Amazing to see the rare collection of books and paintings. Real assest to the present and future generations to understand history in a right perspective. All the very best."

- Mr. Marc Toutant, Paris CNRS visited on 25th April 2019. He wrote, "This was a great privilege to consult manuscripts in such a library. Apart from its evident beauty the Raza Library is unique in many ways. It hosts a rich collection of rare Turkish and Persian manuscripts. Its Director, Professor Syed Hasan Abbas is a great scholar and a very kind person. The Library members were very helping and supporting and I am very thankful to all of them. I am very looking forward to my next visit."

- Mr. Krishna Kumar, Director Postal Services, Lucknow Head Office visited on 14th May 2019. He wrote, "To see Rampur Raza Library is to fill you with a beautiful feeling. The objects, books and artifacts preserved here not only connect us with our golden past but also show us the spirit of the land that was called Sirmaur. The behavior of the staff is very cordial. The observation of Holy Quran in the holy month of Ramzan is undoubtedfully wonderful."

- Mr. Maitrayee Haldar, Faculty of Fine Arts, M.V.A. at Department of Art, History and Aesthetics, Maharaja Sayajirao University, Baroda visited on 8th July 2019. He wrote, "As a student specifically interested in Islamic manuscripts, the collection of this Library is commendable and should be visited and observed in detail by more scholars. To make scholarly works easier there should be a digital library for viewing such manuscripts so that scholars from afar can preliminary view the manuscripts. The library's published version of manuscripts deserves better printing and publishing quality and could be presented to significant universities and departments all across the nation."

- Shri Vijay Sharma (IRS), Joint Secretary, Ministry of Law & Justice, Govt. of India visited on 11th July 2019.

- Dr. Diloram Karomat, World Scientific Society for Study, Conservation and Promotion of Uzbekistan's Cultural Heritage, Tashkent visited on 11th August

2019. She wrote, "It was a great chance for me to visit Rampur Raza Library again after 18 years and see a positive changes happen to Library related to all spheres. I am also very happy that Rampur Raza Library is engaged to grand project, Cultural Legacy of Uzbekistan in world collections. We are looking forward to album related Cultural Legacy of Uzbekistan in Rampur Raza Library. The rare manuscripts and Kushana period's objects will be included to this album. I want to thanks Prof. Abbas for giving our team from Uzbekistan, a chance to see and filming manuscripts related to Asian culture and other objects and for hospitality and care. Best wishes to all staff of Rampur Raza Library from all members of team of Uzbekistan (Tashkent)."

- Dr. Maura Michel, Professor of History visited the Library with Nawab Kazim Ali Khan and Mr. Arun Ahuja, Mehran Design, New Delhi on 9th September 2019. They were astonished with the architecture of the building and manuscripts, paintings, books & specimens of calligraphy preserved in the library. She wrote, "History is being cherished here. Ancient writings contain very important facts which also affect our present life. To understand history, it is necessary to read it and these people are saving that precious history. I am greatful to all of you conservators; this is a wonderful experience in my life."

- Ms. Ayelet Kotler, PhD Student, University of Chicago visited in September 2019. She wrote, "The Library staff has been extremely helpful and got me all the manuscripts I wanted to examine. The collection here is truly incredible, and the atmosphere is great to focus on the work. The catalogs are easy to use and everything is well organized. I hope to come here again in the future for further archival work."

- Dr. Sanjay Sinha (IAS), Director, Department of Arts, Culture & Youth, Government of Bihar visited on 10th October 2019. He wrote, "Amazing experience visiting the Raza Library of Rampur and looking at its various sections is a big achievement in my life. I will remember for a lifetime the behavior and cooperation of the functionaries working in this library. Compilation of holy books like Holy Quran & Ramayana and even after hundreds of years, the efforts made for their conservation is commendable. This library is such a heritage of the nation that its development will always be less. I would appreciate the timeless hard work/effort of all the office bearers/personnels here and I wish this institution progressive development in future."

- Mr. Prabhakar Kumar (IRS) Joint Commissioner, GST & Central Excise, Customs, Narcotics, Mumbai visited the Library on 19th October 2019. He wrote, "This library is a precious gem in Indian history and literature, preserving the tradition

of Indian culture & literature and carrying forward it to next generation. Some of the calligraphic pictures stored are really mesmerizing and the Quran written in Arabic and Ramayan in Persian shows the rich heritage and acceptance of other culture & its assimilation."

- Mrs. Samina Naqvi, Founder of Sanchaari visited on 21st November 2019. She was so surprised to see the beautiful scenes of the library and the rich collection of the library. She wrote, "Extremely overwhelming experience being here at the Raza library. Much beyond words. Very well maintained and preserved & an absolute treasure. Right from the calligraphic paintings to the marble statues, to the miniature paintings, each one is worth as a treasure. My best wishes to all who are working to carry the legacy forward with so much enthusiasm and hardwork."

- Mr. A. Peter Burleigh, Ambassador of US (Rtd.) visited Library on 23rd November 2019. He wrote, "Thanks so much for an excellent introduction to the amazing collection of world famous manuscripts, paintings and other precious items. I hope to come back for another visit soon."

- Ms. Archana Singh visited on 28th November 2019. She wrote, "I am speechless with the vast collection in the library. Came here without doing any homework on the subject but found a big treasure of amazing things. The way you are preserving the books and paintings of bygone days is very amazing. Seeing the holy book I went through many soul searching thoughts. I am speechless generally this never happens. Got juice for the soul. Very impressed."

- Mr. Pratapanand Jha, Director, National Mission for Manuscripts, New Delhi visited on 7th December 2019. He wrote, "Excellent collection of manuscripts. The conservation and publication of works undertaken by the institution must be given more attention in making this collection/ publication accessible to the academic institutions in India. Goldmine of textual traditions of India. Congratulations!"

- Mr. Mohd. Naseem Khan, LIC Rampur visited on 29th December 2019. He wrote, "Raza Library is not only the pride of Rampur but of the whole India. To understand the culture and ancient civilization of India, it is very necessary to understand this library. The information provided by the staff of the library increases knowledge."

- DIG CRPF Rampur visited on 1st January 2020. He wrote, "Today I visited Raza Library of Rampur. It was a wonderful experience to see the vast collection of ancient books and other collection depicting history and culture which is well preserved. I congratulate all concerned staff and Director for their contribution."

- Ms. Saloni Narayan, CGM, State Bank of India, Local Head Office Lucknow visited on 11th January 2020. She wrote, "Once in a lifetime experience visiting Raza Library of Rampur. A unique treasure trove of rarest of rare collections. Very beautifully maintained. It is a privilege to see the books/artefacts/paintings etc preserved so nicely."

- Dr. Ali Raza Gazweh, Ambassador of Islamic Republic of Iran visited the Library on 12th January 2020. He wrote, "I had the opportunity to visit the library along with Dr. Ehsanullah Shukrullahi & Dr. Balram Shukla on the invitation of the Director and also to participate in the release programme of his new poetic compilation. The Director in collaboration of Iran Culture House is making a tremendous contribution to the publication of the literary treasures for the upcoming generations."

- Dr. Ehsanullah Shukrullahi, Ambassador of Islamic Republic of Iran visited on 12th January 2020. He wrote, "I am very fortunate that I got opportunity to visit second time the famous library of Rampur, Raza Library with Prof. Hasan Abbas & his son. My joy was further doubled to see that the rare manuscripts of Raza Library will be accessible to the scholars with the cooperation of NVLI. I hope that other libraries of the world will also follow it, so that the people around the globe can benefit from the manuscript treasure of Persian literature."

- Mr. Farhod Arziev, Ambassador of Uzbekistan to India visited the Library on 3rd February 2020. He wrote, "I was very impressed by the rich collection of the precious and ancient manuscripts that are preserved in Rampur Raza Library. This collection also contains books and manuscripts related to common history and cultural heritage of Uzbekistan & India. I have been very pleased to see the original handwriting of Zahiruddin Muhammad Babur and many other manuscripts. I thank to the leaderships of Rampur Raza Library for a wonderful tour in the library and warm hospitality.

  I am also pleased to see the preservation service of the precious treasure of Rampur Raza Library. This collection includes books and manuscripts related to culture & history. I was more interested to see that the manuscript of the Diwan

of Zaheeruddin Babur was preserved here. I am grateful for the good hospitality and cooperation of the staff and management of the library."

- Smt. Anandiben Patel, Hon'ble Governor of UP/Chairman, Rampur Raza Library Board visited the Library on 17th February 2020. Her comment is as below:

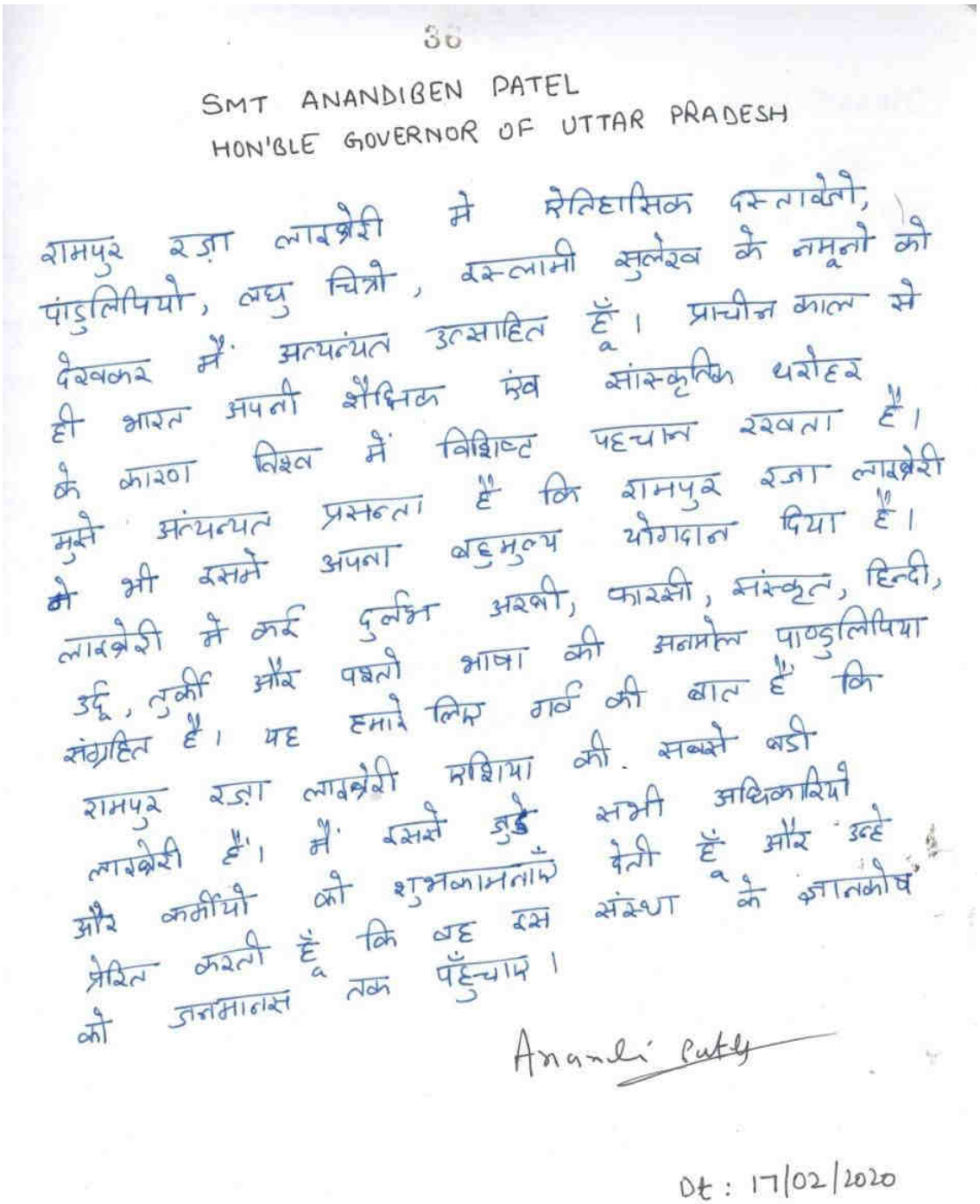

SMT ANANDIBEN PATEL
HON'BLE GOVERNOR OF UTTAR PRADESH

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में ऐतिहासिक दस्तावेजों, पांडुलिपियों, लघु चित्रों, इस्लामी सुलेख के नमूनों को देखकर मैं अत्यन्त उत्साहित हूँ। प्राचीन काल से ही भारत अपनी शैक्षिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के कारण विश्व में विशिष्ट पहचान रखता है। मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने भी इसमें अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। लाइब्रेरी में कई दुर्लभ अरबी, फारसी, संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, तुर्की और पश्तो भाषा की अनमोल पाण्डुलिपियां संग्रहित हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि रामपुर रज़ा लाइब्रेरी मध्यकाल की सबसे बड़ी लाइब्रेरी है। मैं इससे जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देती हूँ और उन्हें प्रेरित करती हूँ कि वह इस संस्था के ज्ञानकोष को जनमानस तक पहुँचाएं।

Anandi Patel

Dt: 17/02/2020

Her Excellency the Governor of Uttar Pradesh / Chairman Rampur Raza Library Board, Smt. Anandiben Patel observing the 7th century Holy Quran attributed to Hazrat Ali.

- Mr. Lakshmi Kant, Senior Treasury Officer Rampur visited on 5th March 2020. He wrote, "Visiting Rampur Raza Library with my family, I feel excited. Preservation of books and manuscripts of many languages is the speciality here. The work of conservation of books by modern technology is highly appreciable and commendable. I hope that the library building and books will continue to inspire the future generations to acquire knowledge in the same way. My best wishes to all the employees/officers."

- Mr. Shyamlal Rahi, Ex-Deputy Director Education (Commerce) visited on 5th March 2020. He wrote, "This Library was established in the court building of Rampur Nawab. It is operated under the Government of India. The building of the library is as beautiful as the books of the library, the items preserved here are more beautiful that anything, there is a lot of knowledge. The books here are very rare to see. I have no words left for appreciating the library. I am grateful to the staff and officers in the library for the kind gesture with which they gave information about the library. I am overwhelmed to see the library today."

ACADEMIC AND CULTURAL ACTIVITIES

EXHIBITION OF BOOKS

On the occasion of 38th death anniversary of Maulana Imtiyaz Ali Khan Arshi, an exhibition of books related to Maulana Arshi was organized from 1st to 10th April 2019. The exhibition was inaugurated by Dr. Mumtaz Arshi and Prof. Syed Hasan Abbas.

The books exhibited were *Farhang-i-Ghalib, Nazar-i-Arshi, Maqatib-i-Ghalib, Mirqatul Adab, Nadirat-i-Shahi, Taareekh-i-Muhammadi, Fehrist Makhtutat-i-Urdu, fehrist Makhtutat-i-Arabi, Intekhab-i-Ghalib, Makalaat-i-Arshi, Diwani-i-Ghalib Urdu, Makatib-i-Ghalib Urdu, etc.*

SWACHHTA PAKHWADA

Rampur Raza Library celebrated Swachhta Pakhwada from 16th to 30th April 2019. It begins on 16th April 2019 with the display of banners, slogans & posters giving information regarding importance and necessity of cleanliness. Then it was followed by the pledge taking ceremony on 16th April by all staff and CISF unit personnel. The pledge was administered by Mr. Himanshu Singh, Technical Restorer. The staff members took pledge to maintain cleanliness in their surroundings, home, work place, public places, etc and to contribute in Swachh Bharat Mission.

The other activities include plantation, cleanliness drives and a symposium. During the Swachhta Pakhwada, Cleanliness drive was conducted in Reading Room, Darbar Hall, Printed Books Section, Galleries, other rooms, terrace and lawns of both the buildings. Also, plantation was done by staff and CISF personnels with the weeding out of unwanted plants.

EXTENSION LECTURE

The second Maulana Abdussalam Khan Memorial extension lecture titled "Iqbaliat and Maulana Abdus Salam Khan" was organized on 28th April 2019. It was delivered by Prof. Abu Sufiyan Islahi, Dept. of Arabic, Aligarh Muslim University and Prof. Hakim Syed Zillur Rahman, Founder Ibn-i-Sina Academy, Aligarh presided over the programme.

WORKSHOP on CATALOGUING & CLASSIFICATION

Rampur Raza Library organized a One-Day Workshop on "Cataloguing & Classification" on 29th April 2019. Dr. Khwaja Ghulamussayedain, Former Director Epigraphy (Arabic & Persian Inscriptions), ASI, Nagpur shared his knowledge & expertise with the

participants. This workshop was to enhance and update the knowledge of Library staff. The staff participated with great enthusiasm and discussed their problems related to the topics.

EXHIBITION of HOLY QURAN AND SPECIMENS OF CALLIGRAPHIES

Rampur Raza Library organized exhibition of "Holy Quran and Specimens of Calligraphies" in Darbar Hall from 28th May to 10th June 2019. The exhibition was inaugurated by Dr. Shairullah Khan, Manager, Madrasa Furqaniya, Rampur and Maulana Mohd. Zama Baqri, Imam, Masjid Imambara, Qila Rampur.

Seventh century Hazrat Ali's (R.A.) handwritten Quran, Eighth century Quran written by Imam Abu Abdulla Jafar bin Muhammad bin Ali in Kufi script, Quran written in Arabic

Naskh bahar script in 1379 A.D, very beautiful Quran written in Arabic Naskh script in 1315 A.D, Quran of 1669 A.D in which three lines are written in golden Sulus script and twelve lines in black Naskh script, Quran written in Arabic Naskh script in 1103 A.D., Quran written by Muhammad Raza Kashmiri in Arabic Naskh script in 1743 A.D. in which the space between lines is decorated with gold water, Quran written by Kamaluddin Hasan bin Muhammad Miraq al Husaini al Najfi in Naskh script in 1152 A.D. and many other rare copies of Quranic manuscripts were exhibited in this exhibition. Calligraphies of scripts like kufic, naskh, nastaliq, rehan etc were exhibited.

INTERNATIONAL YOGA DAY

Yoga is an invaluable gift of ancient bhartiye tradition. It is an ancient art and spiritual process which brings the body, mind and soul together. It embodies unity of mind and body; thought and action; restraint and fulfillment; harmony between man and nature and a holistic approach to health and well-being. On December 11th, 2014, the United Nations General Assembly (UNGA) approved the proposal to establish June 21st as "International Day of Yoga" and the first International Day of Yoga was celebrated on 21st June 2015.

Fifth International Yoga Day celebrated on 21st June 2019. The CISF Unit and Library members performed Yoga under the instructions of Mr. Manoj Kumar & Mr. Rupak Roy, CISF Personnel, Raza Library at 7.00 a.m.

EXHIBITION OF HOLY QURAN (HYDERABAD)

A three–day International Seminar and Exhibition on the Holy Quran was organized by the consulate of Iran, Hyderabad that was inaugurated by the State Home Minister Shri Mohammed Mahmood Ali at Salar Jung Museum on 22nd June, 2019. In this, Rampur Raza Library displayed the facsimile of its rare and illustrated manuscripts of Holy Quran, including the 7th Century Quran attributed to Hazrat Ali written on parchment in Kufic script from 22nd to 24th June 2019.

PLANTATION

On 24th July 2019, Plantation was done by Dr. Khwaja Ghulamussayedain, Former Director Epigraphy (Arabic & Persian Inscriptions), ASI, Nagpur, Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director, Rampur Raza Library, Dr. Abusad Islahi, Library & information Officer, Mr. Syed Tariq Azhar, Sr. Technical Restorer and Mr. Vishal Kumar, the then Incharge CISF Unit RRL. All other staff members and CISF personnels were present on the occasion.

EXTENSION LECTURE & EXHIBITION ON PREMCHAND

An extension lecture, "Contribution of Premchand in Literature" was organized on the occasion of 139th birth anniversary of Munshi Premchand (famous writer, literateur & freedom fighter). It was delivered by Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director on 31st July 2019. Famous Poet of Rampur Shri Azhar Inayati presided over the programme.

Also an exhibition of books of/on Munshi Premchand was displayed from 31st July 2019 to 10th August 2019 in Darbar Hall.

EXTENSION LECTURE : LITERARY SERVICES OF AMIR MEENAI

An extension Lecture, Literary Services of Amir Meenai was delivered by Prof. S. Fazle Imam, Former Head, Dept. of Urdu, Rajasthan University, Jaipur on 4th August 2019. Prof. Hasan Ahmad Nizami, Former Head, Dept. of Urdu, Govt. Raza P.G. College, Rampur presided over the programme.

On this occasion, Rajbhasha Patrika- Kabir Visheshank published by Rampur Raza Library was released.

AWARENESS PROGRAMME ON RAINWATER HARVESTING

An Awareness Programme was organized by Central Industrial Security Force, Rampur Raza Library Unit to create awareness about Rainwater Harvesting on 5th August 2019. The then CISF Incharge, Mr. Vishal Kumar gave a presentation and said, Rainwater harvesting is a simple method by which rainwater is collected for future use. The ground water level is depleting day by day, rainwater harvesting can be used to recharge the underground water level. He also demonstrated some of the simple techniques for sending the rainwater to underground. The CISF and Library personnel attended the programme.

INDO-UZBEK EXHIBITION

Rampur Raza Library organized an Indo-Uzbek Exhibition from 10th to 14th August 2019 in Darbar Hall. The exhibition was inaugurated by Dr. Dilarom Karamot, World Scientific Society for Study, Conservation and Promotion of Uzbekistan's Cultural Heritage, Tashkent. She visited the Library with a delegation of Uzbek Scholars from Tashkent. They were here to study the collection of library.

The exhibits include the miniature paintings of various manuscripts like Diwan-i-Hafiz, Firdausi's Shahnama, Jamiut Tawarikh, Diwan-i-Urfi Shirazi, Khamsa-i-Jami, Majalis-ul-Ushhaq, portraits of different rulers, etc.

EXHIBITION ON FREEDOM FIGHTERS

The exhibition of printed books on Freedom Fighters was organized from 14th to 24th August 2019 in Darbar Hall. The exhibition was inaugurated by Mr. Nasiruddin Khan, Advocate Rampur and Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director. The main objective of the exhibition was to inspire the present generation through books with the life and works of those great men and give a message about how those great leaders gave India freedom by hard work and sacrificing their lives.

INDEPENDENCE DAY

Rampur Raza Library celebrated 73rd Independence Day on 15th August 2019. Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director unfurled the National Flag at Raza Library and saluted the flag with the staff amidst the chanting of National Anthem while the jawans of C.I.S.F of Raza Library Unit stood silent with their saluting arms. The staff members presented the patriotic songs and shared their views on Independence of the country. Plantation was also done on the occasion.

HINDI PAKHWARA

The Hindi Pakhwara was celebrated in Library from 14th to 28th September 2019. The exhibition of rare manuscripts and old printed books was displayed from 14th to 28th September 2019, inaugurated by Dr. Kishwar Sultana, Former Head, Dept. of Hindi, Govt. Girls Degree College, Rampur and Dr. Abusad Islahi, Library & Information Officer. The message from Ministry of Home Affairs to encourage Hindi was also read out by the staff.

PHOTO & BOOK EXHIBITION

Photo & Book exhibition depicting the life of Mahatma Gandhi was organized on 1st October 2019 in Darbar hall of Rampur Raza Library. The exhibition was inaugurated by Dr. Abdul Raoof, Principal, Sahara Degree College, Rampur. The exhibition was in display from 1st to 14th October 2019. Many people and students visited the exhibition and appreciated the exhibits.

GANDHI JAYANTI

On the occasion of 150th birth anniversary of Father of the nation, Mahatma Gandhi, the floral tribute was paid to Gandhiji by the then Director and all the staff members. The Library staff and CISF Unit also took pledge for Non-violence.

SIR SYED DAY

On the occasion of his Birth Anniversary, the exhibition of books of Sir Syed Ahmad Khan was curated from 17thto 28th October 2019. Dr. Pradeep Jain inaugurated the exhibition.

NATIONAL UNITY DAY

Celebration of National Unity Day/*Rashtriya Ekta Diwas* took place on 31st October 2019 commemorating the 143rd Birth Anniversary of *Sardar Vallabhbhai Patel* including various programmes such as Floral tribute to *Sardar Vallabhbhai Patel*, Exhibition of Books, Pledge taking ceremony for *Rashtriya Ekta Diwas* by the staff and Run for Unity by the CISF Unit RRL & the Library staff.

A lecture was also organized on National Unity by Dr. Arun Kumar, Assistant Professor, Dept. of Hindi, Govt. Raza P.G. College, Rampur.

VIGILANCE AWARENESS WEEK

Vigilance Awareness Week (VAW) 2019 was observed in Rampur Raza Library from 28th October to 2nd November, 2019. The staff of the Library took integrity pledge from the website of Central Vigilance Commission to fight against corruption.

CONSTITUTION DAY

On 26th November 2019, Rampur Raza Library celebrated 'Constitution Day'. The Preamble of the Indian Constitution was read out by the staff of Library as well as the CISF at 11.00 am. An extension lecture was also organized on the topic 'Indian Constitution: An Introduction', delivered by Shri Krishna Bihari Mathur, Advocate and Ex- President Bar Association, Rampur. All the staff & CISF personnel read the preamble provided from Ministry of Law & Justice at 11.00 a.m.

WORKSHOP on FIRE FIGHTING EQUIPMENTS

A workshop on 'Fire Fighting Equipments' was organized by Rampur Raza Library on 26th November 2019, in which the Library staff and CISF collectively practiced ways to control and extinguish fire. On the occasion, Prof. Syed Hasan Abbas the then Director said, "This workshop will prove to be very useful for the staff, if God forbid any such situation occurs they can use their experience of the workshop in fighting the fire".

EXHIBITION of MINIATURES & PHOTOGRAPHS

An exhibition of Miniatures & Photographs preserved in library was organized by Rampur Raza Library on 26th November 2019 in the Darbar Hall. It was inaugurated by Shri Krishna Bihari Mathur, Advocate and Ex- President Bar Association, Rampur and Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director.

EXHIBITION : FACSIMILE COPIES of RARE MANUSCRIPTS

An exhibition of **Facsimile Copies of Rare Manuscripts** preserved in Library was organized from 1st to 10th December 2019 in Darbar hall. It was inaugurated by Prof. Syed Arshad Rizvi, Urdu Department, Govt. Raza P.G. College, Rampur and Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library.

INDO-IRAN WRITERS MEET

Iran's Second Regional Book Award was awarded by the Government of Iran to Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director Rampur Raza Library for editing Kulliyat-e-Ghulam Ali Azad Bilgrami (1704-1784 AD). To celebrate his honor, the Indo-Iran Writers Meet was held on 12 January 2020 in the conference hall of the library. Dr. Ali Raza Ghazwah, Deputy Cultural Counselor and Dr. Ehsanullah Shukrullahi, Director, Persian Research Center, Iran Culture House, New Delhi were the Chief Guests of the programme.

LECTURE SERIES & *SANGEET SANDHYA* : *Jo Rang mein Uske Doob gaye*

On the occasion of 101st birth anniversary of the saintly musician and Sanskritist Acharya Kailash Chandra Brahaspati, Lecture series and *Sangeet Sandhya* programme on the topic 'Jo rang mein uske doob gaye' was organized in the conference hall of Rampur Raza Library on 20th January 2020 under the joint auspices of All India Radio, Rampur and Rampur Raza Library. The chief guest of the programme was Dr. Maheshwar Tiwari, eminent singer, Moradabad, special guest was Dr. Ramanand Sharma, former Principal, Hindu College, Moradabad and the programme was presided over by Prof. Madhukar Bhatt, eminent litterateur, Rudrapur.

REPUBLIC DAY

71st Republic Day was celebrated in Rampur Raza Library. On this occasion, the National Flag was hoisted by Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director Rampur Raza Library and the National Anthem was sung by the officers, staff and CISF Unit. Also, plantation was also done in the library.

MARTYR'S DAY

The staff members of the Rampur Raza Library assembled on 30th January 2020 on the occasion of "Martyr's Day". At the main gate of the Library, all staff members and the C.I.S.F. unit observed silence for two minutes at 11.a.m. to pay homage to Mahatma Gandhi on his death anniversary.

INDO-UZBEK EXHIBITION

The Indo-Uzbek Exhibition was organized in Darbar Hall of Rampur Raza Library from 3rd to 10th February 2020. The paintings and manuscripts preserved in the collection related to Uzbekistan were displayed. The exhibition was inaugurated by Mr. Farhod Arziev, Ambassador of Uzbekistan to India, New Delhi and Prof. Syed Hasan Abbas, the then Director, Rampur Raza Library. Internationally fame poet, Mr. Azhar Inayati was honored for his services in Jashn-e-Azhar's programme from Carvan-e-Urdu, Qatar (Doha) on 16th January 2020. To cherish this work, a programme was organized and Mr. Azhar Inayati was honored by Library in Conference Hall at afternoon.

AWARD CERMONY

The Rampur Raza Library Award Ceremony 2017-18 was organized on 17th February 2020 in the Conference hall of Rampur Raza Library. The award ceremony was

inaugurated by Her Excellency the Governor of Uttar Pradesh / Chairman Rampur Raza Library Board, Smt. Anandiben Patel and awards were also distributed by her Excellency.

In the field of Islamic studies, the Nawab Faizullah Khan Award (2017-18) was presented to Padmashri Prof. Akhtar ul Wasey, Vice Chancellor Maulana Azad University, Jodhpur, Nawab Raza Ali Khan Award (2017-18) was presented to Dr. Syed Ehtesham Ahmad Nadvi, former Head of Department Arabic, Calicut University in the field of Arabic literature and Areeb Publication, New Delhi was awarded Munshi Naval Kishore Award (2017-18) in the field of Urdu publishing.

Shri Baldev Singh Aulakh, Honorable Minister of State for Uttar Pradesh, Shri Surya Prakash Pal, Chairman, Uttar Pradesh State Construction Cooperative Union, Shri Virendra Kumar Singh, Commissioner Moradabad Circle, Prof. Syed Hasan Abbas, then Director Rampur Raza Library, Shri Ramit Sharma, Inspector General of Police, Moradabad Zone, Shri Aunjaneya Kumar Singh, District Magistrate, Rampur were present on the stage.

Her Excellency the Governor of Uttar Pradesh / Chairman Rampur Raza Library Board, Smt. Anandiben Patel presenting Library award. (17th February 2020)

EXHIBITION ON RAMAYANA

The **exhibition of Ramayana** paintings and rare manuscripts in Rampur Raza Library was inaugurated by the Honorable Governor Uttar Pradesh on 17th February 2020. By visiting the exhibition, the Honorable Governor also praised the library collection. The exhibition was held in the Darbar Hall from 17th to 29th February 2020. On this occasion, the book collection presented to the library by Prof. Syed Hasan Abbas was also unveiled by the Honorable Governor.

THIRD MEMORIAL LECTURE

The Maulana Imtiaz Ali Arshi 3rd Memorial Lecture on the topic ***Ghalib ka hai Andaz-e-Bayan aur*** was organized on 27th February 2020 and Dr. Taqi Abidi, Canada, presented the lecture. On this occasion, Chief Guest Mr. Nafees Siddiqui, special guest Dr. Mumtaz Arshi, Mr. Aunjaneya Kumar Singh, Director Rampur Raza Library / District Magistrate Rampur were present. The program was chaired by Prof. Syed Hasan Abbas, Former Director of Rampur Raza Library.

EXHIBITION ON NATIONAL INTEGRATION AND COMMUNAL HARMONY

An exhibition on National Integration and Communal Harmony was held in the Darbar Hall of Rampur Raza Library from 8th to 15th March 2020 which was inaugurated by Shri Aunjaneya Kumar Singh, Director Rampur Raza Library/District Magistrate Rampur. The Bible (Old Testament), Ramayana, Quran, Bhagavad Gita, Upanishads, Vedic Religion and Islam, Spiritual Dimensions of Sufism, Harmony in Gita & Qur'an and Hindi Philosophy of Gita, Indradhunash of Religions, Ram in Tribal Life, Gautama Buddha, Hindustaniyat aur Urdu, Hinduism Islam and Christanity, Payam-e-Nanak, Report Jalsa-e-Azam (Dharm

Mahotsav), Gomida Yogya (Hindu-Muslim Ittehad) books were displayed in the exhibition.

INTERNATIONAL WOMEN DAY

On the occasion of International Women's Day 2020 (8th March 2020), a conference on the topic of women empowerment was organized in the meeting room of the library. The chief guest of the program was Inspector Reena Singh, In-charge women police station, Rampur and Dr. Kishwar Sultana, former Professor Hindi Department, Govt. Girls Degree College, Rampur. The women workers of Library and women police personnel participated in and expressed their views.

Appendix I
List of Directors/OSDs of Rampur Raza Library

S.No.	Name	Designation	Period
1.	Maulana Imtiyaz Ali Khan Arshi	Director	July 1st, 1975 to February 24th, 1981
2.	Shri Akbar Ali Khan Arshizada	Additional Director	February 25th, 1981 to April 22d, 1984
3.	Shri Hemraj Sood	Officer on Special Duty	April 23rd, 1984 to October 7th, 1991
4.	Shri Arvind Kumar Dwivedi, PCS	Officer on Special Duty	October 8th, 1991 to June 2nd, 1992
5.	Shri Chandra Mohan Singh Bisht, PCS	Officer on Special Duty	June 3rd, 1992 to June 1993
6.	Shri R.C. Singh, IAS	Officer on Special Duty	June 1993 to August 15th, 1993
7.	Dr. W.H. Siddiqi	Officer on Special Duty	August 16th, 1993 to May 19th, 2009
8.	Prof. Shah Abdus Salam	Officer on Special Duty	May 20th, 2009 to November 19th, 2011
9.	Dr. Balkar Singh, IAS	Officer on Special Duty	November 20th, 2011 to March 20th, 2012
10.	Shri Anil Dhingra, IAS	Officer on Special Duty	March 20th, 2012 to April 2nd, 2012
11.	Prof. S.M. Azizuddin Husain	Director	April 3rd, 2012 to August 9th, 2015
12.	Shri Sanjiv Mittal, Joint Secretary, Ministry of Culture	Director	August 9th, 2015 to March 7th, 2016
13.	Ms. Deepika Pokharna, Director Libraries, Ministry of Culture	Director	March 22nd, 2016 to February 20th, 2017
14.	Prof. Syed Hasan Abbas	Director	February 21st, 2017 to February 20th 2020.
15.	Shri Aunjaneya Kumar Singh, IAS	Director	February 22nd 2020 to 15th March 2021.
16.	Shri Ravindra Kumar Mandar IAS	Director	March 16th 2021 to till date.

Appendix II
RAMPUR RAZA LIBRARY BOARD

1. **Shrimati Anandiben Patel** — Chairman
   Honorable Governor of Uttar Pradesh
   Raj Bhawan, Lucknow (Uttar Pradesh)

2. **Director / DS In-charge of Libraries** — Member
   Ministry of Culture, Government of India
   Shastri Bhawan, New Delhi – 110001

3. **Nawab Mohammad Ali Khan alias Murad Mian** — Member
   252, Casa Del Sol
   Opp. Goa Marriott Resort Miramar,
   Panaji, Goa – 403001

4. **Prof. Mohammad Akhtar Siddiqui** — Member
   174/15. Ghaffar Manzil,
   Jamia Nagar, New Delhi - 110 025

5. **Dr. Usha Mujoo Munshi** — Member
   B-52, Golf View Apartments
   Saket, New Delhi 110 017

6. **Dr. Ranjeet Singh Thakur** — Member
   A800/ 17, Shastri Nagar,
   New Delhi – 110052

7. **Prof. Abdul Ali** — Member
   Former Chairman
   Department of Islamic Studies
   Aligarh Muslim University
   Aligarh (Uttar Pradesh)

8. **Prof. Ali Ahmad Fatmi** — Member
   229-A, Lukarganj
   Allahabad - 211 001 (UP)

9. **Dr. Hasan Jamal Abidi** — Member
   Flat No. 212, ATS Village,
   Sector 93A, Noida (UP)

10. **Principal Accountant General** Ex-Officio Member
(General & Social Sector Audit)
Satyanishtha Bhawan,
15 – A, Dayanand Marg
Allahabad - 211001 (Uttar Pradesh)

11. **District Magistrate** Ex-Officio Member
Rampur (Uttar Pradesh)

12. **Director** Member-Secretary
Rampur Raza Library
Rampur (Uttar Pradesh)

ADMINISTRATIVE AND FINANCIAL AFFAIRS COMMITTEE

1. **Prof. Chandra Shekhar**
Former Head, Department of Persian
Delhi University, Delhi

2. **Prof. Wajeehuddin**
Former Head, Department of Urdu,
Persian & Arabic
Siyaji Rao Gaekwad University
Vadodara, Gujarat

3. **Prof. Iraq Raza Zaidi**
Former Head, Department of Persian
Jamia Millia Islamia, New Delhi

4. **Dr. Gulfishan Khan**
Department of History
Aligarh Muslim University
Aligarh

5. **Treasury Officer**
Collectrate
Rampur (Uttar Pradesh)

6. **Director**
Rampur Raza Library
Rampur (Uttar Pradesh)

ACADEMIC AFFAIRS AND PUBLICATION COMMITTEE

1. **Prof. S. M. Azizuddin Husain**
   Department of History
   Jamia Milia Islamia, New Delhi

2. **Prof. Shahzad Anjum**
   Department of Urdu
   Jamia Milia Islamia, New Delhi

3. **Dr. G. S. Khwaja**
   Former Director Epigraphy (Arabic & Persian Inscriptions)
   ASI, Nagpur

4. **Prof. Vazeer Hasan**
   Department of Arabic
   Banaras Hindu University, Varanasi

5. **Prof. Shahabuddin Saqib**
   Department of Urdu
   Aligarh Muslim University, Aligarh

6. **Director**
   Rampur Raza Library
   Rampur (Uttar Pradesh)

CONSERVATION SUB-COMMITTEE

1. **Shri Ram Pravesh**
   Former Director (Conservation)
   National Museum Institute
   New Delhi

2. **Shri Ram Swaroop**
   Assistant Director of Archives (Preservation)
   National Archives of India, Delhi

3. **Shri Nizamuddin Tahir**
   Supritending Archaelogist
   Archaeological Survey of India
   Janpath, New Delhi

4. Dr. M.A. Haque
Deputy Director
National Archives of India
Delhi

5. Director
Khuda Baksh Oriental Public Library
Patna

6. Director
Rampur Raza Library
Rampur (Uttar Pradesh)

COMMITTEE TO ADVISE TO PURCHASE RARE MANUSCRIPTS AND OTHER ART OBJECTS ETC.

1. Shri Uday Shankar Dubey
Manuscript Expert
Sahitya Kutir, Kathari Bazar
P.O. Khamariya, Distt. Bhadohi

2. Prof. Talha Rizvi Barq
Former Head, Dept. of Persian & Urdu
Vir Kunwar Singh University
Ara, Bihar

3. Prof. M. A. Alavi
Dean, Faculty of Arts
A.M.U. Aligarh

4. Prof. Aleem Ashraf Khan
Former Head, Department of Persian
Delhi University
Delhi

5. Prof. Nasim Ahmad
Former Head, Dept. of Urdu
B.H.U. Varanasi

6. Director
Rampur Raza Library
Rampur

Appendix III

CATALOGS

1. Catalogue of Arabic Manuscripts Vol. I, II, III, IV, V & VI (English) by Maulana Imtiyaz Ali Khan 'Arshi', Former Director
2. Catalogue of Arabic Manuscripts Vol. VII, VIII, IX, X & XI (English)
3. Catalogue of Sanskrit Manuscripts of Rampur Raza Library (Sanskrit)
4. Catalogue of Sanskrit Manuscripts Vol. I & II (English)
5. Catalogue of Urdu Manuscripts Vol. I (Urdu)
6. Catalogue of Urdu Manuscripts Vol. I (English)
7. Catalogue of Pushto Manuscripts (English)
8. Catalogue of Turkish Manuscripts (English)
9. Catalogue of Persian Manuscripts Vol. I, II & III (Persian)
10. Catalogue of Persian Manuscripts Vol. I, II & III (English)
11. Catalogue of Manuscripts of Tibb, Arabic, Persian and Urdu (English)
12. Catalogue of Islamic Calligraphy of Rampur Raza Library
13. Catalogue of Exhibited Paintings of Rampur Raza Library (English)

Appendix IV
List of scholars who utilize the library services

The eminent national & international scholars were:

1. Dr. Marc Toutant, Centre for Turkish, Ottoman, Balkan and Central Asian Studies, France.
2. Dr. Arif Abbas, Khwaja Moinuddin Chishti Urdu Arabic Persian University, Lucknow
3. Dr. S.M. Arshad Rizvi, Govt. Raza P.G. College, Rampur
4. Mr. Roy Bar Sadeh, Columbia University, New York USA (Israeli National)
5. Mr. Gianni Sievers, Penn Arts & Science, University of Pennsylvania, Philadelphia (German National)
6. Dr. S. Naqi Abbas, University of Delhi, New Delhi
7. Mr. Kalbe Abbas, MANUU, Lucknow Campus
8. Miss. Maitrayee Haldar, Maharaja Sayajirao University, Baroda
9. Mr. Zulfikar Ibrahim, Islamic University of Madinah
10. Dr. Misbah Ahmad Siddiqui, Amroha U.P.
11. Dr. Khwaja Ghulam us Sayyaddin, Ahbab Colony, Nagpur
12. Dr. Diloram Karaomat, Uzbekistan
13. Dr. Ninomiya Ayako, Aoyama Gakuin University, Tokyo
14. Mrs. Ayelet Kotler (Israel National), The University of Chicago, USA
15. Dr. Bilqis Begum, Kolkota
16. Mr. Mohammad Arif Ullah Khan, Angoori Bagh, Rampur, UP
17. Dr. Tabassum Sabir, Rampur Raza Library Rampur
18. Mr. Faiz Ahmad, MANUU, Lucknow
19. Mr. Maulana Nurul Hasan Rashid Kandlawi, Kandhlah
20. Mr. Faraz Kausar, Student at Jamatul Azhar, Mesir (Resident of Patna)
21. Dr. Raheen Shama, Maulana Mohamad Ali Jauhar University, Rampur
22. Mr. Qamrul Islam, AMU, Aligarh
23. Mr. Umair Husami, University of Allahabad
24. Miss Qureshi Sumaiya Mohd. Ali, University of Mumbai
25. Mr. Misbah Ahmad Qidwai, Barkatullah University, Bhopal (M.P.)
26. Ms. Shaista Akhtar, Rampur Raza Library, Rampur, U.P.
27. Dr. Farhina Bi, Rampur Raza Library, Rampur, U.P.
28. Mr. Wali Mohammad Rizvi, Bagh Chota Sahib, Rampur

29. Miss Shama Nargis, Deptt. of Urdu, AMU, Aligarh
30. Mr. Mujtaba Husain Khan, Ghair Najju Khan, Rampur
31. Mr. Chandar Kesh, D.A.V.P.G. College, Dehradun
32. Mr. Tasleem Uddin, 630, Wasi Abad, Allahabad, U.P.
33. Mr. Shaukat Ali, MANUU, Gachibowli, Hyderabad, A.P.
34. Mr. Mobeen Ahmad, MANUU, Gachibowli, Hyderabad A.P.
35. Mr. Kalb-i-Sadiq, MANUU, Lucknow Campus
36. Mrs. Mahjabin Omar (Afghanistan National), Jamia Millia Islamia, New Delhi
37. Mr. (Dr.) Charles Peter Melville (British National), University of Cambridge U.K.
38. Mr. Mohd. Abdul Qadir, Delhi University
39. Professor Anna Morcom, Deptt. Of Ethnomusicology, California
40. Dr. Tabssum Sabir, Rampur Raza Library, Rampur
41. Mr. Abdur Rahman Alamgir, 57, Topsia Road, Tilljala, South Parganas, West Bengal
42. Mr. James Christopher White (German National), University of Behren, German

Appendix V
SCHOOLS VISITED

The various schools visited Rampur Raza Library during 2019-20 are as follows:

- 66 students & 08 teachers from Upper Primary School, Peepalsaana, Bhagatpur Tanda, Moradabad visited on 6thApril 2019.
- 34 students & 06 teachers from Kalavati Junior high school, Ramnagariya, Milak, Rampur visited on 6thApril 2019.
- 27 students from Himalayan Progressive School, Nainital Road, Kichcha, Udham Singh Nagar, Uttarakhand visited Library on 30thApril 2019.
- 32 students from Himalayan Progressive School, Nainital Road, Kichcha, Udham Singh Nagar, Uttarakhand visited on 2ndMay 2019.
- 1258 students & 10 teachers from Government Inter College, Dhamora, Rampur visited on 4thMay 2019.
- 70 students & 10 teachers from Golden Gate Global School, Moradabad visited on 26th September 2019.
- 78 students from Learning Garden Academy, Kemri, Rampur visited Library on 5th October 2019.
- 57 students & 05 teachers from Nosegay Public School, Khateema, Udhdhamsingh Nagar, Uttarakhand visited on 16th October 2019.
- 30 students from Urdu Department of M.H. PG College, Moradabad visited on 16th October 2019.
- 05 students from Master of Design (Communication Design) Department of Dheeru Bhai Ambani Institute of Information & Technology, Gandhinagar, Gujarat visited Rampur Raza Library on 22nd October 2019.
- 26 students from Habibi Inter College, Dingarpur, Moradabad visited on 3rd November 2019.
- 210 students & 30 teachers from Sitarganj, Rudrapur, Bazpur (District Udham Singh Nagar) visited Rampur Raza Library on 7th November 2019.
- 70 students from S.V. Public School, Govind Nagar, Moradabad visited Rampur Raza Library on 14th November 2019.
- 80 students from Smart Indian Modern School, Shahbad Road, Rampur visited on 21st November 2019.
- 67 students & 13 teachers from Springdale School, Faizganj, Moradabad visited Library on 26th November 2019.

- 36 students & 06 teachers from S.R.A Public School, Ekta colony, Moradabad visited on 26th November 2019.
- 50 students from M.B.M. Primary School, Nawabpura, Moradabad visited on 27th November 2019.
- Students from Aarya Vidya Inter College, Milak, Rampur visited on 28th November 2019.
- 109 students & 04 teachers from Saraswati Vidya Mandir Inter College, Gulabbari, Moradabad visited on 28th November 2019.
- 56 students & 12 teachers from S.P.H Public School, R.N Sahaspur, Moradabad visited on 1st December 2019.
- 35 students & 05 teachers from M.F.U Sarkada Khas, Moradabad visited Rampur Raza Library on 2nd December 2019.
- 280 students from St. Pauls Sr. Sec. School, Rampur (batch wise) visited Library from 3rd to 11th December 2019.
- 28 students of Humanities stream from Aryan Birla Institute of Learning, Haldwani, Nainital, Uttarakhand visited Rampur Raza Library on 3rd December 2019.
- 101 students & 07 teachers from Mariya Junior High School, Rampur visited Library on 4th December 2019.
- 150 students from Govt. Inter College, Jatpura, Moradabad visited Rampur Raza Library on 7th December 2019.
- 35 students from Arya Bal Vidya Mandir Junior High School, Raurkala, Milak, Rampur visited Library on 7th December 2019.
- 47 students and 07 teachers from Alex Public Junior High School, Atriya, Rampur visited Library on 12th December 2019.
- 32 students from Diamond Public Junior Basic School, Rampur visited Library on 12th December 2019.
- 13 students and 20 teachers from Shiv Shanti Adarsh Junior High School, Block Baniyakhera, Chandausi visited Library on 14th December 2019.
- 55 students and 9 teachers from Bright Future Public School, Moradabad visited Library on 14th December 2019.
- 75 students from Anjum Convent School, Moradabad visited Library on 17th December 2019.
- All the students with 28 teachers from Budh Ambedkar Junior High School, Rampur visited Library on 24th December 2019.

- 25 students and 6 teachers from Govt. Zulfiqar Inter College, Rampur visited Library on 28th December 2019.
- 36 students from Govt. Inter College, Kemri, Rampur visited Library on 7th January 2020.
- 36 students from Govt. Inter College, Kemri, Rampur visited Library on 7th January 2020.
- 125 students and 11 teachers from Village Smart City Modern School, Milak Nibbi Singh, Punjabnagar, Rampur visited Library on 14thJanuary 2020.
- 135 students and 20 teachers from R.T.C. Chandanpur, Sikampur, Rampur visited Library on 16th January 2020.
- All the students of Govt. High School, Khandiya, Saidnagar, Rampur visited Library on 22nd January 2020.
- Students with teachers from Rainbow Inter College, Sikampur Tanda, Rampur visited Library on 4th February 2020.
- 51 Students with teachers from Govt. Inter College, Patwai, Rampur visited Library on 4th February 2020.
- 38 Students from Model Primary School, Singhadiyan, Kemri, Bilaspur, Rampur visited Library on 15th February 2020.
- 48 Students with 14 teachers from M.S. Paradise, Kemri, Rampur visited Library on 19th February 2020.
- 35 Students with 02 teachers from Madhyamik Vidyalaya, Bhandpura, Chamrua, Rampur visited Library on 20th February 2020.
- 40 Students from Jamea-tus-Salehat, Rampur visited Library on 23rd February 2020.
- 83 Students from Govt. Junior High School, Aghapur, Milak, Rampur visited Library on 25th February 2020.
- 29 Students from Raza School Care, Bilaspur, Rampur visited Library on 4th March 2020.

Appendix VI
CONSERVATION LABORATORY

Conservation Laboratory conserved following manuscripts, books & miniature paintings during the session 2019-20:

MANUSCRIPTS- Total folios = 1720

Persian Manuscript # Diwan-i-Hafiz
Size –16x19.5cm, Period – nil, Total folios – 301

Urdu Manuscript # Diwan-i-Rangeen
Size –27.1 x 16.9cm, Period – nil, Total folios – 63

Urdu Manuscript # Makatib-i-Dagh
Size –25.0x19.3 cm, Period – nil, Total folios – 12

Arabic Manuscript # Descriptive Catalogue of Arabic Manuscripts& books of Rampur Raza Library
Size – 32.8x24.5cm, Period – nil, Total folios – 297

Urdu Manuscript # Marsiya Tasneef Syed Zamin Sb
Size – 34.5 x 22.0 cm, Period – 1962 AD, Total folios – 14

Urdu Manuscript # Marsiya Janab Abbas Alamdar Alaheasslam
Size –34.3x21.4cm, Period –5January1941 AD, Total folios –21

Persian Manuscript # Masnawi Anjuman Khalwat Man Intekhab
Size – 19.0 x 12.3 cm, Period – nil, Total folios – 45

Persian Manuscript # Shri Bhagwat Geeta
Size – 15.4 x 12.1 cm, Period – 1005AH/1596 - 97 AD, Total folios – 65

Persian Manuscript # Silsilatuz Zahab Manzoom
Size – 20.8 x 12.5 cm, Period – nil, Total folios – 157

Persian Manuscript # Shiv Puran
Size – 17.0 x 10.5 cm, Period – 1148 AH/1735-36 AD, Total folios – 254

Urdu Manuscript # Name not mentioned
Size – 21.0 x 16.4 cm, Period – nil, Total folios – 29

Arabic Manuscript # At Targheeb wat Tarheeb
Size – 26.0 x 15.8 cm, Period – nil, Total folios – 367

Persian Manuscript # Haq Numa
Size – 22.5 x 12.5 cm, Period – 5 March 1694 AD, Total folios – 25

Urdu Manuscript # Chalta Purza
Size – 15.2 x 14.0 cm, Period – 10 October 1922 AD, Total folios – 70

Oil Painting
Conservation Laboratory scientifically conserved the oil painting of Mirza Ghalib in Size – 88.7 x 60.5 cm.

Hand written & printed documents # Kalam-i-Zamin

Period-nil, Total folios – 20 (6 Handwritten & 14 printed)
Size – 33.3 x 20.4 cm
33.3 x 20.1 cm
31.7 x 19.7 cm
33.1 x 20.4 cm
34.3 x 21.3 cm
30.4 x 18.2 cm
36.2 x 26.8 cm
30.0 x 25.6 cm
27.8 x 17.7 cm
32.6 x 20.4 cm
34.4 x 21.8 cm
34.3 x 21.6 cm
34.4 x 21.8 cm
39.4 x 25.7 cm
29.6 x 22.7 cm
29.5 x 23.1 cm
38.3 x 25.6 cm
37.8 x 25.4 cm
37.8 x 25.4 cm
39.9 x 21.3 cm

Photographic Album # Kapurthala
Size – 34.1 x 26.0 cm, Period – 1900 AD, Total photographs – 32

PRINTED BOOKS- Total Folios = 1796

Arabic Printed Rasail # Saqafatul Hind
Size – 23.8 x 16.5 cm, Period – October 1984 AD, Total folios – 06

Arabic Printed Rasail # Rasail Albasul Islami
Size – 24.3 x 15.6 cm, Period – 1962 AD, Total folios – 05

Urdu Printed Rasail # Tazkira Abul Kalam Azad
Size – 21.3 x 13.4 cm, Period – February 1960 AD, Total folios – 11

Urdu Printed Book # Hindustan ki Mausiqi
Size – 22.0 x 13.7 cm, Period – nil, Total folios – 18

Urdu Printed Book # Rampur Gazette
Size – 32.0 X 24.4 cm, Period – 1904 AD, Total folios – 261

Urdu Printed Book # Baabul Ilm Media
Size – 27.5 x 22 cm, Period – nil, Total folios – 32

Arabic Rasail # Saqafatul Hind
Size –23.8 x 16.5 cm, Period – October 1984 AD, Total folios – 06

Arabic Printed Book # Albasul Islami
Size – 24.3 x 15.6 cm, Period – 1962 AD, Total folios – 05

Urdu Printed book # Tazkira Abul Kalam Azad
Size – 21.3 x 13.4 cm, Period – February 1960 AD, Total folios – 11

Hindi Magazine # Rajat
Size – 26.8 x 21.5 cm, Period – 5 October 1986 AD, Total folios - 19

Urdu Magazine # Naya Daur
Size – 22.2 x 15.1 cm, Period – 24 September 1957 AD, Total folios – 247

Urdu large sized Printed Folios # 3 Urdu printed folios
Size – 55.0 x 36.3 cm, 36.9 x 36.3 cm, 37.7 x 37.0 cm, Period – nil, Total folios - 3

Arabic Printed Book # Al-Ahaji-al-Hamidiyyah
Size – 24.5 x 15.3 cm, Period – nil, Total folios – 26

Arabic Printed Book # Sharhul-Husainiyyah
Size –22.8 x 16.5 cm, Period – nil, Total folios – 19

Sanskrit & Hindi Printed Book # Shrimad Valmiki Ramayana
Size – 26.6 x 17.7 cm, Period – 1976 AD, Total folios – 532

Urdu Printed book # Dil Soz
Size – 21.2 x 13.5 cm, Period – 1908 AD, Total folios – 46

Urdu Printed book # Yadgar-i-Intekhab
Size – 23.2 x 14.2 cm, Period – 1290 AH/1873-74 AD, Total folios – 08

Persian Printed book # Qala Qalandari Bartaj Farkhi
Size – 24.5 x 15.5 cm, Period – 1303 AH/1885-86 AD, Total folios – 29

Urdu Printed Newspaper # Akhbarat Qaumi Awaz
Size – 41.4 x 27.5 cm, Period – July 1984, Total folios – 114

Urdu Printed book # Insha-i-Suroor
Size – 24.2 x 15.6 cm, Period – 5 June 1916 AD, Total folios – 54

Urdu Printed book # Zarif Shairon Ka Tazkira
Size – 22.0 x 13.8 cm, Period – nil, Total folios – 242

Arabic Printed book # Molatefatul Ahbab
Size – 23.9 x 15.6 cm, Period – 1st March 1902, Total folios – 27

Persian Printed book # Majmua Haft Bandh
Size – 23.6 x 16.3 cm, Period – nil, Total folios – 75

PREVENTIVE CONSERVATION

(i) Preventive Conservation of Manuscripts & Printed Books

Preventive Conservation of 4500 manuscripts and 20,106 printed books was done under the supervision of Conservation Laboratory.

Preventive Conservation of following Printed Book sections of Library:-

Urdu Section	7,325 books
Arabic-Persian Section	5,000 books
Loharu Section	6,400 books
Hindi Section	944 books
English Section	437 books
Total	20,106 books

(ii) Fumigation:

Fumigation of complete Loharu section containing 6380 books was done by suitable chemicals.

(iii) Control of Environmental Physical Factors:

Monitoring temperature and RH of Conservation Laboratory and various sections of Library and had controlled RH to a great extent by the use of Silica Gel.

Appendix VII
MANUSCRIPT CONSERVATION CENTRE

Work Done by Manuscript Conservation Centre during the year:

Curative Conservation

Manuscript Conservation Centre conserved 2255 folia of following manuscripts during the session 2019-20:

Persian Manuscript # Siraj-ul-Lughat
Size – 31.0 x22 cm, Period – Nil, Total folios – 590

Persian Manuscript # Rubaiyat-e-sarmad
Size –20.5x13.3 cm, Period – Nil, Total folios – 24

Arabic Manuscript # Holy Quran
Size –30.00x19.00 cm, Period – Nil, Total folios – 460

Persian and Urdu Manuscript # Rahatul Quloob-Ma-aar-Zamima Jadeeda
Size –32.3x19 cm, Period – Nil, Total folios – 100

Persian and Urdu Manuscript # Rubaiyaat-Umre-Khayyam
Size –24.6x16 cm, Period – Nil, Total folios – 48

Urdu Manuscript # Kalaam-e-Jazb
Size –20.1x16 cm, Period – Nil, Total folios – 20

Arabic Manuscript # Majmua Fazle Ilahai
Size –20.2x14.5 cm, Period – Nil, Total folios – 50

Arabic Manuscript # Alkamusul Muhit –I
Size – 25.8x17.0 cm, Period – Nil, Total folios – 284

Urdu and Arabic Manuscript # Siratul Salihin Fi Makhdumin
Size – 19.4x16 cm, Period – Nil, Total folios – 126

Persian Manuscript # Letter of Dara Shikoh
Size – 73.8x33 cm, Period – Nil, Total folios – 1

Urdu Manuscript # Calligraphical Sheet
Size – 40x25 cm, Period – Nil, Total folios – 1

Urdu Manuscript # Marsiya Mir Anees
Size –20x15.6 cm Period – Nil, Total folios – 6

Urdu Manuscript # Durrul Ma- Aarif
Size –20.3x16.4 cm Period – Nil, Total folios – 133

Urdu Manuscript # Tarjuma Maqamat Irshadiya
Size –27.4x18.1 cm Period – Nil, Total folios – 67

Persian Manuscript # Persian Masnavi
Size –23.5x15.5 cm Period – Nil, Total folios – 345

Preventive Conservation

Preventive Conservation of 27,581 folia from 141 manuscripts was done during the session 2019-20.

Accounts

of

Rampur Raza Library, Rampur

for the year ended

31st March, 2020

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES FOLLOWED IN THE PREPARATION OF FINANCIAL STATEMENTS FOR THE FINANCIAL YEAR 2019-20:-

1. **GENERAL:** The financial statements are drawn up in accordance with the "Historical Cost" convention and on the "Going Concern Concept" except where otherwise indicated. Revenue and Costs are accounted for on Accrual Basis.

2. **ACCRUAL SYSTEM OF ACCOUNTING:** The library has followed the accrual system of accounting in the preparation of financial statements during the financial year 2019-20.

3. **DEPRECIATION:** That the Depreciation charged has been provided on the fixed assets as per Income Tax Act and Rules, 1961.

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

4. **FIXED ASSETS:** They are depicted at cost less depreciation as per Income Tax Act, 1961. Expenditures incurred for Additions, Improvements and Specials of Assets are capitalized and expenditures for repair and maintenance of the same are charged to the Income & Expenditure Account.

5. **ARCHEOLOGICAL BUILDINGS:** They are not provided depreciation as these buildings are rare and priceless and Archaeological Buildings.

6. **GRANTS FROM GOVERNMENT OF INDIA:** Rampur Raza Library has been receiving grants from the Central Government for carrying out its activities of library, programmes, seminars, exhibitions, lecture series, etc. Rampur Raza Library has also been receiving grants for Capital Expenditures like special repairs of Hamid Manzil Building, Rang Mahal Building and Darbar Hall and Purchase of office Equipments , Publication of Books, Digitalization of MSS, Etc. The grants received are accounted for on "Accrual System of Accounting"

Director
Rampur Raza Library

7. **Outstanding Liabilites:** Rampur Raza Library could not pay Sceurity Guards CISF bill received after the year end on 31.03.2020 amounting Rs. 70,81,188.00 relating to Nov'19, Jan'20, Feb'20, Mar'20. The amount has been paid in F.Y. 2020-21. Similarly, Salaries for March'20 amounting to Rs. 15,00,355.00 and GPF Rs. 71,414.00 and TDS Rs. 35,913.00 have also been paid in F.Y. 2020-21. The above have been accounted as liabilities for FY 2019-20.

8. **National Pension Scheme (NPS) :** Rampur Raza Library has been following the changed rule of the Government of India for the employees as NPS for the new employees. The accumulated amount of NPS of Rs. 49,90,730.00 has been deposited in the NPS Scheme. This NPS Scheme includes 50% contribution of Rampur Raza Library and 50% deductions from the salaries of newly employed persons.

9. **Annual Repairs of Buildings** : That the library has made payment of Rs. 38,50,400 + TDS of Rs. 78,600 for the purpose of white wash and colour wash of Hamid Manzil and Rang Mahal. The library has not received any work done bill or progess report of the work executed upto 31.03.2020.

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

10. **Digitalisation of MSS** : That the library has got work done of Digitalization of MSS vide bills submitted for work done of Rs. 37,71,653.00 but the bills have not been approved/ signed by the Director. And the library has not accounted for the above bills in the Books of Accounts. It shall be treated as Contingent Liability of the library to the extent Rs. 37,71,653.00.

For A.K.GARG & ASSOCIATES
Chartered Accountants

M. No.090539

Firm Regn. No.00092N

Place: Delhi

Date: 24/9/2020

UDIN: 20090539AAAADB5470

A.K. GARG & ASSOCIATES ★ DELHI ★ Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT: FOR THE YEAR ENDING 31ST st March 2020

Annexure	Receipts	Current Year Amount Rs.	Previous Year Amount Rs.	Annexure	Payments	Current Year Amount Rs.	Previous Year Amount Rs.
	Opening Balances:-			I	**Expenses:-**		
	a) Cash in Hand		-		a) Establishment Exp.	2,66,19,502.00	2,77,96,837.00
	b) Bank Balances in:				b) Administrative Exp.	2,12,51,965.20	2,53,47,532.66
	State bank of India	9,12,436.27	27,07,659.93		c) Programme Related Exp.	23,15,657.00	41,63,585.00
					Inter Current Account Transfer		
					Deposits made		
				II	**Expenses on Fixed Assets**		
	Grants Received from				**Capital, WIP:**		
	Govt. of India				a) Purchaes of Fixed Assets	41,46,298.00	1,22,13,521.00
	General	2,50,00,000.00	3,54,00,000.00		b) Capital work in Progress		
	Capital Expenditure	32,61,000.00	66,88,000.00		Refund of Surplus Money		
	Salaries	2,67,97,000.00	2,77,97,000.00		Loan Financial Charges Interest		
	Swachh Bharat	1,00,000.00	2,00,000.00				
	Exhibition/ International Exhibition	-	4,35,359.00				
	Inter Current Account Transfer				**Other Payments-**		
	Interest Received				a) Prepaid Expenses		
	Other Income	-	2,37,253.00		b) Expenses Earlier Year	17,96,901.00	35,07,424.00
	Amount Borrowed						
	Income from Sale of Publication	56,095.00	1,33,247.00		**Expenses Against Receipts From Govt Business**		
	Income from Services:-						
	Photostate etc		14,125.00		**Closing Balances:-**		
	Other Receipts	-	1,98,345.00		a) Cash in Hand		
	Receipts from Govt. Busienss				b) Bank Balances:-		
	Receipts from Others	5,700.00	1,30,347.00		State Bank of India, Br. Rampur		
					C.A.No.10986696330	1,908.07	9,12,436.27
					Deposit Accoutns (NPS)		
					Grant in Transit		
		5,61,32,231.27	**7,39,41,335.93**			**5,61,32,231.27**	**7,39,41,335.93**

For **A.K. GARG & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

M.No. 090539
Firm Regn No. 000922-N
Place: Delhi
Dt 24/9/2020

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

ANNEXURES FORMING PART OF RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT

ANNEXURE I(a) :- ESTABLISHMENT EXPENSES:-

	CURRENT YEAR TOTAL (Rs.)	PREVIOUS YEAR TOTAL (Rs.)
SALARIES & WAGES		
i) Salaries	2,12,31,188.00	2,19,95,598.00
ii) Pensions & Commutation Pension	23,11,067.00	19,61,396.00
iii) Gratuity	-	-
iv) Earn Leave Encashments	-	-
ALLOWANCES:-		
i) Overtime Allowance	-	-
ii) Washing Allowance/LIC	58,514.00	11,520.00
iii) Tuition Fees Allowance	4,02,499.00	5,04,356.00
iv) Livery of IV Class Employees	75,000.00	66,900.00
v) Bonus	-	4,14,480.00
vi) Contribution to P.F/NPS	4,04,587.00	4,04,922.00
vii) Contribution to GPF	9,37,554.00	7,20,198.00
viii) Staff Welfare (Medical Claims)	11,71,551.00	15,82,679.00
ix) Employees Retirement Benefits	-	-
x) Other Honorarium	6,300.00	5,900.00
xi) Leave Travel	-	-
xii) LTC	21,242.00	1,28,888.00
Total (Rs.)	**2,66,19,502.00**	**2,77,96,837.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

ANNEXURE I (b) : OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:-

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
	TOTAL (Rs.)	TOTAL (Rs.)
a) Annual Repairs & Maintenance Buildings	40,77,815.00	10,33,179.00
b) Development & Maintenace/Wages of Gardens	12,20,801.00	10,76,170.00
c) Travelling (TA/DA) & Conveyance	3,57,336.00	9,58,528.00
d) Postage, Telegram & Telephone	98,737.00	1,49,467.00
e) Electrictiy & Water Charges	6,86,490.00	6,17,378.00
f) Running & Maintt. Of Generators	3,53,351.00	5,82,905.00
g) Running & Maintt of Machines & Equpt.	2,80,025.00	8,43,834.00
h) Newspapers & Periodicals	47,388.90	69,841.00
i) Vehicle Running & Maint.	20,612.00	1,31,956.00
j) Printing & Stationary	1,99,746.00	2,24,973.00
k) Office Exp.	7,24,102.45	10,37,215.90
l) Hospitality to Guests & VIP	56,965.00	1,20,863.00
m) Legal & Professional Exp.	1,82,770.00	2,45,430.00
n) Board & Sub-Committee Meetings	3,90,051.85	2,87,937.70
o) CISF (Security Guards)	1,20,89,760.00	1,73,29,297.00
p) Publicity & Advertisemnts	1,18,508.00	1,95,180.00
q) Contingencies	-	1,72,617.06
r) Auditors Remuneration	2,90,550.00	-
s) National Functions	56,956.00	1,99,441.00
t) Fire Protection	-	71,320.00
Total (Rs.)	**2,12,51,965.20**	**2,53,47,532.66**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ DELHI ★ Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Annexure- I(C)

Programme Related Expenses

	CURRENT YEAR TOTAL (Rs.)	PREVIOUS YEAR TOTAL (Rs.)
a) Colour Photo Documentation		-
b) Computerisation / Digitalisation of Collection /Rare MSS		-
c) Preservation of Collections	2,30,972.00	5,50,743.00
d)Seminar, Workshop & Lecture Series	8,18,632.00	12,77,547.00
e) Annual Reports & Journals	-	-
f) Scholarship & Awards	11,33,997.00	10,76,458.00
g) Mission Manuscripts	-	-
h) Swach Bharat (SAP)	99,983.00	1,97,755.00
i) Modernisation of RAZA Museum	-	-
j) Exhibition/ International Exhibition/ Saudi Exhibition/ Books Fair	32,073.00	- 10,61,082.00
K) Translation / Publication of Arabic & Persian MSS	-	-
Total Rs.	**23,15,657.00**	**41,63,585.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES * Chartered Accountants * DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Annexure No. II(a)
Purchase of Fixed Assets

	CURRENT YEAR TOTAL (Rs.)	PREVIOUS YEAR TOTAL (Rs.)
A) Land	-	-
B) Building Special Repairs	2,51,757.00	62,82,627.00
c) Plant, Machines & Equipments	1,61,660.00	7,89,042.00
d)Vehicles	-	-
e) Furniture & Fixture	95,400.00	3,00,900.00
f) Library Publications	8,15,875.00	18,70,404.00
g) Library Books & Manuscripts	89,726.00	1,47,672.00
h) Documentary Film RRL	-	-
i) Installations Fire Protection System	-	-
j) Digitalisation of Manuscripts(MSS)	27,15,596.00	27,22,482.00
h) Modernisation of Darbar E Hall	16,284.00	1,00,394.00
Total (Rs.)	**41,46,298.00**	**1,22,13,521.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT: FOR THE YEAR ENDING 31st March 2020

	Schedule No.	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
INCOMES:-			
Sales / Subscription Services	12	1,99,315.00	5,82,970.00
Grants / Subsidies	13	5,10,11,702.00	5,83,06,838.00
Fees & Subscriptions	14		
Income from Inventories	15		
Income from Royalty, Publications	16		
Interest Earned	17		
Other Incomes	18		
Increase/ Decrease in Stock	19		
SubTotals Rs.		**5,12,11,017.00**	**5,88,89,808.00**
Expenditures:-			
Establishment Expenses	20	2,82,27,184.00	2,77,96,837.00
Other Administrative Exp.	21	3,11,00,955.20	3,12,01,375.66
Expenditure on Grants/Subsidies	22		
Interests	23		
Depreciation	24	11,47,299.00	12,55,271.00
SubTotal Rs.		**6,04,75,438.20**	**6,02,53,483.66**
Balance being:-			
Excess of Expenditure Over Income		-92,64,421.20	-13,63,675.66
Total Rs.		**5,12,11,017.00**	**5,88,89,808.00**

For **A.K. GARG & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

M.No. 090539
Firm Regn No. 000922-N
Place: Delhi
Dt 24/9/2020

UDIN: 20090539AAAADB5470

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule Forming Part of Income & Expenditure Account
For the year ending 31st March 2020

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
Schedule No.12		
Income from Sales / Services:		-
Income from Sales		
a) Sales of Finished Goods		-
b) Sales of Raw materials		-
c) Sales of Scraps		1,98,345.00
d) Sales of Publications	1,93,615.00	1,33,247.00
Income from Services:-		
a) Labour / Processing Charges		-
b) Professional & Consultancy Charges		-
c) Agency, Commission & Brokerage		-
d) Maintenance Services		-
e) Photostate etc.		14,125.00
g) Others	5,700.00	2,37,253.00
Total Rs.	**1,99,315.00**	**5,82,970.00**

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI * Chartered Accountants *

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.13: GRANTS / SUBSIDIES

IRREVOCABLE GRANTS & SUBSIDIES RECEIVED

Particulars	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Central Grants:		
a) General	2,50,00,000.00	3,54,00,000.00
b) Salaries	2,67,97,000.00	2,77,97,000.00
c) Swachh Bharat	1,00,000.00	2,00,000.00
d) Exhibitions for Saudi Arabia (ICCR)		
e) For International Exhibitions (FOI)	-	4,35,359.00
	5,18,97,000.00	6,38,32,359.00
Add: For Capital Expenditure	32,61,000.00	66,88,000.00
	5,51,58,000.00	7,05,20,359.00
2) State Government		
3) Govt.Agencies		
4) Institutions & Welfare Bodies		
5) International Organisation		
Subtotal Rs.	**5,51,58,000.00**	**7,05,20,359.00**
Less: Transfer for Capital Fund		
As per Ledger	41,46,298.00	1,22,13,521.00
Total Rs.	**5,10,11,702.00**	**5,83,06,838.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.14: FEES / SUBCRIPTIONS

Particulars	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Entrance Fees	-	-
2) Annual Fees / Subcription	-	-
3) Seminars & Porgrammes Fees	-	-
4) Consultancy Fees	-	-
5) Others	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule.15 INCOME FROM INVESTMENT:-

	Investment Earmarked Fund		Investment (Others)	
Particulars	**CURRENT YEAR**	**PREVIOUS YEAR**	**CURRENT YEAR**	**PREVIOUS YEAR**
1) Interest				
a) On Govt. Securities	-	-	-	-
b) On Bonds / Debentures	-	-	-	-
			-	-
2) Dividends:	-	-	-	-
a) On Shares	-	-	-	-
b) On Mutual fund securities		-	-	-
			-	-
Total Rs.	-	-	-	-

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.16: INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATIONS , ETC.

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Income from Royalty	-	-
2) Income from Publications	-	-
3) Others	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule No.17, INTEREST EARNED:-

1) On Term Deposits	-	-
2) On Saving Bank Account	-	-
3) On Loans	-	-
4) On Debtors & Others	-	-
recoveries as Interest	-	
Total Rs.		-

A. K. GARG & ASSOCIATES Chartered Accountants DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.18 Other Income

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Profit on Sale / Disposal of Assets	-	-
2) Exports Incentives Receivables	-	-
3) From Misc. Services	-	-
4) Misc. Income	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule No.19 Decrease / Increase In Stocks of Finished Goods / WIP

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
On Closing Stock:		
Finished Goods	-	-
Work in Progress	-	-
On Opening Stock:		
Finished Goods	-	-
Work in Progress	-	-

A.K. GARG & ASSOCIATES ★Chartered Accountants★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.20 ESTABLISHMENT EXPENSES

PARTICULARS	CURRENT YEAR (Rs.)	PREVIOUS YEAR (Rs.)
a) Salaries & Wages:-		
i) Salaries	2,25,64,641.00	2,19,95,598.00
ii) Pensions & Commutation Pensions	24,66,846.00	19,61,396.00
iii) Gratuity		-
iv) Earn Leave Encashments		-
		-
b) ALLOWANCES & BONUS:		-
i) Overtime Allowance		-
ii) Washing Allowance/ LIC	67,598.00	11,520.00
iii) Tuition Fees Allowances	4,02,499.00	5,04,356.00
iv) Liveries of IV Class Employee	75,000.00	66,900.00
v) Bonus		4,14,480.00
vi) LTC	21,242.00	1,28,888.00
c) CONTRIBUTION TO GPF	10,08,968.00	7,20,198.00
d) CONTRIBUTION TO OTHER FUND		-
e)Staff Welfare Expenses (Medical Claims)	11,71,551.00	15,82,679.00
f)Expenses on Employment Retirement/NPS	4,42,539.00	4,04,922.00
g) Other (Honorarium)	6,300.00	5,900.00
Total (Rs.)	**2,82,27,184.00**	**2,77,96,837.00**

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.21 OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:

	CURRENT YEAR TOTAL (Rs.)	PREVIOUS YEAR TOTAL (Rs.)
a) Annual Repairs & Maintt.Both Building	40,77,815.00	10,33,179.00
b) Colour Photo Documentation of Rare MSS	-	-
c) Computerisation & Digitalisation of MSS	-	-
d) Electrictiy & Water Expenses	6,86,490.00	6,17,378.00
e) Running & Maintenance of Generators	3,85,926.00	5,82,905.00
f) Preservations of Collections	2,66,077.00	5,50,743.00
g)Repairs & Maintenances of Machines /Equipments	2,80,025.00	8,43,834.00
h) Development & Maintenace, Wages of Gardens	12,20,801.00	10,76,170.00
i) Newspapers & Periodicals	58,413.90	69,841.00
j) Vehicle Running & Maintenance	20,612.00	1,31,956.00
k) Postage, Telephone & Communications	1,10,616.00	1,43,171.00
l) Printing & Stationary	2,07,307.00	2,54,973.00
m) Travelling & Conveyance Exp.	3,57,336.00	9,58,528.00
n) Seminars & Workshop & Lectures Series	8,44,635.00	12,77,547.00
o) Scholarships & Award	11,33,997.00	10,76,458.00
p) Office Expenses	8,09,216.45	10,37,215.90
q) Hospitalities to Guests & V.I.P	56,965.00	1,20,863.00
r) Legal & Professional Charges	2,11,030.00	2,45,430.00
s) Board & Sub-Committee Meetings	3,90,051.85	2,87,937.70
t) Annual Reports Calenders & Journal Printing	1,23,200.00	-
u) CISF (Security Guards)	1,91,70,948.00	1,89,95,851.00
v) Advertisements & Publicity	1,18,508.00	1,95,180.00
w) Contingencies	-	1,72,617.06
x) National Function	1,36,679.00	1,99,441.00
y) Translation & Publication of Rare MSS	-	-
z) Modernisation of Raza Museum	-	-
aa)CAG Audit fees	2,90,550.00	-
ab)Exhibition/ Intt. Exhibition/ Saudi Exhibition/ Books Fairs	- 43,773.00	10,61,082.00
ac)Swach Bharat	99,983.00	1,97,755.00
ad)Fire Protection	-	71,320.00
	-	
Total (Rs.)	**3,11,00,955.20**	**3,12,01,375.66**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ DELHI ★ Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.22 EXPENDITURE ON GRANTS/SUBSIDIES

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Grants Given to Institution & Organisation	-	-
b) Subsidies Given to:-		
Institution	-	-
Organisation	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule No.23 INTERESTS:

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) On Fixed Deposits	-	-
b) On Other Loans	-	-
c) Others	-	-
Total Rs.	-	-

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2020

PARTICULARS	SCHEDULE No.	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
CORPUS / CAPITAL FUND & LIABILITIES:-			
Corpus /Capital Fund	1	9,20,65,456.60	9,75,43,555.80
Reserves & Surpluses	2	1,44,57,236.00	1,44,57,236.00
Earmarked Endowment Fund	3a		
General Provident Fund	3b	1,09,38,163.50	95,72,622.50
Secured Loans & Borrowings	4		-
Unsecured Loans & Borrowings	5		-
Deferred Credit Liabilities	6		-
Current Liabilities & Provisions	7	1,42,15,911.00	59,84,803.00
Totals (Rs.)		**13,16,76,767.10**	**12,75,58,217.30**
ASSETS			
Fixed Assets	8	11,47,28,571.53	11,20,87,075.53
Investments: Provident Fund(GPF)	9	1,09,38,163.50	95,72,622.50
Investments Others	10		
Current Loans & Advances	11	60,10,032.07	58,98,519.27
Misc Expenditures			
(To the Extent Not Written off)			-
Total (Rs.)		**13,16,76,767.10**	**12,75,58,217.30**

For **A.K. GARG & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

M.No. 090539
Firm Regn No. 000922-N
Place: Delhi
Dt 24/9/2020

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule Forming Part of Balance Sheet As At 31.03.2020

Schedule No.1 CORPUS CAPITAL FUND:

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
Balance at Beginning of the year	9,75,43,555.80	8,68,52,710.46
Add: Contribution towards CORPUS /CAPITAL FUND	41,46,298.00	1,22,13,521.00
Add: Gift of Books / Received	85,174.00	70,397.00
BALANCE Rs.	**10,17,75,027.80**	**9,91,36,628.46**
Less: i) Publications Sold	1,93,615.00	1,33,247.00
ii) Gift of Books To Govt. Institutions /Libraries	2,51,535.00	96,150.00
iii) Transfer to Plan General Fund		-
iv) Transfer to Plan Capital Expenditure		
v) Transfer to Non Plan General Fund		
vi) Balance Capitlal Grants Plan		
Vii) Balance Short Capital Grants		
Less/Add:- Excess of Expenditures over Income	92,64,421.20	-13,63,675.66
Total(Rs.)	**9,20,65,456.60**	**9,75,43,555.80**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.2 RESERVE & SURPLUSES:-

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) CAPITAL RESERVES:-		
- As per last Account		-
- Addition during the year		-
- Deduction during the year		-
2) REVALUATION RESERVES:-		
- As per last Account		-
- Addition during the year		-
- Deduction during the year		-
3) SPECIAL RESERVES (UNUTILISED):-		
- As per last Account	1,44,57,236.00	1,44,57,236.00
- Addition during the year		-
- Deduction during the year		-
4) GENERAL RESERVES:-		
- As per last Account		-
- Addition during the year		-
- Deduction during the year		-
Total (Rs.)	**1,44,57,236.00**	**1,44,57,236.00**

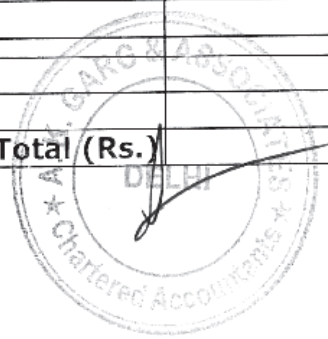

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.3a EARMARKED / ENDOWMENT FUND:-

FUNDWISE BREAK-UP	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Opening Balance of the Fund		-
b) Additions During the year		-
c) Utilisation / Expenditures towards Objects of		-
Fund Net Balance at the Year End		-
SCHEDULE NO.3b) GENERAL PROVIDENT FUND:-		
a) G.P.F Saving Bank Account:	19,72,633.50	20,43,495.50
Add:) i) Subscription during the year	6,87,554.00	7,20,198.00
ii) Interest earned during the year	1,65,218.00	57,940.00
iii) Interest earned on Fixed Deposites	2,57,810.00	
iv)Recoveries of GPF	8,23,000.00	6,62,000.00
v) FDR Matured and closed recd in Account	60,23,602.00	
	99,29,817.50	34,83,633.50
Less: i) Refundable Advances to Staff	-7,29,140.00	13,11,000.00
ii) Non Refundable Advances to Staff	-	2,00,000.00
iii) Transfer to NPS		
iv) New FDR made during the year	-70,00,000.00	
SAVING BANK BALANCE	**22,00,677.50**	**19,72,633.50**
b) SPECIAL DEPOSITS:-		
Opening Balance	75,99,989.00	69,73,644.00
Add: Interest on FDR's	1,13,206.00	1,30,347.00
Add: Interest FDR's Accrued	82,115.00	4,95,998.00
Add: New FDR made during the year	70,00,000.00	
Less: FDR Closed during the year	-60,23,602.00	
Less: Excess Intt recorded in prior years	-34,222.00	
TOTAL OF FIXED DEPOSITS	**87,37,486.00**	**75,99,989.00**
GRAND TOTAL (G.P.F)	**1,09,38,163.50**	**95,72,622.50**

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE No.4 SECURED LOANS / BORROWINGS:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Central Government	-	-
2) State Government	-	-
3) Financial Institutions	-	-
4) Banks	-	-
5) Other Institutions & Agencies	-	-
6) Debentures & Bonds	-	-
7) Others	-	-
Total Rs.	-	-

A.K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.5 UNSECURE LOANS & ADVANCES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Central Government	-	-
2) State Government	-	-
3) Financial Institutions	-	-
4) Banks	-	-
5) Other Institutions	-	-
6) Debentures & Bonds	-	-
7) Fixed Deposits	-	-
8) Others	-	-
Total Rs.	**-**	**-**

SCHEDULE NO.6 DEFERRED CREDIT LIABLITIES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Acceptances secured by the Hypothecation of Capital Equipments and other Assets	-	-
b) Others	-	-
Total Rs.	-	-

M. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.7 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS:-

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
CURRENT LIABILITIES:-		
1) Acceptances	-	-
2) Sundry Creditors:		
For Goods	-	-
For Others	4,12,006.00	-
3) Advances Received	-	-
4) Interest Accrued:		
Secrued Loans & Borrowings	-	-
Unsecured Loans & Borrowings	-	-
5) Statutory Liabilities :		
Overdue	-	-
TDS Payable	1,29,485.00	82,250.00
6) Other Currrent Liabilities:-		
GPF Transferrrable	71,414.00	1,30,347.00
Salaries, Wages and Pensions	15,00,355.00	
Maintt. Of Gardens		
Water & Electricity Payable		
CISF (Security Guards) Payable	70,81,188.00	16,66,554.00
Seminars & Lecture Series Payable		
Publication of Books & Purchase of Books Payable	2,473.00	
Legal & Professional Charges Payable	28,260.00	
Publicity All India Radio & CISF Stationery Payable		
Subtotal (Rs.)	**92,25,181.00**	**18,79,151.00**
PROVISIONS:		
a) For Taxation	-	-
b) For Gratuity	-	-
c) Superannuation / Pension Scheme-**NPS**	49,90,730.00	41,05,652.00
d) Accumulated Encashments Leave	-	-
e) Trade Warranties / Claims	-	-
Total (Rs.)	**1,42,15,911.00**	**59,84,803.00**

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.8 FIXED ASSETS AS ON 31.03.2020

Name of Assets	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	COST AS ON 01.04.2019	ADDITIONS DURING YEAR	SOLD DEDUCT DURING YEAR	COST VALUE AS ON 31.03.2020	AS ON 01.04.2019	ON ADDITION DURING THE YEAR	ON DEDUCT	TOTAL TO 31.03.2020	AS AT 31.03.2020	AS AT 31.03.2019
LAND:										
FREEHOLD LAND	17,44,122.00			17,44,122.00				-	17,44,122.00	17,44,122.00
LEASEHOLD LAND										
BUILDINGS:										
a) On Freehold Land	4,20,61,519.24	2,51,757.00		4,23,13,276.24	-				4,23,13,276.24	4,20,61,519.24
b) On Leasehold Land										
c) Ownership Flat/ Premises										
d)Superstructure on Land not Belonging to Entity										
MACHINES / LABORATROY:										
EQUIPMENTS	1,29,73,969.78	7,000.00		1,29,80,969.78	1,05,55,725.78	3,63,262.00		1,09,18,987.78	20,61,982.00	24,18,244.00
VEHICLES	4,92,281.32			4,92,281.32	4,60,163.32	4,818.00		4,64,981.32	27,300.00	32,118.00
FURNITURE & FIXTURES	79,58,140.14	95,400.00		80,53,540.14	49,97,697.14	3,02,325.00		53,00,022.14	27,53,518.00	29,60,443.00
COMPUTERS & PERIPHERALS	86,48,017.00			86,48,017.00	80,82,697.00	2,26,128.00		83,08,825.00	3,39,192.00	5,65,320.00
DARBAR HALL MUSEUM	60,63,674.00	16,284.00		60,79,958.00	-			-	60,79,958.00	60,63,674.00
LIBRARY BOOKS	3,76,25,549.29	9,93,248.00	4,45,150.00	3,81,73,647.29	-			-	3,81,73,647.29	3,76,25,549.29
TUBE WELL & WATERS	9,70,182.00			9,70,182.00	8,93,888.00	11,444.00		9,05,332.00	64,850.00	76,294.00
OFFICE EQUIPMENTS	41,13,816.01	1,54,660.00		42,68,476.01	26,49,791.01	2,39,322.00		28,89,113.01	13,79,363.00	14,64,025.00
OTHER FIXED ASSETS	11,50,240.00			11,50,240.00	-			-	11,50,240.00	11,50,240.00
DIGITALISATION MSS	1,59,25,527.00	27,15,596.00		1,86,41,123.00	-			-	1,86,41,123.00	1,59,25,527.00
TOTAL (Rs.)	**13,97,27,037.78**	**42,33,945.00**	**4,45,150.00**	**14,35,15,832.78**	**2,76,39,962.25**	**11,47,299.00**		**2,87,87,261.25**	**11,47,28,571.53**	**11,20,87,075.53**
PREVIOUS YEAR (Rs.)	**12,76,72,516.78**	**1,22,83,918.00**	**2,29,397.00**	**13,97,27,037.78**	**2,63,84,691.25**	**12,55,271.00**	**-**	**2,76,39,962.25**	**11,20,87,075.53**	**10,12,87,825.53**

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.9 INVESTMENT FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUND

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) In Govt. Securities		
2) Other Approved Securities		-
3) Shares		-
4) Debentures		-
5) Subsidiaries & Joint Venture		-
6) Others		-

GENERAL PROVIDENT FUND:-		
a) Saving Bank Accounts:-	19,72,633.50	20,43,495.50
Add:i) Subscription during the year	6,87,554.00	7,20,198.00
ii) Interest earned during the year	1,65,218.00	57,940.00
iii) Interest earned on Fixed Deposits	2,57,810.00	
iv) Recovries of G.P.F	8,23,000.00	6,62,000.00
v) FDR Matured and Closed	60,23,602.00	
Total	99,29,817.50	34,83,633.50
Less: i) Refundable Advance to Staff	-7,29,140.00	13,11,000.00
ii) Non Refundable Advances	-	2,00,000.00
iii) Amount Deposited in FDRs	-70,00,000.00	
Total Saving Bank Account (Rs.)	22,00,677.50	19,72,633.50
b) SPECIAL DEPOSITS:		
Opening Balance	75,99,989.00	69,73,644.00
Add: Interest on FDRs	1,13,206.00	1,30,347.00
Add: FDR's Interest Accrued	82,115.00	4,95,998.00
Add: New FDR Made during the year	70,00,000.00	
Less: FDR Matured anc Closed	-60,23,602.00	
Less: Excess Intt recorded in prior years	-34,222.00	
Total SPECIAL DEPOSITS Rs.	87,37,486.00	75,99,989.00
GRAND TOTAL G.P.F FUND Rs.	**1,09,38,163.50**	**95,72,622.50**

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.10 INVESTMENTS OTHERS

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
	AMOUNT (Rs.)	AMOUNT (Rs.)
1) In Govt. Securities	-	-
2) Other Approved Securities	-	-
3) Shares	-	-
4) Debutures	-	-
5) Subsidies & Joint Venture	-	-
6) Others	-	-
Total (Rs.)	-	-

A.K. GARG & ASSOCIATES * Chartered Accountants * DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.11 CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES:-

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A) CURRENT ASSETS:-		
1) INVENTORIES : Stores & Spares		-
Loose Tools		-
Stock in trade		-
2) Sundry Receivable / Recoveries	2,31,092.00	82,250.00
3) Cash in Hand		-
Postage Stamp Balance		11,879.00
Prepaid Expenses		
4) BANK BALACNES:-		
a) With Schedule Banks:-		
I) On Current Account:		
STATE BANK OF INDIA		
C.A. NO.10986696330	1,908.07	9,12,436.27
II) On Deposit Account		-
b) With No. Scheduled Banks:-		-
III) Savings Bank Account		
i) On Current Account		-
ii) On Deposit Account		-
iii) On Saving Account		-
Grants in Transit (Received after 31.03.2020)		-
5) POST OFFICE SAVING ACCOUNT		-
Total (Rs.)	**2,33,000.07**	**10,06,565.27**

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.11 CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT(Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
B) LOANS / ADVANCES & OTHER ASSETS:-		
1) LOANS: a)Staff		-
b) Other entities of Similar object		-
c) Others		-
2) Advances & Others Accounts		
Receivable in Cash in kind or		-
for value to be received		
a) On Capital Account		
ASI Agra for False Ceiling Darbar Hall	4,60,902.00	4,60,902.00
b) Prepaid Expenses		
c) Others:-		
i) Security Deposits		
ii)Security Deposits (CISF)	3,12,000.00	3,12,000.00
III) Other Security Deposits	13,400.00	13,400.00
National Pension Scheme **(NPS)**	49,90,730.00	41,05,652.00
TDS Receivable		
SUBTOTAL Rs.	**57,77,032.00**	**48,91,954.00**
Grand Totals Rs.	**60,10,032.07**	**58,98,519.27**

Director
Rampur Raza Library

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of Rampur Raza Library, Rampur for the year ended 31 March, 2020

We have audited the attached Balance Sheet of Rampur Raza Library, Rampur (Library) as at 31 March, 2020, the Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 21(2) of the Rampur Raza Library Act, 1975. These Financial Statements are the responsibility of the Library's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules &regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India.

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Library, as required under section 21(1) of Rampur Raza Library Act, 1975 in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

(A) Balance Sheet

(A.1) Reserves and Surplus (Schedule 2) **₹144.57 lakh**

Above included an amount of ₹ 144.57 lakh pertaining to Capital Fund and should have been included in Corpus/Capital Fund. This resulted in understatement of 'Corpus/Capital Fund' by ₹ 144.57 lakh and overstatement 'Reserve and Surplus' by the same amount.

(A.2) Current Liabilities and Provisions - Current Liabilities **₹1.42 crore (Schedule7)**

The above is understated by ₹ 13.87 lakh due to not written back of time barred cheques issued between 2008 to 2019 but not presented in bank till March 2020. This has also resulted in understatement of Current Assets-Bank Balances by the same amount.

(B) General

The Library has not made provision for retirement benefit on actuarial valuation as required in AS-15

(C) Grant in aid

The Library received Grants-in-aid of ₹551.58 lakh during the year 2019-20 and generated internal income of ₹ 0.62 lakh. After taking opening balance ₹ 9.12 lakh total fund available worked out to ₹561.32 lakh. Out of total funds the Library utilised ₹ 561.30 lakh leaving a balance of ₹0.02 lakh.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and subject to the

significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view inconformity with accounting principles generally accepted in India.

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Rampur Raza Library, Rampur as at 31March, 2020; and

(b) In so far as it relates to the Income and Expenditure Account of the 'deficit' for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

Place: Lucknow
Date: 12.11.2021

Director General of Audit (Central)

Annexure

1. **Adequacy of Internal Audit System**

   Internal Audit of the Library has not been conducted for the year 2019-20.

2. **Adequacy of Internal Control System**

   Internal control system of the Library seems to be adequate.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets**

   Physical verification of fixed assets has not been conducted for the year 2019-20.

4. **System of Physical Verification of Inventory**

   Physical verification of inventory has not been conducted for the year 2019-20.

5. **Regularity in Payment of Statutory Dues**

   The Library is regular in payment of Statutory dues.

Director (CE)

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के तत्कालीन निदेशक प्रोफेसर सैयद हसन अब्बास उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्रीमती आनंदीबेन पटेल से भेंट करते हुए। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने लाइब्रेरी की कार्यप्रणाली पर चर्चा की।

(08 अगस्त 2019)

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, दरबार हॉल में इण्डो-उज़्बेक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए श्री फरोद अरज़ेव, भारत में उज़्बेकिस्तान के राजदूत, नई दिल्ली एवं प्रो० सैयद हसन अब्बास, तत्कालीन निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर।

(03 फरवरी 2020)

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

मुद्रक : क्रियेटिव ऑफसेट प्रेस,
131 पटपडगंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली -92
मो.: 9136434848